@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 5 सितंबर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 296 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जीएसटी में बदलाव देश की अर्थव्यवस्था में मील का पत्थर साबित होंगे: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जीएसटी काउंसिल के नए सुधार भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने

वाले हैं और आने वाले वर्षों में यह मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी को पूरी तरह से शून्य करने को भी एक ऐतिहासिक कदम बताया। जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद घोषित नए सुधारों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली के नागरिक इन सुधारों का हृदय से स्वागत करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन निर्णयों से आम नागरिक को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अब हर नागरिक स्वतंत्र रूप से अपना जीवन बीमा ले सकेगा, अपनी जिंदगी को मूल्य दे सकेगा। यह कदम न केवल आर्थिक सुरक्षा देगा बल्कि सामाजिक न्याय को भी सशक्त करेगा। शिक्षा क्षेत्र में राहत की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शैक्षणिक सामग्री पर जीएसटी खत्म करना विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए बहुत बड़ी राहत है। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षा सस्ती और सुलभ होगी तथा हर बच्चा बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकेगा। नए बदलावों में देश के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि कृषि क्षेत्र और नवीकरणीय ऊर्जा पर दी गई जीएसटी छूट से देश और दिल्ली दोनों को व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार लंबे समय से सौर ऊर्जा और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है और यह निर्णय उन प्रयासों को नई गति देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि काउंसिल की बैठक में प्रत्येक बिंदु पर गहन विचार-विमर्श के बाद जो फैसले लिए गए, वे न केवल दूरदर्शी हैं बल्कि देश की आर्थिक विकास यात्रा में बेहद मजबूत कदम साबित होंगे। मुख्यमंत्री के अनुसार यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस इस विषय को भी राजनीति से जोड़ रही है। यह समय राजनीति करने का नहीं, बल्कि देश और नागरिकों के हित में उठाए गए इन कदमों का समर्थन करने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सुधारों से दिल्ली सहित पूरे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, नागरिकों का जीवन आसान होगा और भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ा कदम आगे बढ़ाएगा।

सिविल एविएशन में ट्रेनिंग, अनुसंधान और विकास के लिए भारत-सिंगापुर में समझौता

'पिछले एक दशक में, भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उल्लेखनीय प्रगति की है'

- भारत सिंगापुर निर्मित 20 से ज्यादा सैटेलाइट लॉन्च कर चुका है।

एजेंसी

नई दिल्ली। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने गुरुवार को कहा कि भारत और सिंगापुर के बीच साझेदारी साझा मूल्यों, आपसी सम्मान और गहरे विश्वास पर आधारित है। अनिश्चितता और उथल-पुथल से भरी दुनिया में दोनों देशों के बीच साझेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद लॉरेंस वोंग ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच आपसी संबंध हमारे संबंधों की नींव हैं। हम अपने साझा इतिहास और अपने लोगों के बीच मित्रता और विश्वास से शक्ति प्राप्त कर सकते हैं, नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं और दोनों देशों की स्थिरता और विकास में योगदान दे सकते हैं।

वोंग ने कहा, 'मैं आने वाले वर्षों में सिंगापुर-भारत साझेदारी को और भी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 'साथ-साथ बढ़ने' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक निवेशक के रूप में सिंगापुर भारत के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है और हमारा सहयोग अब विभिन्न क्षेत्रों में फैला हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए लॉरेंस वोंग ने कहा, 'पिछले एक दशक में, भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसकी गतिशीलता और असर उसकी सीमाओं से परे महसूस किए जाते हैं।

लॉरेंस वोंग ने कहा कि सिंगापुर भारत की कौशल विकास यात्रा का समर्थन करना जारी रखेगा। चेन्नई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के लिए वैश्विक भागीदार बनने के भारत के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए हमें गर्व महसूस हो रहा है। हम विमानन रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल तथा सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्यस्तरीय कौशल केंद्र स्थापित करने में भारत की मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश हवाई, समुद्री और डिजिटल क्षेत्रों में संपर्क को मजबूत करेंगे। आज सुबह हमने सिविल एविएशन में ट्रेनिंग, अनुसंधान और विकास में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह हमारे विमानन क्षेत्रों के विकास में सहायक होगा, व्यापार और पर्यटन को सुगम बनाएगा और अधिक व्यावसायिक अवसर पैदा करेगा। वहीं समुद्री क्षेत्र में हमने अभी नवी मुंबई में पीएसए के भारत मुंबई कंटेनर टर्मिनल के दूसरे चरण का शुभारंभ किया है, जो भारत का सबसे बड़ा स्टैंडअलोन कंटेनर टर्मिनल बन जाएगा।

जीएसटी सुधारों से हर वर्ग को राहत

नवरात्र से पहले देश में खुशी का माहौल : संबित पात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में जीएसटी 2.0 को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने जीएसटी स्लैब को हर वर्ग के लिए खुशखबरी बताया। उन्होंने कहा कि नवरात्र से पहले देश में खुशी का माहौल है, क्योंकि जीएसटी दरों में कटौती से आम जनता, किसानों, मध्यम वर्ग और मेडिकल सेक्टर को बड़ी राहत मिलेगी।

संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'नवरात्र से पहले ही पूरे देश में खुशी का माहौल है। आज सुबह जब मैंने चाय की चुस्कियों के साथ अखबार पढ़ा, तो चाय का रेट 6 प्रतिशत वैट से कम होकर 0 प्रतिशत जीएसटी हो गया था। 22 सितंबर से सभी के लिए हर वस्तु एक तरह से सस्ती होने वाली है और हर वर्ग के लिए खुशखबरी है, चाहे

वो किसान हो, कोई मरीज हो, आम गृहणी हो, साधारण ऑफिस जाने वाला व्यक्ति हो, या कोई बच्चा हो, उन सभी के लिए आज खुशखबरी आई है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के जमाने में दूध पर 6 प्रतिशत वैट लगता था, आज उसे 0 प्रतिशत कर दिया गया है, यानी उसपर कोई जीएसटी नहीं रहेगी। उसी प्रकार दही, लस्सी, छाछ पर भी अब मात्र 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगी। इसके अलावा, चॉकलेट पर 31 प्रतिशत वैट लगता था, जो अब कम होकर 5 प्रतिशत जीएसटी हो गया है। मिठाई पर 21 प्रतिशत वैट लगता था, जो अब कम होकर 5 प्रतिशत जीएसटी हो गया है। साथ ही गेहूं पर 2.5 प्रतिशत वैट लगता था। अब 0 प्रतिशत जीएसटी लगेगी। चावल पर 2.75 प्रतिशत वैट लगता था। अब 0 प्रतिशत जीएसटी लगेगी।'

भारत में इंटरनेट ससक्राइबर्स की संया 100 करोड़ के पार

अप्रैल-जून अवधि में 3.48 प्रतिशत का हुआ इजाफा

एजेंसी

नई दिल्ली,। ब्रॉडबैंड ग्रोथ के कारण भारत में इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 30 जून, 2025 तक 1 अरब को पार कर 1,002.85 मिलियन हो गई, जो मार्च की तुलना में 3.48 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन 100 करोड़ से अधिक ग्राहकों में से 4.47 करोड़ के पास वायर्ड इंटरनेट कनेक्शन थे, जबकि 95.81 करोड़ के पास वायरलेस कनेक्शन थे। ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.77 प्रतिशत बढ़कर 979.71 मिलियन हो गई, जबकि नैरोबैंड यूजर्स की संख्या घटकर 23.14 मिलियन रह गई। जून तिमाही में कुल टेलीफोन ग्राहकों की

संख्या 1,218.36 मिलियन तक पहुंच गई, जो पिछली तिमाही की तुलना में 1.46 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि इससे कुल दूरसंचार घनत्व बढ़कर 86.09 प्रतिशत हो गया, जो पिछली तिमाही में 85.04 प्रतिशत था। जनसांख्यिकी के संदर्भ में, शहरी इंटरनेट ग्राहकों की संख्या लगभग 57.94 करोड़ है, जबकि ग्रामीण इंटरनेट ग्राहकों की संख्या 42.33 करोड़ है।

आंकड़ों के अनुसार, वायरलेस सेवाओं के लिए मासिक औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) 186.62 रुपए है, जबकि प्रति वायरलेस ग्राहक औसत उपयोग मिनट (एमओयू) हर महीने 16.76 घंटे है। दूरसंचार क्षेत्र का सकल राजस्व 96,646 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछली तिमाही से 1.63 प्रतिशत कम है, लेकिन सालाना आधार पर 12.34 प्रतिशत अधिक है।

समायोजित सकल राजस्व 81,325 करोड़ रुपए रहा, जो पिछली तिमाही से 2.65 प्रतिशत अधिक है। एक्सेस सेवाओं का समायोजित सकल राजस्व में 83.62 प्रतिशत का योगदान रहा है। प्रेस रिलीज में आगे कहा गया है कि लाइसेंस शुल्क 2.63 प्रतिशत बढ़कर 6,506 करोड़ रुपए हो गया और पास-थ्रू शुल्क 19.45 प्रतिशत घटकर 10,457 करोड़ रुपए हो गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने लगभग 912 निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों को अपलिंकिंग या डाउनलिंकिंग या दोनों के लिए अनुमति दी है। भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 902 सैटेलाइट टीवी चैनलों में से, 30 जून, 2025 तक 333 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

आंध्र प्रदेश कैबिनेट ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य नीति को दी मंजूरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने आयुष्मान भारत और एनटीआर सेवा योजना के तहत एक नवीन स्वास्थ्य नीति को मंजूरी देते हुए प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिए जाने का रास्ता साफ कर दिया है। इस नवीनतम निर्णय से राज्य भर के 1.63 करोड़ परिवारों को स्वास्थ्य बीमा मिल सकेगा। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में वेलागपुडी सचिवालय में गुरूवार सुबह हुई कैबिनेट बैठक में इस आशय का फैसला लिया गया। बैठक में उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, मंत्री सीएस विजयानंद और कई अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हुए। राज्य सरकार ने आयुष्मान भारत और एनटीआर सेवा योजना के तहत नवीन स्वास्थ्य नीति को मंजूरी प्रदान की, जिससे प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। सरकार के इस निर्णय से राज्य भर के 1.63 करोड़ परिवारों को स्वास्थ्य बीमा मिल सकेगा।

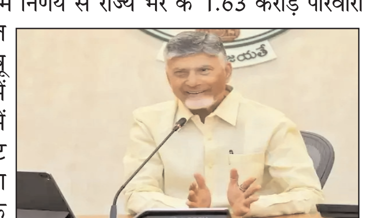

जोधपुर में आरएसएस की समन्वय बैठक में विचारों का संगम

- निर्णय नहीं, चर्चा होगी मुख्य उद्देश्य

एजेंसी

जोधपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक 5 से 7 सितंबर तक लालसागर में आयोजित होगी। बैठक में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की मौजूदगी में 32 संघ प्रेरित संगठनों के 320 कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक का उद्देश्य परस्पर समन्वय और विचार विमर्श है, इसमें कोई प्रस्ताव पारित नहीं होगा। इसमें भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिंदू परिषद, भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, स्वदेशी जागरण मंच, संस्कार भारती, सेवा भारती जैसे संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।

सामाजिक समरसता की स्थापना, कुटुंब प्रबोधन और आदर्श परिवारों का निर्माण, पर्यावरण संरक्षण की जीवनशैली, स्व-आधारित विकास (स्वभाषा, स्वभूषा, स्वावलंबन), नागरिक कर्तव्यों का पालन। इसके अलावा, 2025-26 को संघ के शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। आंबेकर ने बताया कि यह वर्ष 2 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होगा, जब संघ अपने 100 वर्ष पूरे करेगा। जोधपुर में बैठक आयोजित करने का कारण राजस्थान में संघ कार्य का व्यापक प्रभाव और स्थानीय लोगों का सहयोग बताया गया है।

शिवराज सिंह चौहान ने किया पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा

बोले- नुकसान की भरपाई की जाएगी

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में आई बाढ़ से फसलें बर्बाद हो गईं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा नेता तरुण चुघ और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने गुरुवार को पंजाब के कई बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, ÷मैं यहां किसानों की स्थिति का जायजा लेने आया हूं। जो हालात पंजाब में बने हैं, वो चिंताजनक हैं। लगातार पानी भरने से किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। खासतौर पर धान के खेतों को काफी नुकसान हुआ है। हमने क्षेत्र का दौरा किया है और स्थिति का मूल्यांकन कर उचित समाधान निकालेंगे।' केंद्रीय मंत्री ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी फसल और नुकसान की पूरी रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजी जाएगी। उन्होंने कहा, ÷आप चिंता न करें, आपका जो भी नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री इस संकट से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। संकट के घड़ी में सरकार किसानों के साथ है।' शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'हम यहां स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। गन्ना भी पूरी तरह से बर्बाद हो

गया है। यहां दो केंद्रीय टीमें सारे हालत को देख रही हैं, और रिपोर्ट करेंगी।' इसी बीच केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भी किसानों को सांत्वना दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो विशेष टीम भेजी हैं जो प्रभावित इलाकों में फसलों का मूल्यांकन कर रही हैं। बिट्टू ने कहा, 'हम स्थिति का पूरा जायजा ले रहे हैं और जल्द ही उचित कदम उठाए जाएंगे, ताकि किसानों को मदद मिल सके। केंद्र सरकार इस संकट से निपटने में पूरी तत्परता से लगी हुई है। पीएम मोदी ने हमे मैसेज देकर भेजा है कि किसी भी चीज की कमी नहीं होने देंगे।' केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, तरुण चुघ, रवनीत सिंह बिट्टू और पंजाब के विधायक सुनील कुमार जाखड़ ने डेरा बाबा नानक के गांव धर्मकोट का भी दौरा किया। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित किसानों और ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और राहत कार्यों की जानकारी ली। धर्मकोट सहित अन्य प्रभावित इलाकों में बाढ़ से फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और कई खेत पानी में डूब गए हैं। केंद्रीय मंत्री और उनकी टीम ने किसानों को आश्वासन दिया कि जल्द ही केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उनके नुकसान की भरपाई करेंगे। केंद्रीय मंत्रियों का यह दौरा किसानों के मनोबल को बढ़ाने और बाढ़ प्रभावित इलाकों में तुरंत मदद पहुंचाने का प्रयास माना जा रहा है।

राहुल गांधी ने इंदौर में दो नवजातों की चूहों के कुतरने से हुई मौत को बताया हत्या

- कहा- हम चुप नहीं रहेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के इंदौर में महाराजा यशवंतराव सरकारी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती दो नवजात शिशुओं की चूहों के कुतरने से हुई मौत को हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह चुप नहीं रहेंगे और यह लड़ाई हर गरीब, हर परिवार और हर बच्चे के हक की है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में नाराजगी जताते हुए इसे भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि इंदौर में मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में हुई यह घटना हत्या है, जो सुनने में ही रूह कंपा देने वाली है। उन्होंने कहा कि एक मां की गोद से उसका बच्चा सिर्फ इसलिए छिन गया, क्योंकि सरकार ने अपनी सबसे बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभाई। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र को जानबूझकर निजी हाथों में सौंपने का आरोप लगाते हुए कहा कि जहां अब इलाज सिर्फ अमीरों के लिए रह गया है, जबकि गरीबों के लिए सरकारी अस्पताल जीवनदायी होने के बजाय मौत के अड्डे बन चुके हैं। प्रशासन हर बार कहता है कि जांच होगी, लेकिन सवाल यह है कि जब नवजात बच्चों की सुरक्षा तक सुनिश्चित नहीं की जा

सकती, तो सरकार चलाने का हक कैसे है? उन्होंने कहा कि इस सरकार ने देश के करोड़ों गरीबों से स्वास्थ्य का अधिकार छीन लिया है और अब मां की गोद से बच्चे तक छिनने लगे हैं। यह आवाज उन लाखों मां-बाप की तरफ से उठ रही है, जो आज सरकारी लापरवाही का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह चुप नहीं रहेंगे और यह लड़ाई हर गरीब, हर परिवार और हर बच्चे के हक की है।

इंटरनेशनल वैलनेस सेंटर की स्थापना जल्द होगी: डॉक्टर पंकज

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 4 सितंबर, 2025÷ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह की अध्ययक्षता में कल नजफग? के खेरा डाबर स्थित चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान (CBPACS) में 19वीं गवर्निंग कॉउन्सिल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस मीटिंग में चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान की प्रगति के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने विस्तार से चर्चा की। मंत्री महोदय ने बैठक में मौजूद आयुष विभाग की निदेशक डॉक्टर योगिता मुंजाल, CBPACS के निदेशक और बैठक में मौजूद अधिकारियों के सामने सभी डॉक्टर्स एवं कर्मचारियों का हौंसला ब?ाते हुए कहा की इस संस्थान की उन्नति के लिए हमारी सरकार हर संभव मदद करने को तैयार है। मंत्री महोदय ने सभी को निर्देश देते हुए कहा कि सब लोग एक साथ मिलकर चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान (CBPACS) को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बनाने के लिए प्रयास करें। चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान (CBPACS) की गवर्निंग काउंसिल की 19वीं बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हमारी सरकार आयुर्वेद एवं आयुष चिकित्सा को एक नया आयाम और नई उड़ान देने के लिए प्रतिबद्ध है। चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों आयुर्वेदिक, यूनानी जैसे आयुष चिकित्सा के क्षेत्र में राजधानी दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया भर में रोल मॉडल संस्थान बनाएंगे। CBPACS की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन और दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमारी सरकार रात दिन काम करने में जुटी है। चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान

में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, नए अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकरण एवं विस्तार पर हमारी सरकार का खास फोकस है। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आयुर्वेदिक शिक्षा, रिसर्च और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ ही इस संस्थान की अधोसंरचना और नई योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान में डॉक्टर्स, टीचर और स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। साथ ही मैंने संस्थान में सभी खाली पदों को भरने, पंचकर्म को बढ़ावा देने, ओपीडी सेवा को अपग्रेड करने से लेकर छात्रों और मरीजों के हित में भी अधिकारियों संग विस्तार से चर्चा की।

शेष पृष्ठ 3 पर

उपराष्ट्रपति चुनावः बीजेपी सक्रिय, 6 सितंबर को सभी सांसदों को दिल्ली बुलाया

-7 सितंबर को सुबह से देर शाम तक पार्टी कार्यशाला में शामिल होने के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव में अब कुछ दिन ही बचे हैं और बीजेपी ने अपने सभी सांसदों को पत्र जारी कर 6 सितंबर तक दिल्ली आने के निर्देश दिए हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी पार्टी सांसदों को 6 सितंबर को अपने आवास पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया है। 7 सितंबर को सांसदों को सुबह 9 बजे से देर शाम तक आयोजित पार्टी कार्यशाला में शामिल होने का निर्देश दिया है।

यह कार्यशाला 8 सितंबर को संसद परिसर स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगी। उसी शाम पीएम मोदी अपने आवास पर एनडीए के सभी सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। 9 सितंबर को लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्य भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव

के लिए मतदान करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मंच तैयार है, जिसमें सत्तारूढ़ बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के सीपी राधाकृष्णन का मुकाबला इंडिया ब्लॉक के बी सुदर्शन रेड्डी से होना है। विपक्ष को सर्वसम्मति से उपराष्ट्रपति पद के लिए मनाने की सरकार की कोशिशें नाकाम रहीं हैं, क्योंकि इंडिया ब्लॉक ने सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक माना गया है। वर्तमान में संसद के दोनों सदनों को मिलाकर सदस्यों की संख्या 787 है। भारत के अगले उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने के लिए किसी उम्मीदवार को कम से कम 394 मतों की जरुरत होगी।

मौजूदा स्थिति राधाकृष्णन के पक्ष में है, क्योंकि बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के पास 422 सांसद हैं, जिनमें मनोनीत सदस्य भी शामिल हैं, जो एनडीए उम्मीदवार का समर्थन कर सकते हैं। एनडीए के सांसदों की संख्या 542 सदस्यीय लोकसभा में 293 और राज्यसभा में 129 है, जहां सदन की प्रभावी संख्या वर्तमान में 245 है। विपक्ष के लिए ये चुनाव 2017 और 2022 के उपराष्ट्रपति चुनावों की तरह एक प्रतीकात्मक मुकाबला बने हुए हैं, क्योंकि उनके पास पर्याप्त संख्याबल नहीं है।

रनवे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान से टकराई चील, फ्लाइट हुई रद्द

विजयवाड़ा (एजेंसी)। गुरुवार 4 सितंबर को विजयवाड़ा से बेंगलुरु जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान उस समय रद्द करनी पड़ गई जबकि टेक ऑफ से ठीक पहले रनवे पर विमान के अगले हिस्से से एक चील टकरा गई। एयरलाइन अधिकारियों ने बताया कि यह घटना उड़ान भरने से पहले हुई, जिसके चलते यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट रद्द कर दी गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने विमान के सभी यात्रियों के लिए तुरंत ही वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की और असुविधा होने पर खेद जताया है। एयरलाइन ने कहा कि जमीनी परिचालन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

पिछले दिनों भी सामने आईं चुनौतियाँ

गौरतलब है कि गत 3 सितंबर को तिरुचिरापल्ली से उड़ान भरने वाले एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी। यात्रियों को दूसरी उड़ान से भेजा गया। इसी प्रकार 31 अगस्त को दिल्ली-इंदौर एअर इंडिया की उड़ान टेक ऑफ के बाद इंजन में आग लगने की आशंका पर वापस लौटा ली गई थी। पायलटों ने सतर्कता दिखाते हुए बिना आपातकालीन घोषणा किए विमान को सुरक्षित उतार लिया था। विशेषज्ञों की राय है कि पक्षियों से विमान का टकराना (बर्ड हिट) भारतीय हवाई अड्डों पर लगातार एक चुनौती बनी हुई है। विमानन प्राधिकरण और एयरलाइंस इसके समाधान के लिए निगरानी, हवाई अड्डे पर पक्षी नियंत्रण और टेकऑफ़-लैंडिंग के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा उपायों पर काम कर रहे हैं।

करमा पूजा के दौरान हुआ हादसा, 3 किशोरियों समेत 4 की मौत

नवादा (एजेंसी)। बिहार के नवादा जिले में करमा पूजा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को पकरीबरावां थाना क्षेत्र के दतरौला गांव में तालाब में स्नान करने गईं तीन किशोरियों और एक महिला की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। मृतकों में पंचायत समिति सदस्य कृष्ण पासवान की बेटियां अनामिका कुमारी (12) और पूजा कुमारी (18), इसी परिवार के शंभु पासवान की पत्नी ज्योति देवी (28) और उनकी बेटी खुशबू कुमारी (11) शामिल हैं। इसके अलावा राजेंद्र पासवान की बेटी प्रियंका कुमारी को गंभीर हालत में नवादा रेफर किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) निशु मलिक ने मीडिया को बताया कि पूजा-अर्चना के लिए तालाब में स्नान करने के दौरान गहराई का अंदाजा न लग पाने से यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से सभी शवों को बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिला प्रशासन ने आवश्यक कानूनी व प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि बिहार, झारखंड और आसपास के राज्यों में करमा पूजा बड़े उत्साह और पारंपरिक आस्था के साथ मनाई जाती है, जिसे उर्वरता, समृद्धि और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक माना जाता है।

पटना में भीषण सड़क हादसा, 5 कारोबारियों की मौत

पटना (एजेंसी)। बीती रात बिहार के पटना में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 5 कारोबारियों की मौत हो गई। यह घटना सिपारा-पुनपुन रोड पर परसा बाजार थाना इलाके में बुधवार देर रात हुई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे कार परसा बाजार थाना क्षेत्र के सुइया मोड़ फ्लाई ओवर से नीचे उतर रही थी, तभी कार अनियंत्रित होकर ट्रक के अंदर जा घुसी। इस संबंध में ट्रक के ड्राइवर को पता भी नहीं चला और वह कार को घसीटते हुए 25 मीटर तक दूर तक चला गया। इस हादसे में पांच कारोबारियों की मौत हो गई। मृतकों के नाम राजेश कुमार उम्र 50 साल निवासी गोपालपुर, संजय कुमार उम्र 38 साल, कमल किशोर उम्र 38 साल निवासी सिपारा, प्रकाश चौरसिया उम्र 35 साल और सुनील कुमार उम्र 30 साल निवासी मुजफ्फरपुर है। वहीं, सड़क हादसे के संबंध में पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद सदर डीएसपी रंजन कुमार और परसा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर से कार को काटकर सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद उपचार के लिए सभी घायलों को पटना के पीएमसीएच भेजा गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बहरहाल पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

झारखंड में माओवादियों के साथ मुठभेड़ में दो पुलिस जवान शहीद, एक घायल

-मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पलामू में तलाशी अभियान तेज कर दिया है

पलामू (एजेंसी)। झारखंड के पलामू जिले में माओवादियों के साथ मुठभेड़ में दो पुलिस जवान शहीद हो गए और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि मनातू पुलिस थाना क्षेत्र के केदल इलाके में बुधवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे सुरक्षाबलों और प्रतिबंधित तृतीया सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई। पलामू के डीआईजी नौशाद आलम ने बताया कि मुठभेड़ में दो सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और एक जवान घायल हुअर है। घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि केदल गांव में टीएसपीसी कमांडर शशिकांत गंझू और उसके दल की मौजूदगी की सूचना मिली थी सूचना के आधार पर अभियान चलाया। जैसे ही सुरक्षा दल मौके पर पहुंचा, टीएसपीसी सदस्यों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में तीन सुरक्षाकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दो जवानों को मृत घोषित कर दिया और घायल जवान का इलाज किया जा रहा है। केदल गांव टीएसपीसी का गढ़ माना जाता रहा है, जहाँ शशिकांत गंझू पलामू और चतरा जिलों में संगठन की गतिविधियों का नेतृत्व करता रहा है।

राजभर के घर एबीवीपी के हंगामे पर बोले अखिलेश यादव- यह भाजपा किसी की सगी नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। बाराबंकी लाठीचार्ज और मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास पर हुए अखिल भारतीय विघार्थी परिषद (एबीवीपी) के प्रदर्शन को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बीजेपी अब अपने ही सहयोगियों और उनसे जुड़े संगठनों में झगड़े करवा रही है।

अखिलेश ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल अपने राजनीतिक सहयोगियों को कमजोर करने और राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश रच रहा है। उन्होंने कहा, कि बीजेपी की रणनीति है, पहले इस्तेमाल करो और फिर फेंक दो। इनके पैसों के लालच वाले सहयोगी समझ चुके हैं कि बीजेपी उनकी वित्तीय स्थिति तो सुधार सकती है, लेकिन उन्हें कभी सम्मान नहीं देगी। यह बयान उस वक्त आया जब एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने राजभर के 'गुंडा' कहने वाले बयान से नाराज होकर उनके लखनऊ स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया। राजभर के बेटे अरुण राजभर ने वीडियो संदेश जारी कर पत्थरबाजी, अभद्र भाषा और तोड़फोड़ का आरोप लगाया। इसी के साथ सपा नेता अखिलेश यादव ने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें पुलिसकर्मी प्रदर्शनकारियों को 'भाई' कहते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बड़े पुलिस अधिकारी भाजपा नेताओं के सामने सिर झुकाते हैं और सड़क पर कनिष्ठ पुलिसकर्मियों को मजबूर कर दिया जाता है कि वे 'भाई-भाई' कहकर प्रदर्शनकारियों से हाथ जोड़ें।

महाराष्ट्र में अजब गजब सियासत! संजय राउत ने की फडणवीस की तारीफ, शिंदे-पवार को घेरा

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मराठा आरक्षण आंदोलन को सुलझाने और कार्यकर्ता मनोज जारंगे की भूख हड़ताल समाप्त करने का श्रेय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को दिया। संजय राउत द्वारा यह भाजपा नेता की एक दुर्लभ सराहना है। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा कि फडणवीस ने पर्दे के पीछे से काम किया और मराठा आरक्षण पर कैबिनेट उप-समिति के साथ विचार-विमर्श में शामिल रहे। राउत ने कहा कि

अगर सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाया है और जरांगे की जान बचाई है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस इस मुद्दे को सुलझाने के लिए विचार-विमर्श में शामिल थे। वह पृष्ठभूमि में काम कर रहे थे। सारा श्रेय फडणवीस को जाना चाहिए। जारंगे और मराठा प्रदर्शनकारियों द्वारा मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना का जिक्र करते हुए राउत ने कहा, ÷मैं फडणवीस के धैर्य की भी सराहना करूंगा।÷ राउत भाजपा और फडणवीस के कटु आलोचक रहे हैं। हालाँकि, उन्होंने दावा किया कि जब जरांगे अपना अनशन शुरू करने मुंबई आए थे, तो भाजपा नेताओं ने अलग भाषा बोली थी। राउत ने दावा किया कि फडणवीस को छोड़कर भाजपा नेताओं ने ÷अत्यधिक नफ़रत फैलाने÷ की कोशिश की। शिवसेना (यूबीटी) ने मराठा आंदोलन को लेकर उप-मुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा। राउत ने कहा, ÷एकनाथ शिंदे और अजित पवार कहाँ थे? उन्होंने विचार-विमर्श में भाग क्यों नहीं लिया? क्या वे चाहते थे कि मामला बिगड़े और फडणवीस मुश्किल में पड़ें।÷ वहीं, राउत ने महाराष्ट्र के हालिया मराठा आरक्षण निर्णय में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगाते हुए कैबिनेट मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल से इस्तीफा देने का आग्रह किया है। राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चुनौती देने के इरादे से मराठा आरक्षण आंदोलन की योजना बनाने का आरोप लगाया। अपने समुदाय के हितों की रक्षा की मांग करते हुए, भुजबल ने सरकार के रुख पर निराशा व्यक्त की। इस बीच, राज्य सरकार द्वारा मराठों को ओबीसी का दर्जा देने पर विचार करने की प्रतिबद्धता जताए जाने के बाद कार्यकर्ता मनोज जारंगे ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी, जिससे हाल के सरकारी प्रस्तावों के बाद कोटा कार्यान्वयन के माध्यम से संभावित लाभ का संकेत मिलता है।

देश के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

-पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में हुई 11 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अखबार में छपी खबर के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका पर सुनवाई शुरू की, जिसमें देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा उठाया गया। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। इस वजह से सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर संज्ञान लिया। इससे पहले, 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के सभी पुलिस थानों में नाइट विज़न और ऑडियो क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य किया था।

इस ऐतिहासिक फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी अहम बिंदुओं, जिनमें लॉक-अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जांच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाए।

कोर्ट के निर्देशों के बावजूद कई पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं या फुटेज गायब हैं, जिससे जांच और जवाबदेही में बाधा आती है। पुलिस एजेंसियों ने हिरासत में दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों में अक्सर तकनीकी समस्याओं या फुटेज की अनुपलब्धता को बाधा के रूप में पेश किया है। सुप्रीम कोर्ट के स्वतः संज्ञान कार्रवाई अनुपालन और प्रवर्तन में जारी कमियों को रेखांकित करती है।

कोर्ट ने सीसीटीवी की खरीद, स्थापना और रखरखाव करने के लिए राज्य और केंद्रीय निगरानी समितियों की भूमिका

पर भी प्रकाश डाला। कोर्ट ने निर्देश दिया कि गंभीर चोटों या हिरासत में मौतों से जुड़े मामलों में, पीड़ित या उनके परिवार मानवाधिकार आयोगों या अदालतों से संपर्क कर सकते हैं, जिनके पास जांच और साक्ष्य संरक्षण के लिए सीसीटीवी फुटेज मांगने का अधिकार है।

पूर्व वित्त मंत्री का तंज बोले- जीएसटी में बदलाव ट्रंप के टैरिफ का डर या बिहार चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी) राज्यसभा सांसद एवं पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने अपने पोस्ट में लिखा है, जीएसटी को तर्कसंगत बनाना और कई वस्तुओं व सेवाओं पर दरों में कमी स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसमें 8 साल की देरी हो चुकी है। जीएसटी का वर्तमान स्वरूप और दरें क्या शुरू में ही लागू नहीं हो होनी चाहिए थीं। हम पिछले 8 सालों से जीएसटी के स्वरूप और दरों के खिलाफ लगातार आवाज़ उठा रहे हैं, लेकिन हमारी अपील अनसुनी हो गई। कांग्रेस के वरिष्ठ चिदंबरम ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती का स्वागत किया है लेकिन इसके साथ ही उसकी टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए सवाल उठाया कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने में सरकार को 8 साल क्यों लग गए? सोशल मीडिया एक्स पर लिखे एक पोस्ट में उन्होंने पूछा है कि क्या जीएसटी की जो नई दें अब लागू की गई हैं। वे शुरू से ही नहीं लागू किया जाना चाहिए था?

सरकार के अचानक इस कदम के पीछे क्या कारण रहे होंगे। इस का अनुमान लगाते हुए चिदंबरम ने आगे लिखा है, ऐसे में यह जानना दिलचस्प होगा कि सरकार ने ये बदलाव अब क्यों किए...धीमी विकास दर? बढ़ता घरेलू कर्ज? घटती घरेलू बचत? बिहार में चुनाव? या ट्रम्प और उनके टैरिफ? या ये सब? उन्होंने कहा कि विपक्ष 2017 में जीएसटी की शुरुआत से ही इनके खिलाफ चेतावनी दे रहा था। बता दें कि एक दिन पहले ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 56वीं जीएसटी परिषद ने चार स्लैब वाली टैक्स प्रणाली को बदलते हुए अब 5 और 18 फीसदी जीएसटी की दो दरें तय की हैं। नई दरें 22 सितंबर, यानी नवरात्रि के पहले दिन से लागू होंगी। इन बदलावों से छोटी कारें, बाइक और कई अन्य उपभोक्ता वस्तुएँ सस्ती हो जाएँगी। साबुन, शैम्पू, टूथपेस्ट, टैल्कम पाउडर और हेयर ऑयल जैसी रोज़मर्रा की वस्तुओं पर भी अब 18 फीसदी की बजाय 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। इससे ये सामान भी सस्ते हो जाएंगे। इनके अलावा साइकिल, बर्तन, दूध की बोतलें और बाँस के फ़र्नीचर जैसी वस्तुओं को भी अब 5 फीसदी के टैक्स स्लैब में ला दिया गया है। इसके अलावा कुछ वस्तुओं पर शून्य कर और कुछ पर 40 प्रतिशत कर भी होंगे। नयी व्यवस्था में अल्ट्रा हाई टेंपरेचर दूध, छेना, पनीर, चपाती रोटी पराठा आदि पर कोई कर नहीं लगेगा। सभी देशी रोटियों (चपाती, पराठा, रोटी आदि) पर जीएसटी दर शून्य होगी। तैंतीस जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर भी जीएसटी 12 प्रतिशत से

घटाकर शून्य कर दिया गया है। कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर दीर्घकालिक रोगों के उपचार में प्रयुक्त तीन जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी पांच प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। अन्य दवाओं पर पांच प्रतिशत कर लगेगा। व्यक्तिगत जीवन बीमा और व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पर भी कोई कर नहीं होगा।

मुरली मनोहर जोशी ने कहा- आमदनी में असमानता घातक, केवल आर्थिक विकास को लक्ष्य मानना ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा नई दिल्ली में संघ की शताब्दी वर्षगांठ पर आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यानमाला से ठीक एक हफ्ते पहले संघ के आर्थिक क्षेत्र में काम करने वाले छह संगठनों के करीब 80 प्रतिनिधियों की बंद कमरे में विशेष बैठक हुई। इसमें वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी मुख्य वक्ता रहे। जोशी ने इस दौरान करीब 70 स्लाइड्स दिखाईं और कहा कि केवल आर्थिक विकास को ही राष्ट्रीय लक्ष्य मानना उचित नहीं है। उन्होंने आय में असमानता, भारत की कम प्रति व्यक्ति जीडीपी और सामाजिक संकटों का उल्लेख करते हुए डिग्रोथ की अवधारणा पेश की। इसका अर्थ है कि विकास की दौड़ से बाहर निकलकर सादगी, साझेदारी और स्थानीय संसाधनों के संरक्षण पर जोर देना।

आय असमानता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2021 में भारत की कुल घरेलू संपत्ति का 65 प्रतिशत केवल शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों के पास था। भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी मात्र 2,878 डॉलर थी, जबकि जापान की 33,955 डॉलर थी। कृषि व स्वदेशी उद्योगों पर फोकस करने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी सहयोग पर अधिक निर्भरता भारत के हित में नहीं है। मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि 1.58 करोड़ बच्चे नशे के शिकार हो चुके हैं। दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले करीब एक-तिहाई बच्चे नशे और शराब में फंस चुके हैं। उन्होंने आत्महत्या की बढ़ती दर पर भी चिंता जताई। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आत्महत्या करने वालों की संख्या 2018 में 1.34 लाख से बढ़कर 2022 में 1.70 लाख तक पहुंच चुके हैं। 2019-21 के बीच 35,950 छात्रों ने जान दी है।अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री रहे मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन दर केवल 32.7 प्रतिशत, जबकि जापान में 64.6 प्रतिशत और पोलैंड में 75.3 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की 43.5 प्रतिशत आबादी अब भी कृषि पर निर्भर, जबकि जापान में यह मात्र 3 प्रतिशत है।

होसबाले ने कहा- बैठक का मकसद सरकार की आलोचना नहीं

मुरली मनोहर जोशी ने चेतावनी दी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सामाजिक असमानताओं को और गहरा कर सकता है। उन्होंने हालिया प्राकृतिक आपदाओं और हिमालयी सड़कों के चौड़ीकरण को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि भारत क्लाइमेट इमरजेंसी की ओर बढ़ रहा है। मोहन भागवत ने मुरली मनोहर जोशी की इस प्रस्तुति पर कहा, जोशी जी ने सब कुछ कह दिया है। संगठन के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने हालांकि स्पष्ट किया कि बैठक का उद्देश्य सरकार की नीतियों की आलोचना करना नहीं, बल्कि सिद्धांत और व्यावहारिक कदमों को जोड़कर भविष्य की कार्ययोजना बनाना है। इस बैठक में भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, सहकार भारती, ग्राहक पंचायत, स्वदेशी जागरण मंच और लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि शामिल हुए।

हिमाचल सरकार आपदा के समय जनता को राहत पहुंचाने में विफलः अनुराग

हमीरपुर (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर हमला बोला है। हमीरपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार आपदा के समय जनता को राहत पहुंचाने में विफल साबित हुई है। अनुराग ने आरोप लगाया कि आपदा की घड़ी में सरकार लोगों को एक तिरपाल तक उपलब्ध नहीं करा पाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार ने आपदा के समय हिमाचल प्रदेश को कांग्रेस की यूपीए सरकार से कई गुना ज्यादा आर्थिक मदद दी है।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बीते 10 सालों में हिमाचल को एसडीआरएफ में तीन गुना और एनडीआरएफ में दस गुना ज्यादा धनराशि मुहैया कराई। इसके बावजूद प्रदेश सरकार जनता को बुनियादी सुविधाएं देने में असफल रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2023 में आई विनाशकारी आपदा से प्रदेश सरकार ने क्या सबक लिया? उन्होंने कहा कि हालात यह हैं कि लोगों को आज नालियां खुलवाने तक के लिए अपनी जेब से पैसा खर्च करना पड़ रहा है। कई ठेकेदारों के पुराने बिल का आज तक भुगतान नहीं हुआ। सरकार भरोसा खो चुकी है। राज्य सरकार अपने नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं देने में भी सक्षम नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अब न तो जनता का विश्वास जीत पा रही है और न ही स्थानीय ठेकेदारों का भरोसा। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह एक श्वेत पत्र जारी कर स्पष्ट करे कि आपदा राहत के लिए मिले पैसों का इस्तेमाल कहां किया गया। इससे पहले, अनुराग ने बुधवार को एक्स पोस्ट में लिखा था-विगत कुछ दिनों से हिमाचल प्रदेश भारी बारिश व बादल फटने की घटना से प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहा है। प्रदेश के कई जिलों में इस आपदा के चलते सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिससे प्रदेश को हजारों करोड़ का नुकसान व जान-माल की हानि हुई है। आपदा का यह रूप अत्यंत हृदयविदारक है और बनी बनाई व्यवस्था व मकानों-इमारतों को जमींदोज होते देखना अत्यंत कष्ट दाई है। नुकसान सरकार व जनता दोनों का हुआ है। हमारा प्रयास है कि लोगों की जान, घर व उनके सामान सुरक्षित रहें।

कांग्रेस नेता थरूर ने की अमेरिका की आलोचना- लिखा यूएस के लोग पूछेंगे भारत को किसने खोया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्रंप की नई वैश्विक कूटनीति को लेकर अमेरिका पर निशाना साधा है। उन्होंने अंग्रेजी अखबार में लेख लिखकर कहा है कि आने वाले समय में अमेरिका में सवाल पूछा जाएगा- भारत को किसने खोया? शशि थरूर लिखते हैं- 1949 में चीन पर माओत्से तुंग की कम्युनिस्ट जीत के बाद अमेरिका में ÷हू लॉस्ट चाइना?÷ बहस छिड़ी थी। आज वही सवाल कुछ सालों बाद भारत के संदर्भ में उठ सकता है।अगर नई दिल्ली रूस-चीन के करीब और अमेरिका से दूर होती नजर आई तो क्या वॉशिंगटन में पूछा जाएगा - हू लॉस्ट इंडिया?

ट्रंप प्रशासन की कठोर टैरिफ नीतियों और सख्त बयानबाजी ने भारत-अमेरिका साझेदारी की नींव को हिला दिया है। अब भारत अमेरिकी बाजार में सबसे ज्यादा शुल्क झेल रहा है। भारत पर जहां 50 प्रतिशत शुल्क लगाए गए हैं, वहीं चीन पर 30प्रतिशत और अन्य देशों पर सिर्फ 15-20प्रतिशत। इसके चलते भारत अपने व्यापारिक रिश्ते मजबूत करने के लिए रूस और चीन की ओर झुक रहा है। शशि थरूर के मुताबिक, अगस्त 26-27 की रात से अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर दोहरी मार डाली, जिससे 48 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात प्रभावित हुए। इनमे वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा, समुद्री उत्पाद (विशेषकर झींगा) और ऑटो पार्ट्स प्रमुख हैं। हालांकि, फिलहाल दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक्स इससे बाहर रखे गए हैं। उन्होंने कहा, इसके कारण सूरत में 1.5 लाख से अधिक आभूषण कर्मियों की नौकरी गई। तिरुपुर के परिधान उद्योग और विशाखापट्टनम के झींगा निर्यातक गहरे संकट में हैं। अमेरिकी खरीदार वियतनाम, इक्वाडोर, थाईलैंड और तुर्की की ओर रुख कर रहे हैं। भारतीय निवेश माहौल और रोजगार पर गंभीर दबाव बढ़ रहा है।

अमेरिकी टैरिफ सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संकेत भी हैं। भारत में इसे रणनीतिक स्वायत्तता को दंडित करने के रूप में देखा जा रहा है। इससे क्वाड की एकजुटता कमजोर होगी, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा डगमगाएगी और भारत को रूस-चीन की ओर और अधिक धकेला जा सकता है। शशि थरूर के मताबिक, रिश्तों को बचाने के लिए अमेरिका को चाहिए कि दंडात्मक शुल्क हटाए, खासकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों से तो जरूर हटाए। फ्री ट्रेड वार्ता तेज करे और भारत को वैकल्पिक बाजार मुहैया कराए। उच्चस्तरीय संवाद बहाल करे। ट्रंप और मोदी की सीधी बातचीत रिश्तों की ठंडक पिघला सकती है। शशि थरूर आगे लिखते हैं-

विडंबना यह है कि रक्षा सहयोग मजबूत बना हुआ है। फरवरी 2025 में शुरू हुई यूएस-इंडिया कॉम्पेक्ट पहल के तहत संयुक्त सैन्य अभ्यास, हथियारों का सह-उत्पादन और नई रक्षा साझेदारी रूपरेखा पर काम चल रहा है। भारत अमेरिकी स्ट्राइकर लड़ाकू वाहन और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल खरीदने की बातचीत में भी है। मगर भारी शुल्क इस भरोसे को कमजोर कर रहे हैं।

एनएच-44 के फ्लाईओवर पर गड्ढा, दोनों कैरिजवे बंद

नई दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर इलाके में बृहस्पतिवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर फ्लाईओवर में गड्ढा होने से ऑटो का अगला पहिया करीब चार से पांच फीट गड्ढे में घुसकर पलट गया। हादसे में चालक उमेश सिंह घायल हो गए। पुलिस ने घायल ऑटो चालक को पास के राजा हरिशचंद्र अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलने बाद यातायात पुलिस ने सुरक्षा कारणों से दोनों कैरिजवे बंद कर दिए और यातायात को डायवर्ट कर दिया। पुलिस ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सूचित कर दिया है। यातायात विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 44 सिंघोला फ्लाईओवर (मुकरबा चौक से सिंघु बॉर्डर) पर एक गड्ढा हो गया है। सुरक्षा कारणों से दोनों कैरिजवे बंद कर दिया गया है और यातायात को डायवर्ट कर दिया गया है। पुलिस ने वाहन चालकों से मुकरबा चौक से राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के बकोली गांव अर्बन एक्सटेंशन 2 सड़क का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

ट्रेंचलेस तकनीक से बिना सड़क तोड़े डलेंगी नई पाइपलाइनें

नई दिल्ली। जनकपुरी में ट्रेंचलेस तकनीक से बिना सड़क तोड़े नई पाइपलाइनें डलेंगी। यहां गृह विभाग मंत्री आशीष सूद ने रेखा सरकार आपके द्वार अभियान के तहत कई इलाकों में सीवर, पानी और गैस पाइपलाइन बिछाने के काम का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा, जनकपुरी को विकास का मॉडल बनाएंगे, हर नागरिक को साफ पानी और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। आशीष सूद ने ए-5 व्हाइट फ्लैट, वाल्मीकि मार्ग, पोसंगीपुर गांव, उत्तम नगर के सीडी और टी ब्लॉक, दयालपुर के जेड ब्लॉक और शिव नगर, हरि नगर, वीरेंद्र नगर की गलियों में नई पाइपलाइनें बिछाने का काम शुरू कराया। उन्होंने बताया कि जनकपुरी में सीवर और पानी की पुरानी पाइपलाइनें टूटी हैं, जिससे गंदा पानी पीने की लाइनों में मिल रहा है। कुछ क्षेत्रों में ये सुविधाएं थी ही नहीं। इन समस्याओं को जड़ से खत्म किया जाएगा।

दिल्ली सचिवालय के पास पहुंचा यमुना का पानी

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली में उफनती यमुना नदी का पानी कुछ हिस्सों में घुस गया है। इससे वाहन डूब गए हैं, इमारतें जलमग्न हो गईं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं। दिल्ली में यमुना का जलस्तर 207.47 मीटर तक पहुंच गया है। यमुना का जलस्तर 208 मीटर तक पहुंच सकता है। जल्द पानी उतरने के आसार नहीं हैं। यमुना में लगातार बढ़ रहे जलस्तर से देश की राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बाढ़ के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। अब शहर के भीतरी हिस्सों में भी पानी भरने का खतरा बढ़ गया है। वहीं, हथिनीकुंड बैराज से बुधवार सुबह से लेकर रात तक छोड़े जा रहे पानी को दिल्ली आते देखकर ये साफ है कि पानी जल्द कम नहीं होगा। देर रात यमुना का जलस्तर 207.40 मीटर तक पहुंच गया था। केंद्रीय जल आयोग ने सूचना जारी की है कि दिल्ली में पानी और बढ़ सकता है। इससे आशंका है कि दिल्ली में यमुना का जलस्तर 208 मीटर तक पहुंच सकता है। यदि ऐसा होता है तो 2023 की बाढ़ की तरह आउटर रिंग रोड और कश्मीरी गेट आईएसबीटी तक पानी पहुंचने के आसार हैं। इससे दिल्ली में न केवल आवागमन बाधित हो सकता है बल्कि बड़े पैमाने पर जनजीवन प्रभावित होने का खतरा भी है। वहीं, दिल्ली में लगातार बारिश और यमुना नदी में उफान की वजह से मयूर विहार-फेज 1 के पास बनाए गए राहत शिविरों में पानी भर गया है। दिल्ली के सिविल लाइंस में बेला रोड पर उफनती यमुना नदी का पानी घुसने से वाहन डूब गए, इमारतें जलमग्न हो गईं। बाढ़ की आशंका को देखते हुए यमुना नदी के पास निचले इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। दिल्ली में लोहा पुल और आसपास के इलाकों में लगातार बारिश के बाद यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यमुना के जलस्तर का असर राजधानी के सबसे बड़े श्मशान घाट निगमबोध पर भी पड़ा है। बुधवार शाम को पूरी तरह बाढ़ की चपेट में आने से यहां अंतिम संस्कार की प्रक्रिया रोक दी गई है। घाट परिसर में कई फीट तक पानी भर गया है। यमुना का पानी बहकर रिंग रोड तक पहुंच गया है। प्रशासन ने निगमबोध घाट को बचाने के लिए कई प्रयास किए। यमुना की ओर मिट्टी भरकर बोरे लगाकर पानी को रोकने की कोशिश की गई लेकिन पानी के बढ़ते दबाव के आगे यह प्रयास नाकाम साबित हुए। घाट की एक तरफ दीवार का कुछ हिस्सा भी टूट गई जिससे पानी का प्रवाह और तेज हो गया। बाढ़ नियंत्रण विभाग और एमसीडी की टीमें मौके पर मौजूद हैं और हालात पर नजर रखे हुए हैं। दिल्ली के वजीराबाद में यमुना का बढ़ता जलस्तर पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों के लिए मुसीबत बन गया है। घरों में पानी भरने से लोगों को सिग्नेचर ब्रिज के पास शरण लेनी पड़ रही है। लोगों का आरोप है कि शासन-प्रशासन ने उनकी सुध नहीं ली और न ही टेंट या अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। भारी बारिश ने उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। कीचड़, पानी और ठंड के बीच खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर ये परिवार अपने आशियाने को खोने के डर से सहमे हुए हैं। यही नहीं रात में वर्षों की मेहनत की कमाई और घर के सामान को बचाने के लिए रातभर जागने को मजबूर हैं। शरणार्थी राहुल सिंह ने बताया कि घरों तक पानी पहुंच गया है। प्रशासन ने न टेंट दिए और न ही खान-पान की ठीक व्यवस्था है। बारिश होने से बच्चे बीमार हो रहे हैं। बाढ़ के खतरे के बीच घर की चिंता ज्यादा सता रही है। हमने इतनी मुश्किल से आशियाना बनाया था। अन्य शरणार्थी ने बताया कि हम पाकिस्तान से भागकर यहां शरण लेने आए थे, लेकिन अब विस्थापित हो गए। कोई टेंट नहीं सिर्फ खुले आसमान तले रहना पड़ रहा है। भोजन और पानी की कमी से कई तरह की परेशानियां हो रही हैं।

दिल्ली में अदृश्य दुश्मन: हवा में उड़ रहा घातक बैक्टीरिया

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा लंबे समय से प्रदूषण के लिए कुख्यात रही है, लेकिन अब एक नए अध्ययन ने और भी गंभीर खतरे का खुलासा किया है। हवा में न केवल धूल और जहरीली गैसें, बल्कि रोग पैदा करने वाले बैक्टीरिया भी बड़ी मात्रा में मौजूद हैं, जो दिल्लीवासियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहे हैं। ये बैक्टीरिया सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों, पेट, त्वचा और मुंह से जुड़ी कई बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। बोस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों की तरफ से किए गए एक ताजा शोध ने दिल्ली की हवा में खतरनाक बैक्टीरिया की मौजूदगी को उजागर किया है। यह शोध एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन के अनुसार, दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हवा में रोगजनक बैक्टीरिया की मात्रा ग्रामीण या कम भीड़ वाले इलाकों की तुलना में दोगुनी है। ये बैक्टीरिया सांस, पेट, त्वचा और मुंह से संबंधित कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद पीएम2.5 कण, जो बेहद सूक्ष्म धूलकण हैं, बैक्टीरिया के लिए वाहक का काम करते हैं। ये कण बैक्टीरिया को हवा में लंबी दूरी तक ले जाते हैं और सांस के जरिए हमारे फेफड़ों तक पहुंचाते हैं। इस तरह, पीएम2.5 न केवल प्रदूषण, बल्कि बैक्टीरिया के प्रसार का भी माध्यम बन रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली एक है, जो सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में बसी है, जहां घनी आबादी और प्रदूषण की समस्या पहले से ही गंभीर है। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में गिरावट और हवा की गति कम होने से प्रदूषक कण और बैक्टीरिया हवा में फंस जाते हैं। नमी का बढ़ना इन बैक्टीरिया के लिए अनुकूल माहौल बनाता है, जिससे ये लंबे समय तक हवा में जीवित रहते हैं। अध्ययन के मुताबिक, सर्दियों से गर्मियों की ओर मौसम बदलने के दौरान, खासकर धुंध या हल्की बारिश के समय, बैक्टीरिया सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं। इस दौरान हवा में नमी और प्रदूषण का मिश्रण बैक्टीरिया के लिए आदर्श स्थिति बनाता है, जिससे ये लंबे समय तक जीवित रहते हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। दिल्ली में हर दिन करोड़ों लोग प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं। इस हवा में बैक्टीरिया की मौजूदगी स्वास्थ्य के लिए दोहरा खतरा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि प्रदूषण और बैक्टीरिया के इस संयुक्त खतरे से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। प्रदूषण नियंत्रण, बेहतर स्वच्छता और सार्वजनिक जागरूकता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। साथ ही, व्यक्तिगत स्तर पर मास्क पहनना, घर के अंदर हवा को शुद्ध करने वाले उपकरणों का उपयोग और स्वच्छता बनाए रखना जैसे कदम इस खतरे को कम करने में मददगार हो सकते हैं। दिल्ली की हवा अब केवल प्रदूषण की बात नहीं, बल्कि एक अदृश्य दुश्मन की मौजूदगी की चेतावनी दे रही है। यह समय है कि हम इस खतरे को गंभीरता से लें और अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाएं।

रिटायर्ड प्रोफेसर को सात दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, मनी लॉड्रिंग के जाल में फंसाकर 1.02 करोड़ ठगे

नोएडा। साइबर जालसाजों ने मनी लॉड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर एक रिटायर्ड प्रोफेसर से 1.02 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने डरा धमका कर पीड़ित को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और ठगी की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में पीड़ित की तरफ से पुलिस से शिकायत की गई। साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। नोएडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोएडा सेक्टर-30 में रहने वाले 92 वर्षीय बुजुर्ग एक कॉलेज से सेवानिवृत प्रोफेसर हैं। उनके पास 26 अगस्त को एक शख्स ने कॉल की और खुद को ट्राई का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि आपका नंबर मनी लॉड्रिंग केस की जांच में शामिल है। इसके बाद उसने कथित पुलिस अधिकारियों से वीडियो कॉल पर बात कराई। कथित पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉल पर बताया कि आपका नाम जेट एयरवेज के नरेश गोयल के मनी लॉड्रिंग केस में आ रहा है। जालसाजों ने बुजुर्ग को कहा कि आप जांच में सहयोग करें, नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। इससे बुजुर्ग डर गए और झांसे में आ गए। इसके बाद जालसाजों ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 1 करोड़ 2 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिया। इस दौरान जालसाजों ने कहा कि जांच के बाद क्लीन चिट मिलने पर रकम वापस कर दी जाएगी। इसके बाद बुजुर्ग को ठगी का अंदेशा हुआ और इसकी शिकायत पुलिस से की। एडीसीपी साइबर शैव्या गोयल का कहना है कि इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और उन खातों के बारे में पता किया जा रहा है। जिनमें रकम ट्रांसफर कराए गए हैं। जालसाजों ने बुजुर्ग को जब वीडियो कॉल पर लिया और बातचीत शुरू की। तब कथित सीबीआई का डायरेक्टर बनकर उन्हें जालसाजों ने डराया। इस दौरान पीछे कोर्ट रूम भी दिखाया गया और वकील खड़े दिखे। जालसाजों ने यह सब नकली सेटअप तैयार किया था। इस दौरान बुजुर्ग को चेतावनी दी जा रही थी कि सहयोग नहीं करने पर उनके परिवार पर खतरा आ सकता है।

दिल्ली में लापता 130 लोगों में से 48 बच्चे मिले, पुलिस ने परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अपने विशेष अभियान %ऑपरेशन मिलाप% के तहत अगस्त में 48 बच्चों सहित 130 लापता लोगों का पता लगाया। साथ ही तलाशे गए लोगों को उनके परिवारों से मिलवाया है। मंगलवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लापता, अपहृत बच्चों और वयस्कों का पता लगाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल में व्यापक फील्डवर्क, सीसीटीवी विश्लेषण और खुफिया जानकारी जुटाई गई थी। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, ऑटो और ई-रिक्शा स्टैंड पर पूछताछ की गई, साथ ही स्थानीय मुखबिरों, परिवहन कर्मचारियों और विक्रेताओं से भी सुराग लगाने के लिए संपर्क किया गया। 1 से 31 अगस्त के बीच, पुलिस ने 48 लापता या अपहृत बच्चों और 82 वयस्कों को सफलतापूर्वक बरामद किया है। सत्यापन के बाद सभी को उनके परिवारों से सुरक्षित मिलाया गया। अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से अब तक पुलिस ने 931 लापता लोगों का पता लगाया है और उन्हें अपनों से मिलवाया है, इनमें 306 बच्चे और 625 वयस्क शामिल हैं। अगस्त में सबसे ज़्यादा बरामदगी कापसहेड़ा पुलिस स्टेशन ने की है। कापसहेड़ा पुलिस ने 14 लापता बच्चों में चार लड़के और 10 लड़कियां के साथ 13 वयस्कों का पता लगाया गया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने बताया कि मानव तस्करी विरोधी इकाई ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 14 बच्चों का पता लगाया, जिनमें से ज्यादातर लड़कियां थीं। अन्य पुलिस थानों में, सागरपुर ने तीन बच्चों और 15 वयस्कों का पता लगाया, जबकि पालम विलेज ने दो लापता लड़कियों और 13 वयस्कों का पता लगाया। वसंत कुंज साउथ ने दो लड़कों और नौ वयस्कों का, और दिल्ली कैंट ने दो लड़कों और तीन वयस्कों का पता लगाया। किशनगढ़ पुलिस ने एक 14 वर्षीय लड़की और छह लापता महिलाओं का पता लगाया, जबकि वसंत कुंज उत्तर पुलिस ने चार बच्चों और छह वयस्कों का पता लगाया। आर.के. पुरम पुलिस ने तीन नाबालिगों और एक महिला को बरामद किया, जबकि एस.जे. एन्क्लेव पुलिस ने चार नाबालिग लड़कियों और पांच वयस्कों का पता लगाया।

इंटरनेशनल वैलनेस सेंटर की स्थापना जल्द होगी: डॉक्टर पंकज

प्रथम पृष्ठ का शेष

संस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ ही हॉस्पिटल और कॉलेज दोनों के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, उपचार कक्षों और छात्रावास सुविधाओं के विस्तार पर भी हमारी सरकार काम कर रही है। डॉ. सिंह ने घोषणा की कि सीबीपीएसीएस में बुनियादी ढांचे और सेवा वितरण को मजबूत करने के कदम उठाए जाएंगे। इनमें पारंपरिक कल्याण तकनीकों से तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए एक मेंटल वेलनेस सेंटर की स्थापना शामिल है। मंत्री ने कहा कि जन जागरूकता और आयुर्वेद के प्रचार के लिए एक मोबाइल इकाई उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने संकाय और स्टाफ को सरकार की पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया, और उन्हें सामूहिक रूप से काम करके संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने यह भी बताया कि सीबीपीएसीएस अपनी शोध गतिविधियों को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा विज्ञान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ जल्द ही समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया जाएगा। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अनुरूप, दिल्ली सरकार ने दिल्ली राज्य आयुष सोसाइटी (डीएसएएस) के गठन को मंजूरी दी है। एनएएम के कार्यान्वयन निकाय के रूप में, डीएसएएस आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी में कार्यक्रम वितरण, वित्तीय प्रबंधनऔर प्रचार गतिविधियों की देखरेख करेगी।

एम्स डॉक्टरों को एडवांस रोबोटिक सर्जरी के सिखा रहा गुर

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टरों को एडवांस रोबोटिक और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के गुर सिखा रहा है। जिससे मरीज की सर्जरी के लिए उन्हें कम से कम चीर-फाड़ की जरूरत पड़े। इस संबंध में एम्स के सर्जिकल अनुशासन विभाग की ओर से 11वें सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) और 63वें वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में सर्जिकल अनुशासन विभाग में प्रोफेसर डॉ. हिमांग कुमार ने बताया कि देशभर के सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें पोस्ट ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट एमबीबीएस छात्र भी शामिल हैं। सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टरों को अलग-अलग मॉडल पर ऑपरेशन करने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। विभाग प्रमुख प्रो. सुनील चुंबर के मार्गदर्शन में सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए यह कार्यशाला आयोजित हो रही है। इसमें देश के अलग-अलग कोने से आए 100 सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टर हिस्सा ले रहे हैं। इसमें रोबोटिक सर्जरी करना, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी करना और ओपन सर्जरी करना सिखाया जा रहा है। इस पूरे कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटना है। सर्जरी प्रशिक्षण के लिए दो रोबोटिक मशीन की मदद ली जा रही है।

एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी की जमानत अर्जी खारिज

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है। विशेष न्यायाधीश चंदरजीत सिंह की अदालत ने आदेश पारित करते हुए कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और एजेंसी के तर्कों को देखते हुए आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने फैजी के पिछले आचरण को भी अहम माना, जिसमें उन्होंने ईडी के समन के बावजूद पेशी से इन्कार किया था। कोर्ट ने कहा कि यह दर्शाता है कि आरोपी ने कानून की प्रक्रिया से बचने की कोशिश की। इस प्रकार, उसके पिछले आचरण से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उसके फरार होने की आशंका है। कोर्ट ने कहा कि फैजी एक राजनीतिक दल के अध्यक्ष हैं और अपनी स्थिति का प्रभाव इस्तेमाल कर सकते हैं। फैजी को मार्च 2024 में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ईडी ने गिरफ्तार किया था।

महिला की हत्या में फरार आरोपी की जमानत खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पश्चिम विहार में अगस्त 2004 में एक महिला की गला दबाकर हत्या के मामले में फरार रहे आरोपी नरेंद्र कुमार बब्बर उर्फ डैडी को जमानत देने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि आरोप गंभीर हैं और प्राथमिक साक्ष्य से आरोपी के खिलाफ मामला बनता है। अदालत ने बताया कि ट्रायल कोर्ट ने 28 फरवरी 2007 को बब्बर को भगोड़ा घोषित किया था। याचिका के अनुसार, 27 अगस्त 2004 को बब्बर ने पश्चिम विहार में पीड़िता के घर में घुसकर उसके साथ बदसलूकी की और गला दबाकर हत्या कर दी। बब्बर के फरार होने के बाद ट्रायल कोर्ट ने 2007 में उसे भगोड़ा घोषित किया था।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित करने के लिए है कि श्रीमती निशा वोहरा, पत्नी श्री नवीन कुमार वोहरा, संपत्ति संख्या ष्ठ-61, क्षेत्रफल 810 वर्ग फुट, प्रथम तल (बिना छत के अधिकार) तृतीय तल के दाहिने हिस्से (छत के अधिकार सहित), जो 500 वर्ग गज भूमि पर निर्मित है, खसरा संख्या 18/5, ग्राम असालतपुर खादर क्षेत्र में स्थित, जो वर्तमान में चाणक्य प्लेस पार्ट-ढ्ढ, नई दिल्ली-110059 के नाम से जाना जाता है, को श्रीमती शशि मेहता से क्रय करना चाहती हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी थे-(1) श्री दिलीप सिंह, (2) श्री दलपत सिंह, (3) श्री हरि सिंह, (4) श्री मौजी राम, (5) श्री कुरे मल, (6) श्री सुखबीर सिंह, (7) श्री वीरेन्द्र सिंह, एवं (8) श्री मीर सिंह, जिन्होंने यह संपत्ति श्री चंदर कांत खन्ना को विक्रय पत्र दिनांक 07.01.1981 के माध्यम से बेची। तत्पश्चात, श्री चंदर कांत खन्ना ने यह संपत्ति अपने भाई श्री अनिल खन्ना को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (रक्त संबंध, भाई से भाई) दिनांक 02.11.1987 के द्वारा हस्तांतरित कर दी। इसके बाद, श्री अनिल खन्ना ने यह संपत्ति श्री आर.सी. मेहता को नोटरीकृत जी.पी.ए., ए.टी.एस. एवं वसीयत दिनांक 03.05.1989 के माध्यम से हस्तांतरित कर दी। दुर्भाग्यवश, श्री आर.सी. मेहता उर्फ श्री रमेश चंद मेहता का 10.05.2021 को देहांत हो गया, जिससे उनके कानूनी उत्तराधिकारी शेष रह गए, अर्थात् (1) श्री राजेश मेहता (पुत्र), (2) श्री रितेश मेहता (पुत्र), (3) श्री रुपेश मेहता (पुत्र) एवं (4) श्रीमती शशि मेहता (पत्नी)। इसके उपरांत, श्री राजेश मेहता, श्री रितेश मेहता एवं श्री रुपेश मेहता ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी अपनी माता श्रीमती शशि मेहता के पक्ष में परित्याग पत्र दिनांक 01.07.2021 द्वारा त्याग दी। फलस्वरूप, श्रीमती शशि मेहता उक्त संपत्ति की पूर्ण स्वामिनी हो गई हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, hitherto known as T S NANDHINI D/O D POORNIMA R/O D-94, 2ND FLOOR, SECTRO-36, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name and shall hereafter be known as D NANDHINI.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Amit Bhatnagar** is purchasing the Western Portion, area measuring 75 sq. yds., "said portion" built on Property Bearing No. 58, area measuring 200 sq. yds falling in Khasra No. 8/13, 8/14, situated in the revenue estate of village Matiala, Delhi State Delhi known as colony, New T- Block, Part-1, Uttam Nagar, New Delhi from Mrs. Anju who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL Dated 24.09.202 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.**If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, MUNEESH S/O ROOP CHAND, R/o SIKANDERPUR (11), PALWAL, HARYANA-121102,HAVE CHANGED MY NAME TO MUNEESH DAGAR FOR ALL FUTURE PURPOSE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

I, BHAWNA D/O MAHENDER SINGH R/O D-2/208, SERVANT QUARTERS WEST KIDWAI NAGAR, SOUTH WEST, DELHI-110023, hereby undertake that I, BHAWNA want to change my name to AARISH SINGH and gender as Male. I, BHAWNA henceforth be known as AARISH SINGH S/O MAHENDER SINGH. The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and the department of publication will not liable for any consequences arising therefore.

NAME CHANGE

I, MUKESH KUMAR AGGARWAL S/O NANHE MAL R/o 213/2A, GALI NO.11, THANSINGH NAGAR, ANAND PARBAT, DELHI-110005 have changed my name to MUKESH KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, BABITA AGGARWAL W/O MUKESH R/o H NO-S-7677, SANJI MARKET, ANAND PARVAT, DELHI-110005 have changed my name to BABITA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Smt. Sameena is the owner of Freehold Residential Plot on the part of Khasra No. 1606, admeasuring area 60 sq. yard i.e. 50.16 sq.mt. i.e. 540 sq. ft., situated at situated at Mevatiyan, Village - Dadri, Pargana & Tehsil - Dadri, District- Gautam Buddh Nagar Uttar Pradesh. By virtue of Sale Deed dated 03.02.2011 office of Sub Registrar-Dadri, at Bahi no.1 Zild no. 3179, Page no.55-68, Sr. No.2124. in the chain document below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 07.02.2006 executed by Rajjak Ahmad as a POA holder of Jagwati in favour of Smt. Shakeela Begum, registered in the office of Sub-Registrar- Dadri, at Bahi no.1 Zild no. 1651, Page no.143-145, Sr. No.1327., now our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property. And same has been financed by Home First Finance Company India Ltd. Branch: Ghaziabad, Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, Manzoor Ahmad S/O Ghulam Mohammad Sheikh R/O House no 282, 2nd floor, Hauz Rani, Malviya Nagar South Delhi 110017 Have changed my name to Manzoor Ahmad Sheikh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SONIYA KUMARI C/O ANKIT resident of D-548, STREET NUMBER-63, MAHAVIR ENCLAVE, PART-3, DELHI-110059. have changed my name to SONIYA for all future purposes

NAME CHANGE

I, TAKE MADHUKAR Father of No. 14673131F Rank-NK Name-TAKE SOMNATH MADHUKAR Presently residing at VILL-CHEDGAON, PO-BRAMHNI, TEH-RAHURI, DIST-AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-414105, have changed my name from TAKE MADHUKAR to MADHUKAR HARI TAKE for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1956 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide Affidavit dated 04/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, TAKE CHATANBAY Mother of No. 14673131F Rank-NK Name-TAKE SOMNATH MADHUKAR Presently residing at VILL-CHEDGAON, PO-BRAMHNI, TEH-RAHURI, DIST-AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-414105, have changed my name from TAKE CHATANBAY to SHANTABAI MADHUKAR TAKE for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1959 instead of my correct date of birth as 01/01/1962 vide Affidavit dated 04/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I,SUNITA KUMARI W/O KARUNESH CHANDRA MISRA R/O C-703,PILOTS COURT, ESSEL TOWERS , GURUGRAM, HARYANA -122022, I have changed my name to SUNITA MISRA Permanently

NAME CHANGE

I,Sonu S/O JORA SINGH R/O 958 KHERI SADH ROHTAK 124021 HARYANA, I have changed my name to SONU KUMAR Permanently

NAME CHANGE

I, Meenakshi D/o Rajesh R/o 2051, Mukim Pura, Malka Ganj, Delhi-110007 have changed my name to Meenakshi Rajoriya for all future purposes

NAME CHANGE

It is for general information that I, SANGEETA SINHA daughter of VIDYA VINOD SHARMA, residing at HOUSE NO-E008, VIVEK VIHAR, SECTOR-82, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201304, declare that the name of mine has been wrongly written as PRERNA SCRUTI, in my AADHAR CARD NO-2140 5813 8629, and PRERNA SCRUTI wrongly written in my PAN CARD NO-GVLPS1456N and PRRENA SHRUTI wrongly written in my VOTER ID CARD NO-ZYH5664685. The actual name of mine is SANGEETA SINHA which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

I INDERJEET SINGH S/O SOHAN SINGH R/O CD13 A,LIG FLATS HARI NAGAR SOUTH WEST DELHI 110064HAVE CHANGE MY NAME TO INDERJIT SINGH CHAHAL

NAME CHANGE

I Puja Lekhi W/O Mohit Shah R/O 33C Mig Flats Pocket C Ashok Vihar Phase III New Delhi 110052 HAVE CHANGE MY NAME TO Pooja Shah

NAME CHANGE

I Rizwanul haq, S/O Mohibul Haque, R/O AB 430, Amar Puri, Nabi Karim, Pahar Ganj, Central Delhi, Delhi-110055, have changed the name of my minor son md. Akhlad aged 14 years and he shall hereafter be known as Mohd. Akhlad.

NAME CHANGE

I, Preeti W/O Hitesh Kumar, R/O HOUSE NO.-43, EXT. 2 B, NANGLOI, Nilothi, West Delhi, Delhi, 110041,have changed the name of my minor daughter Aradhya aged 13 years and she shall hereafter be known as ARADHYA VASHISTH.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **मोहम्मद राशिद** पुत्र मोहम्मद यूसुफ, निवासी- बिलाल मस्जिद के पास अल्वी नगर लोनी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश और ए-वन कॉलोनी मुराद नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 1 ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 186/16 धारा 392/411/34 भा.द.स, थाना करावल नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद राशिद** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद राशिद** फ़रार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद राशिद, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 186/16 धारा 392/411/34 भा.द.स, थाना करावल नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.10.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री इसरा ज़ैदी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
कक्ष संख्या 4, चौथी मंजिल, उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/11739/NE/2025

सार्वजनिक सूचना

आरओएफ इन्फ्राटेक एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड
(CIN No.: U55101DL1999PTC098037)
पंजीकृत कार्यालय: एम-18 (एम ब्लॉक मार्केट) ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, दिल्ली, 110048
कॉर्पोरेट कार्यालय: बिल्डिंग नं. 80, प्रथम तल, सेक्टर-44, गुरुग्राम, हरियाणा-122003
ईमेल: compliance@rof.co.in, फ़ोन नं: 0124-4399399

जहाँ पर आरओएफ इन्फ्राटेक एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड "**ROF Normanton Mall**" नामक परियोजना का विकास कर रही है, जो सेक्टर-36, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। यह परियोजना 0.5764 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है, जिसे लाइसेंस नं. 92 ऑफ़ 2021 दिनांक 12.11.2021 के तहत हरियाणा नगर एवं ग्राम नियोजन निदेशक द्वारा स्वीकृत किया गया है और रेरा पंजीकरण संख्या 88 ऑफ़ 2023 दिनांक 04.09.2023 के तहत पंजीकृत है।

और जहाँ पर आरओएफ इन्फ्राटेक एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड (आगे "कंपनी" के रूप में संदर्भित) ने आईसीआईसीआई बैंक की पुरानी शाखा से खाता बदलकर आईसीआईसीआई बैंक की नई शाखा में खाता स्थानांतरित करने की अनुमति हरियाणा रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण से प्राप्त कर ली है।

अतः इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि बैंक खातों का विवरण निम्नानुसार बदला गया है:

विवरण	पूर्व बैंक खाता	नया बैंक खाता
बैंक का नाम	आईसीआईसीआई बैंक	आईसीआईसीआई बैंक
पता	गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-53, गुरुग्राम	सेक्टर-49, मेन सोहना रोड, गुरुग्राम
IFSC कोड	ICIC0001652	ICIC0001651
मास्टर कलेक्शन खाता **(100%)**	777705000372	777705165112
रेरा खाता **(70%)**	777705000373	777705165113
प्रमोटर फ्री कैश फ्लो खाता **(30%)**	777705000374	777705165114

आरओएफ इन्फ्राटेक एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड

दिनांक: 04/09/2025
स्थान: गुरुग्राम

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हर रविवार मनाएं ड्राई डे, रोकें डेंगू-मलेरिया का प्रकोपः उपायुक्त

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत उपायुक्त सुशील सारवान ने जिलावासियों से आह्वान किया है कि मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए हर ड्राई डे के रूप में मनाएं। उन्होंने कहा कि घरों और कार्यालयों में कहीं भी पानी इकट्ठा न होने दें, क्योंकि ठहरे पानी में मच्छर तेजी से पनपते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कूलर, टंकी, फ्रिज की ट्रे और एसी से निकलने वाले पानी को सप्ताह में एक बार पूरी तरह साफ करें। जहां पानी निकालना संभव न हो वहां 5-10 एमएल पेट्रोल या डीजल डालें ताकि मच्छर न पनप सकें। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर मच्छरों के लारवा की जांच कर रही हैं। जहां भी लारवा पाया जाता है, वहां टेमिफोस दवाई का छिड़काव किया जा रहा है। जिन घरों में लारवा मिलता है उन्हें चेतावनी नोटिस भी दिए जा रहे हैं। उन्होंने आमजन से रात में मच्छरदानी का उपयोग करने और दिन में पूरे बाजू के कपड़े पहनने की सलाह दी। बुखार आने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवाने और चिकित्सक की सलाह पर ही इलाज करने का आग्रह किया। सीएमओ डॉ. ज्योत्सना ने कहा कि तेज बुखार होने पर पेरासिटामोल लें, अन्य दवाइयों का प्रयोग स्वयं न करें।

कैमरी व घिराय के पास ड्रेन फिर टूटी, सैकड़ों एकड़ में जलभराव

हिसार। जिले के कई इलाकों में पिछले पांच दिन से रूक-रूककरबारिश होने का सिलसिला जारी है। अत्यधिक बारिश व जलभराव के कारण जिले के कई गांवों में हर दिन हालात खराब होते जा रहे हैं। जिले के गांव कैमरी तथा घिराय के पास ड्रेन फिर से टूट गई, जिसके कारण सैंकड़ों एकड़ में ड्रेन का पानी फैलने से खेत डूब गए। ड्रेन के कारण कई ढाणियों को खाली करना पड़ा। जिले के कई गांवों में रिहायशी कॉलोनियों में भी पानी घुस चुका है। लोग पानी में कैद होकर रह गए हैं। उधर, बरसाती पानी की निकासी नहीं होने से गांव मिर्जापुर के ग्रामीण भड़क गए और उन्होंने मिर्जापुर खरकड़ी के मध्य जमा लगा दिया। ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे तक जमा लगाए रखा। सूचना मिलने पर डीसी अनीश यादव मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को समस्या को सुना और डीसी ने संबंधित अधिकारियों को पानी निकासी के निर्देश दिए। डीसी के आदेश पर जल निकासी के लिए मोटर भी गांव में तुरंत पहुंच गई। सुलखनी-मिर्जापुर व राजली सड़क बारिश के पानी में डूब चुकी है। लोगों को आवागमन मेंभारी दिक्कत उठानी पड़ रही है। जुगलान गांव में 11 मकान गिरे लगातार हो रही बारिश के चलते गांव जुगलान में मंगलवार की रात्रि करीब 10 बजे के 11 मकान गिर गए। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नही हुआ।

बारिश में तीन मकान ढहे,यमुना का जलस्तर बढ़ा

सोनीपत। जिला सोनीपत में लगातार हो रही बारिश और पहाड़ों में भारी वर्षा से यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। हालात बाढ़ जैसे बन गए हैं। रात मोहल्ला कोट में टीले की मिट्टी खिसकने से तीन मकान ढह गए, जबकि कई घरों में गहरी दरारें आ गईं। रात करीब 11 बजे हुए इस हादसे के बाद लोग घबराकर घर खाली कर बाहर निकल गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे घरों में सो रहे थे, तभी जोरदार धमाके के साथ ईंट-मिट्टी का मलबा गिरा। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई। जिन परिवारों के मकान ज्यादा क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनमें सुरेश, सुरेंद्र, टिंकू, अनिल और दीपक शामिल हैं। इसके अलावा दर्जनों अन्य मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। सुबह नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने पार्षद सुरेंद्र नैय्यर, एडवोकेट नकीन मेहरा और अन्य लोगों के साथ घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश से मिट्टी कट रही है और मलबा खिसक रहा है। प्रशासन से बात कर प्रभावित परिवारों की मदद करवाई जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए दीवार का निर्माण कराया जाए।

सीएम फ्लाइंग का दो फैक्ट्रियों पर छापा, मिली अनियमितताएं

हिसार। सीएम फ्लाइंग टीम ने जिले के गांव गावड़ के पास स्थित दो फैक्ट्रियों पर छापे मारे। गुप्त सूचना व स्थानीय ग्रामीणों, किसानों तथा ग्राम पंचायत की शिकायतों पर की गई। इस कार्रवाई में टीम को दोनों फैक्ट्रयों में अनियमितताएं मिलीं। जिस पर जांच के बाद टीम ने फैक्ट्री संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं और उसके बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस छापेमारी का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग रेंज इंचार्ज सुनैना ने कया। उनके साथ कृषि विभाग की गुणवत्ता नियंत्रक निरीक्षक डॉ. प्रियंका, विषय विशेषज्ञ महिपाल, स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के कनिष्ठ अभियंता राहुल, एएसआई सुरेंद्र व एचसी विजय भी मौजूद रहे। सीएम फ्लाइंग टीम को शिकायत व गुप्त सूचना मिली थी कि गांव गावड़ के पास चल रही श्री बालाजी फॉस्फेट एंड ऑर्गेनिक इंडस्ट्री और श्री कृष्ण सुदामा दानेदार जिप्सम फैक्ट्री में मिलावटी जिप्सम तैयार किए जाने की आशंका है। ग्रामीणों और किसानों का आरोप था कि इन फैक्ट्रियों से होने वाला प्रदूषण उनके खेतों और फसलों पर बुरा असर डालरहा है। जिसकी आस पास के किसान परेशान हो गए हैं। उनकी पैदावार पर बुरा असर पड़ रहा है।

पीपीपी मोड पर सात शुगर मिलों में स्थापित होंगे प्लांट

पानीपत चीनी मिल में लगेगा सहकारी एथनॉल प्लांट, टेंडर जल्द

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों में गन्ना पेराई के बाद बचने वाली खोई की गिट्टी बनाकर थर्मल पावर प्लांट को आपूर्ति करने के मकसद से 7 सहकारी चीनी मिलों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पर प्लांट लगाए जाएंगे। इसके लिए शुगर फेडरेशन जल्द ही विशेष कार्य योजना तैयार करेगा। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के निर्देश पर अब सहकारी चीनी मिलों में चीनी बैग्स पर ऑनलाइन मार्किंग सुनिश्चित की जाएगी। इससे हर बैग का अपना सीरीयल नंबर, बैच संख्या, चीनी उत्पादन व चीनी भराई की तिथि भी दर्ज होगी। इससे व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की अध्यक्षता में शुगर फेडरेशन और इससे जुड़ी सहकारी चीनी मिलों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

हुई, जिसमें सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र कुमार, शुगर फेडरेशन के प्रबंध निदेशक शक्ति सिंह, सहकारी चीनी मिलों के प्रबंध निदेशक उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा विस्तृत तरीके से फेडरेशन व सहकारी चीनी मिलों के बारे रिपोर्ट पेश की गई। बैठक उपरांत पत्रकारों से चर्चा करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेश ही सहकारी चीनी मिलों में निरंतर व्यवस्था सुधार को रफ्तार दी जा रही है। उन्होंने पेराई सत्र वर्ष 2024-25 के दौरान 303.81 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई करते हुए शत-प्रतिशत गन्ना उत्पादक किसानों को 1210 करोड़ रूपए जारी करने की सराहना की। आगामी पेराई सत्र वर्ष 2025-26 के लिए सहकारी चीनी मिलों में 343 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का लक्ष्य रखा गया है। यही नहीं चीनी मिलों को पेराई सत्र के लिए तैयार करने के मकसद से अब तक 60 प्रतिशत मेंटेनेंस का काम पूरा हो चुका है। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि सहकारी चीनी मिल करनाल, गोहाना, सोनीपत, जींद, पलवल, महम व कैथल में गन्ना पेराई उपरांत बचने वाली खोई से गिट्टी तैयार करने के लिए पीपीपी मोड पर प्लांट लगाए जाएंगे, जिसका बड़ी संख्या में थर्मल पावर प्लांट में इस्तेमाल किया जाएगा। यही नहीं सहकारी चीनी मिल पानीपत में 150 करोड़ रूपए की लागत से एथनॉल प्लांट लगाया जाएगा, जिसके लिए जल्द टेंडर लगाया जा रहा है।

हालात सामान्य होने तक अधिकारी नहीं छोड़ेगे स्टेशन : देवेंद्र अत्री

एजेंसी

जींद। उचाना उपमंडल कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक की। एसडीएम दलजीत सिंह, डीएसपी संजय कुमार भी इस दौरान मौजूद रहे। अधिकारियों से किन-किन गांव में जलभराव की स्थिति है, किस गांव में कितना नुकसान फसल को हुआ है सहित विभिन्न जानकारी विधायक ने लेने के साथ-साथ बीते दिनों समाधान शिविर में उनके समक्ष आई समस्याओं के समाधान को लेकर भी जानकारी ली।

एसडीएम को विधायक ने निर्देश दिए कि उपमंडल कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाने के साथ-साथ हेल्पलाइन नंबर भी जारी करने को कहा ताकि किसी भी तरह की मदद एवं समस्या के बारे में लोग कॉल कर सकें। एसडीएम ने कहा कि कंट्रोल रूम बना कर यहां पर ड्यूटी भी कर्मचारियों की लगा दी जाएगी।बाद में पत्रकारों से बातचीत में विधायक ने कहा कि प्राकृति आपदा से निपटने के लिए हमें तैयार रहना होगा। सभी अधिकारियों के साथ मीटिंग की है। जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते तब तक कोई भी अधिकारी अपना स्टेशन नहीं छोड़ेगा इसको लेकर एसडीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए है। जहां-जहां जलभराव हुआ है वहां जल्द से जल्द पानी की निकासी के निर्देश दिए गए हैं। समाधान शिविर में जो भी शिकायतें आई थी उनको लेकर अधिकारियों से बातचीत हुई है तो पता चला है कि 90 प्रतिशत का समाधान हो चुका है। जो समस्याएं बाकी हैं उनका समाधान जल्द होगा। सरकार का उद्देश्य है कि पक्ति में अंतिम में खड़े व्यक्ति को लाभ मिले।

हरियाणा में संवेदनशील स्थानों पर पंप व मशीनरी की तत्काल होगी तैनाती : श्रुति चौधरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने अधिकारियो को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के संवेदनशील स्थानों पर पंप, एचडीपीई पाइप और मशीनरी की तत्काल तैनाती करने तथा संबंधित क्षेत्राधिकारों में नालियों, बांधों, नहरों और जलमग्न क्षेत्रों की चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित की जाए।

श्रुति चौधरी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बाढ़ की तैयारियों और जल निकासी प्रबंधन उपायों की जिलेवार प्रदेश के समस्त प्रमुख अभियंता, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता/कार्यकारी अभियंताओ के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंप और एचडीपीई पाइप की कमी की स्थिति में अधिकारी या तो लोक निर्माण विभाग के नियमों के अनुसार उन्हें तुरंत खरीद लें या आवश्यकतानुसार अन्य मंडलों से उनकी व्यवस्था करें। यदि पम्प या पाइपों को खरीदना पड़ गया तो सम्बंधित जिला के डीसी रेट के अनुसार खरीदा जाए। इसके अलावा, यह भी निर्देश दिए कि सभी प्रमुख अभियंता और मुख्य अभियंता व्यक्तिगत रूप से अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा और निरीक्षण करें। साथ ही सभी अधीक्षण अभियंता (एसई)

और कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) को अपने संबंधित विधायकों और उपयुक्तों के साथ निरंतर संपर्क में रहें। आपातकालीन नियंत्रण बैग (ईसी बैग) और अन्य आवश्यक सामग्री सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर अविलंब किए जायें । मंत्री ने अधिकारियो को

एसडीएम ने दिए बरसाती पानी निकासी के प्रबंध बढ़ाने के निर्देश

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के एसडीएम राजेंद्र कुमार ने बरसाती पानी की निकासी को लेकर शहरी क्षेत्र का दौरा किया।

उन्होंने सिरसा शहर के सुरखाब चौक, कंगनपुर रोड, गोल डिग्गी का दौरा कर नगर परिषद व जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को बरसाती मौसम में जल भराव रोकने को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात होने के बाद जितनी जल्दी हो सके, उतनी देर में पानी निकासी की व्यवस्था सही होनी चाहिए, अधिकारी यह भी जांच लें कि कोई भी पंप सैट या मोटर खराब न हो। प्रत्येक पंप सैट को बरसात होते ही चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी निकासी प्राथमिकता के साथ करें और कहीं पर कोई रुकावट आती है तो उसे तत्काल दूर करें।

उन्होंने कहा कि समय पूर्व किए गए पुख्ता प्रबंध से ही पानी निकासी जल्द हो सकती है। दोनों विभागों के अधिकारियों को तालमेल के साथ काम करने और हर रोज फील्ड में

पहुंच कर पानी निकासी संबंधी अपडेट देने के निर्देश दिए। एसडीएम ने इससे पहले सोमवार सायं जनता भवन रोड, केंद्रीय विद्यालय कंगनपुर रोड क्षेत्र, सूरतगढ़िया चौक, सुरखाब चौक व सदर बाजार का दौरा किया था।उल्लेखनीय है कि शहर के निचले इलाकों में बरसाती पानी भरा हुआ है और लोगों को भारी परेशानी हो रही है। कई घरों में पानी भी घुस गया है। सीवरेज ओवरफ्लो हो गए हैं और गंदा पानी सडक़ों पर बह रहा है। बरसात के कारण सडक़ों की हालत भी जर्जर हो गई है। वाहन चालकों को काफी दिक्कतें आ रही है।

प्रदेशभर में जल निकासी तथा पेयजल व्यवस्था को बहाल करें अधिकारी : रणबीर गंगवा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश में जिन स्थानों पर पानी का भराव हुआ है, उनकी प्वाइंटिंग कर रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या से बचने के लिए ठोस और स्थायी कार्ययोजना बनाई जा सके। इसके अलावा जिस भी क्षेत्र में जल भराव की दिक्कत हैं, उनका तुरन्त समाधान किया जाएं।

अगर मौसम ऐसे ही रहता हैं, तो उस दौरान बनने वाली परिस्थिति से निपटने के लिए भी अपनी तैयारियों को और सदृढ़ किया जाए। गंगवा की अध्यक्षता में सचिवालय स्थित कार्यालय में जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की आपातकालीन आपदा प्रबंधन बैठक हुई। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न जिलों से जुड़े फील्ड अधिकारी तथा अधीक्षण अभियंता और कार्यकारी अभियंता

ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि विभाग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जलभराव से निपटान तथा आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। बैठक में हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में जारी बारिश के बाद बने हालात पर सर्कल वाइज चर्चा की गई। अधिकारियों ने बारिश के दौरान हुए जलभराव और इसकी निकासी को लेकर कितना वक्त लगा इस बारे रिपोर्ट मंत्री गंगवा के समक्ष प्रस्तुत की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जिन जगहों पर एसटीपी, डब्ल्यूटीपी और ट्यूबवेल प्रभावित हुए हैं। इनकी तुरंत बहाली हो तथा जिन कॉलोनियों या क्षेत्रों में बारिश के कारण पिछले 3-4 दिनों से जल आपूर्ति बाधित रही है, वहां त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। टेंकर इत्यादि से पेयजल की सप्लाई करने की जरूरत हैं तो वो भी किया जाये। इसके साथ ही निर्देश दिए गए कि सीवरेज मिक्स पेयजल किसी हालात में सप्लाई ना हो, साथ ही बरसात का पानी वार्टर वर्क्स में मिक्स ना हो, इसका भी ख्याल रखा जाए। मंत्री ने निर्देश दिए कि पंजाब से बाढ़ प्रभावित होकर हरियाणा में आने वाले लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की विशेष व्यवस्था की जाए। उन्होंने हरियाणा के अलग अलग एरिया की बस्ती क्षेत्रों में भी जल निकासी सुव्यवस्थित करने निर्देश दिए।

किसान व मजदूरों की मांगों पर संवेदनशील है सरकार : कृष्ण लाल पंवार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि किसानों और मजदूरों की समस्याओं पर सरकार का रुख हमेशा सकारात्मक और संवेदनशील रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसानों व मजदूरों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर समाधान हेतु ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। पंवार चंडीगढ़ स्थित अपने कार्यालय में राष्ट्रीय मजदूर किसान मंच के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक के दौरान राष्ट्रीय मजदूर किसान मंच के प्रतिनिधियों ने मंत्री को मांग पत्र सौंपा। इसमें प्रमुख मांगों में 5 अगस्त 2025 के आदेश की वापसी, पूरे राज्य में स्वतंत्र जांच कराना, मनमाने विभागीय पत्र जारी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करना तथा जिन मजदूरों को अधिकारों से वंचित किया गया है, उन्हें मजदूरी और मुआवजा राशि से क्षतिपूर्ति करना शामिल रहा। पंवार ने भरोसा दिलाया कि किसानों और मजदूरों की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसी भी मजदूर को 100 दिन के वेतन से वंचित नहीं रखा जाएगा। सरकार हर संभव प्रयास करेगी कि किसान और मजदूर सम्मान और सुरक्षा के साथ अपना जीवन यापन कर सकें।

हरियाणा में बारिश से चार लाख एकड़ फसल बर्बाद, 15 सितंबर तक खुला रहेगा पोर्टल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल ने प्रदेश में सामान्य से अधिक वर्षा के कारण उत्पन्न हुई स्थिति और बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों पर चंडीगढ़ में आपात बैठक बुलाई। बैठक में विभिन्न विभागों, जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन इकाइयों और अन्य हितधारकों के साथ तैयारियों का जायजा लिया गया।

बाढ़ और जलभराव से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने के लिए सरकार ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल को 15 सितंबर, 2025 तक खुला रखने का निर्णय लिया है। इस पोर्टल के माध्यम से किसान अपनी खरीफ फसलों को हुए नुकसान की जानकारी अपलोड कर सकते हैं। अब तक लगभग 4 लाख एकड़ खरीफ फसलों के नुकसान के दावे इस पोर्टल पर दर्ज किए जा चुके हैं। विपुल गोयल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दावों का सत्यापन और भुगतान प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाए ताकि किसानों को समय पर आर्थिक सहायता मिल सके। प्रदेश में इस मानसून सीजन में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में

जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है। राजस्व मंत्री ने बैठक में फ्लड कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली, राहत सामग्री (रिलीफ स्टॉक) और बचाव उपकरणों (रेस्क्यू इक्विपमेंट) की उपलब्धता की समीक्षा की गई। विभाग ने सेना, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और स्वयंसेवकों (वॉलंटियर्स) के साथ समन्वय स्थापित करने की प्रक्रिया को भी मजबूत करने पर जोर दिया। इस वर्ष हरियाणा को स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड के तहत लगभग 636 करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है। यह फंड आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों के लिए उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा सभी जिला उपायुक्तों को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए रिजर्व फंड उपलब्ध कराया गया है, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जलभराव की समस्या से निपटने के लिए पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग को भी विशेष रिजर्व फंड प्रदान किया गया है। बैठक में विभाग द्वारा बताया गया कि अत्यधिक बारिश और जलभराव के कारण खरीफ फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए अब तक लगभग 4 लाख एकड़ भूमि पर फसल नुकसान का दावा किसानों द्वारा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर दर्ज किया गया है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों के दावों का त्वरित निपटान किया जाए ताकि प्रभावित किसानों को समय पर राहत मिल सके। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि आईआरबी भोंडसी की पहली बटालियन जिसमें 950 जवान शामिल हैं, को हरियाणा स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के रूप में नामित किया गया है। यह बल आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत और बचाव कार्यों के लिए तैयार है। यह टीम यमुनानगर, अंबाला, पंचकूला, करनाल, कैथल, पलवल, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, हिसार, रोहतक, और गुरुग्राम जैसे संवेदनशील जिलों में तैनात की गई है।

मूसलाधार बारिश से पानीपत हुआ जलमग्न,लोग परेशान

पानीपत। पानीपत में हुई मूसलाधार बारिश में पूरा शहर जलमग्न हो गया। बुधवार की दोपहर बाद से शुरू हुई झमाझम बारिश के कारण शहर की जीटी रोड पर दो से तीन फीट पानी खड़ा हो गया। जिस कारण वाहन पानी में फंस गए। लोगों के दोपहिया वाहन बंद हो गए । शहर में सबसे ज्यादा पानी एसडी कॉलेज रोड जहां पानी तीन फीट तक भर गया वहीं संजय चौक पर दो से ढाई फीट तक पानी खड़ा हो गया । शहर के इंसार बाजार, चौड़ा बाजार सुखदेव नगर, सनौली रोड, रामलाल चौक, पुराना बस अड्डा, सलारजंग गेट, विवर्स कॉलोनी, आदर्श नगर, सहित पानीपत की दर्जनों कालोनियों में दो फीट तक पानी भर गया, जिस कारण शहर वासियों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। भारी बारिश के कारण मौसम का तापमान लुढ़क गया और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया।

स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण में गुणवत्ता में न हो कोई समझौता : प्रदीप कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा गांव वजीराबाद में आधुनिक खेल सुविधाओं से युक्त राव बिरेन्द्र सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण प्रगति पर है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने निर्माणाधीन साइट का दौरा किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों से कार्य की प्रगति की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त निगमायुक्त रविन्द्र यादव और स्थानीय वार्ड पार्षद सोनिया यादव भी उपस्थित रहीं। नगर निगम के चीफ इंजीनियर विजय ढाका ने बताया कि लगभग 11.07 एकड़ भूमि पर इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है, जिस पर लगभग 88 करोड़ रुपए की लागत आएगी। कॉम्प्लेक्स में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि इसमें तीन मल्टीपर्पज हॉल तथा केंटीन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में कबड्डी, शूटिंग रेंज, जूडो, बॉक्सिंग, जिम्नास्टिक, वेट लिफ्टिंग, टेबल टेनिस, ट्रेनिंग एंड प्रिप्रेशन रूम, बॉस्केट बॉल, बैडमिंटन कोर्ट, लॉन टेनिस, क्रिकेट, वॉलीवॉल, वॉकिंग ट्रैक, साइकिल

ट्रैक, स्केटिंग रिंग, योगा कोर्ट, किड्स प्ले एरिया, गजीबो, ओपन एयर दौरान निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में ही पूरा होना चाहिए। इसमें गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए।

NAME CHANGE

I, AMIT PRAKASH SHARMA S/o CHANDER PRAKASH R/o House No. 20, Ground Floor, E2.1, Vatika India Next, Sector 82, Gurgaon, Haryana-122004, have changed the name of my minor son AARAV SHARMA aged 12 years and he shall hereafter be known as AARAV UNIYAL.

NAME CHANGE

I, AMIT PRAKASH SHARMA S/o CHANDER PRAKASH R/o House No. 20, Ground Floor, E2.1, Vatika India Next, Sector 82, Gurgaon, Haryana-122004, have changed the name of my minor son RYAN SHARMA aged 15 years and he shall hereafter be known as RYAN UNIYAL.

पलवल में दो गांव खाली कराए, यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के करीब

एजेंसी

पलवल। पलवल में शाम यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान के करीब पहुँच गया है। इससे खादर क्षेत्र के गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। शाम तक बाढ़ का पानी कई गांवों के खेतों में घुस चुका था। जिला प्रशासन ने हालात को गंभीर मानते हुए इंदिरा नगर और मोहबलीपुर गांवों को पूरी तरह खाली करा लिया। दोनों गांवों के करीब 600 ग्रामीणों को सुरक्षित निकालकर मुस्तफाबाद और अच्छेजा के सरकारी स्कूलों में बनाए गए राहत शिविरों में भेजा गया है। इन शिविरों में प्रशासन की ओर से खाने-पीने, सोने और मवेशियों की देखभाल की विशेष व्यवस्था की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक आई बाढ़ ने उन्हें परेशान तो किया, लेकिन प्रशासन की तत्परता से उन्हें समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया गया। हथिनी कुंड बैराज से सोमवार को छोड़ा गया 3 लाख 39 हजार क्यूसेक पानी पलवल पहुँचा। इसके बाद प्रशासन ने एहतियातन यमुना किनारे बसे 20 गांवों को अलर्ट पर रखा है। प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से अपील की गई है कि वे स्थिति को हल्के में न लें और जरूरत पड़ने पर तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाएं। जिला उपायुक्त एवं आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ खुद ट्रैक्टर पर बैठकर प्रभावित इलाकों का मुआयना करने पहुँचे। उन्होंने इंदिरा नगर, मुस्तफाबाद और मोहबलीपुर में ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार और प्रशासन हर कदम पर उनके साथ खड़ा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी तरह का जोखिम न लें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। इस बीच, खेतों में पानी भर जाने से धान, बाजरा और अन्य फसलें डूब चुकी हैं। किसानों को हो रहे नुकसान को देखते हुए सरकार ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल 10 सितंबर तक खोल दिया है। जिले के 59 गांवों के किसान इस पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि हर प्रभावित किसान को उसकी क्षति का उचित मुआवजा दिया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि हर साल बाढ़ का संकट उनकी जिंदगी को प्रभावित करता है, मगर इस बार प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई कर राहत दी है।

उच्च यील्ड और नकदी की भरमार से कॉर्पोरेट्स का उधारी से किनारा

- बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के बावजूद कंपनियां पूंजीगत खर्च के लिए बैंक ऋण लेने से बच रही हैं

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियां इन दिनों पूंजी जुटाने के पारंपरिक साधनों जैसे बैंक ऋण और कॉर्पोरेट बॉन्ड का कम इस्तेमाल कर रही हैं, भले ही बॉन्ड यील्ड में तेजी देखी जा रही हो। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी होने के चलते वे नई परियोजनाओं के लिए उधारी लेने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहीं। जुलाई-अगस्त 2025 में कंपनियों ने केवल 1.19 लाख करोड़ रुपये की पूंजी घरेलू ऋण पूंजी बाजार से जुटाई, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में यह आंकड़ा 3.42 लाख करोड़ रुपये था। जुलाई में बॉन्ड के जरिए 69,125 करोड़ और अगस्त में 50,152 करोड़ रुपये जुटाए गए। बॉन्ड बाजार में यील्ड में 20-25 आधार अंक की वृद्धि हुई है, जिससे निवेशकों का रुख सरकारी प्रतिभूतियों और राज्य विकास ऋण की ओर बढ़ गया है। इस बदलाव के चलते कॉर्पोरेट बॉन्ड की मांग कमजोर हुई है। जुलाई की शुरुआत में 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.3 फीसदी थी, जो अगस्त के अंत तक 6.6 फीसदी पर पहुंच गई। बैंक ऋण की मांग भी सुस्त रही है।

आरबीआई के अनुसार, 25 जुलाई को समाप्त पखवाड़े में ऋण वृद्धि दर सालाना 6 फीसदी रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 10.2 फीसदी थी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि यील्ड में अस्थिरता और उचित मूल्य का आकलन मुश्किल होने के कारण कॉर्पोरेट उधारी में अनिश्चितता बनी हुई है। जब तक यील्ड स्थिर नहीं होती या कंपनियों की कैपेक्स योजना आगे नहीं बढ़ती, ऋण बाजार में रफ्तार की उम्मीद कम है।

इंडिया पोस्ट ने अमेरिका के लिए डाक सेवाएं निलंबित कीं

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने 800 डॉलर तक के सामान पर लागू शुल्क-मुक्त डी-मिनिमिस छूट को खत्म कर दिया है। इससे अब अमेरिका में छोटे मूल्य के आयात पर भी शुल्क और कर लगना शुरू हो गया है। इस कदम के विरोध में इंडिया पोस्ट ने अमेरिका के लिए अपनी सभी डाक सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

2023 में इंडिया पोस्ट ने अमेरिका को 1.3 करोड़ पत्र भेजे थे, जो 2018 की तुलना में 80 फीसदी कम हैं। हालांकि, पार्सल भेजने में वृद्धि हुई है, जो 5.3 लाख पर पहुंच गया है। कोविड-19 के दौरान अमेरिका में डी-मिनिमिस आयात बढ़कर 67 अरब डॉलर हो गया था। वित्त वर्ष 2025 के नौ महीनों में यह लगभग 50 अरब डॉलर तक पहुंच गया। चीन की हिस्सेदारी घटकर 57.9 फीसदी रह गई है, जबकि कनाडा और ब्रिटेन की हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस फैसले से भारत से अमेरिका जाने वाली डाक सेवाओं और ई-कॉमर्स व्यापार पर बड़ा असर पड़ सकता है। इंडिया पोस्ट को नई रणनीतियां बनानी होंगी या अन्य बाजारों की ओर रुख करना होगा।

मोटर वाहन उद्योग ने जीएसटी दरों में कटौती को बताया समयानुकूल फैसला

उद्योग संगठनों ने सरकार के कदम को साहसिक सुधार बताया

मुंबई ।

सरकार द्वारा मोटर वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के फैसले का मोटर वाहन उद्योग ने जोरदार स्वागत किया है। उद्योग का मानना है कि यह निर्णय समय पर लिया गया है और इससे वाहनों की मांग में वृद्धि होगी, जिससे पूरे सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी। सोसायटी ऑफ इंडिया ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा वाहनों पर जीएसटी को 18 फीसदी से 40 फीसदी के बीच निर्धारित करना उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही बिना बिके वाहनों पर क्षतिपूर्ति उपकर से संबंधित तंत्र को भी अधिसूचित करेगी, जिससे इस बदलाव को सुचारू रूप से लागू किया जा सके। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक अधिकारी ने इसे साहसिक और प्रगतिशील सुधार बताया और कहा कि यह कदम सामर्थ्य बढ़ाएगा व परिवहन क्षेत्र को समावेशी बनाएगा।

वहीं ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अधिकारी ने सभी ऑटो पार्ट्स पर 18 फीसदी की एक समान जीएसटी दर तय करने को ऐतिहासिक कदम बताया। टीवीएस मोटर कंपनी ने इसे समाज के सभी वर्गों के लिए खपत बढ़ाने वाला निर्णय बताया। उद्योग को उम्मीद है कि इस सुधार से न केवल बिक्री में वृद्धि होगी, बल्कि उत्पादन, निवेश और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क का असर कम करने सरकार सक्रिय

पीयूष गोयल की उद्योग प्रतिनिधियों संग बैठक, गुणवत्ता सुधार और वैकल्पिक बाजारों की तलाश पर जोर

नई दिल्ली।

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 फीसदी तक के शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गोयल ने उद्योग को भरोसा दिलाया कि सरकार कारोबारी सुगमता, लक्षित व्यापार समर्थन और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप के जरिये मौजूदा चुनौतियों का समाधान निकालने में जुटी है। उन्होंने निर्यातकों से आग्रह किया कि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारें, वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलें और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर वैकल्पिक बाजारों की तलाश करें। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में वैकल्पिक व्यवस्थाओं की जरूरत पर व्यापक सहमति बनी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्यात वृद्धि को रफ्तार देने और विभिन्न क्षेत्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम चल रहा है। उद्योग प्रतिनिधियों ने अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क के चलते बढ़ती लागत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आई कमी की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने मांग की कि सरकार शुल्क के अतिरिक्त बोझ को साझा करे और प्रस्तावित निर्यात संवर्धन मिशन को जल्द लागू किया जाए। सरकार ने आश्वस्त किया कि निर्यातकों को उपयुक्त माहौल देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आमजन को बड़ी राहतः जीवन रक्षक दवाओं और उपकरणों पर जीएसटी शून्य

– 33 जीवन रक्षक दवाएं टैक्स फ्री, 22 सितंबर से लागू होगा नया जीएसटी ढांचा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार शाम एक अहम घोषणा करते हुए गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) ढांचे में बड़ा बदलाव किया। इसका सबसे बड़ा असर स्वास्थ्य क्षेत्र और आम आदमी पर पड़ेगा। सरकार ने 33 जीवन रक्षक दवाओं पर लगने वाला 12 फीसदी जीएसटी पूरी तरह से खत्म कर दिया है। यानी अब ये दवाएं टैक्स फ्री होंगी। साथ ही कैंसर, रेयर बीमारियों और अन्य गंभीर क्रॉनिक बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन प्रमुख दवाओं पर भी 5 फीसदी जीएसटी को घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा सभी सामान्य दवाओं और मेडिसिन्स पर जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें ऑर्गेनो-थेरेप्यूटिक इस्तेमाल के लिए ग्लैंड्स और अन्य ऑर्गन्स, ग्लैंड्स या ऑर्गन्स के एक्सट्रैक्ट्स या उनके स्राव; हेपरिन और इसके साल्ट्स; मानव या पशु पदार्थ जो थेरेप्यूटिक या प्रोफिलैक्टिक उपयोग के लिए तैयार किए गए हों। इस फैसले से आम मरीजों को राहत मिलेगी और इलाज की लागत में कमी आएगी। सरकार ने टैक्स सिस्टम को सरल बनाते हुए नए जीएसटी ढांचे में अब सिर्फ दो स्लैब रखे हैं- 5 फीसदी और 18 फीसदी। वहीं सुपर लग्जरी और सिन गुड्स (जैसे शराब, तंबाकू आदि) पर 40 फीसदी का विशेष स्लैब लागू किया जाएगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। मेडिकल, सर्जिकल, डेंटल और वेटरनरी उपकरणों पर भी जीएसटी 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें डायग्नॉस्टिक किट्स, ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर, बैंडेज और गॉज जैसे जरूरी उपकरण शामिल हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपय करीब 11 पैसे की गिरावट के साथ 88.13 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर में मजबूती के बीच रुपया अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में एक पैसे टूटकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से बाजार धारणा में सुधार हुआ और वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.09 पर कमजोर रुख के साथ खुला। फिर इसमें तेजी आई और 87.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि फिर से फिसलकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.02 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.21 पर आ गया।

आईईएक्स का अगस्त बिजली कारोबार 18.9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) का अगस्त 2025 में बिजली कारोबार सालाना आधार पर 18.9 बढ़कर 1180.3 करोड़ यूनिट हो गया। बढ़ती मांग के बावजूद एक्सचेंज पर बिजली की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में कम रहीं, जिसका कारण आपूर्ति पक्ष की बेहतर नगदी रही। अगस्त में डे-अहेड मार्केट में बिजली का औसत मूल्य 4.00 रुपए प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वर्ष से 7 फीसदी कम है। इस खंड में कुल 479.7 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ, जो जुलाई 2024 की तुलना में 3 फीसदी अधिक है और कुल कारोबार में इसका हिस्सा 34 फीसदी रहा। वहीं रियल टाइम मार्केट में कारोबार 44 फीसदी बढ़कर 502.9 करोड़ यूनिट हो गया। इसमें कीमत 3.38 रुपए प्रति यूनिट रही, जो सालाना 6 फीसदी की गिरावट दर्शाता है।

दिवाली पर हवाई किराया 50 फीसदी तक बढ़ा, उड़ानें कम हुईं

मुंबई । इस साल दीवाली सप्ताह (19 से 25 अक्टूबर) में हवाई किराया पिछले साल की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है। मुंबई-पटना मार्ग का औसत इकॉनमी क्लास किराया 14,540 रुपए रहा, जबकि पिछले साल 9,584 रुपए था। बेंगलूरु-लखनऊ मार्ग पर किराया 9,899 से बढ़कर 6,720 रुपए हो गया है। रुपये की कमजोरी और विमानों की कमी इसके मुख्य कारण बताए जा रहे हैं। त्योहारों के कारण यात्रियों की संख्या बढ़ी है, जिससे अग्रिम बुकिंग भी तेज़ हो गई है। प्रमुख महानगरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और चेन्नई में टिकट बुकिंग में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है। इस साल अक्टूबर में घरेलू उड़ानों की संख्या प्रति सप्ताह 22,709 है, जो पिछले साल के 23,437 से 3.1 प्रतिशत कम है। एयर इंडिया का विमान रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम उसकी उड़ान सेवा को प्रभावित कर रहा है। इंडिगो की उड़ान संख्या में मात्र 1.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है।

रिलायंस जियो की 9वीं वर्षगांठ पर फ्री असीमित डेटा और खास ऑफर

मुंबई । रिलायंस जियो ने अपनी 9वीं वर्षगांठ के मौके पर ग्राहकों के लिए बड़ा उपहार दिया है। कंपनी ने घोषणा की है कि 349 रुपये या उससे अधिक मूल्य वाले प्लान के ग्राहकों को 5 सितंबर से 5 अक्टूबर तक एक महीने के लिए फ्री असीमित डेटा मिलेगा। यह ऑफर मौजूदा प्लान के आधार पर अलग-अलग अवधि के लिए उपलब्ध होगा। साथ ही, इस ऑफर में मनोरंजन और अन्य ऐप की सब्सक्रिप्शन भी शामिल हैं। वर्तमान में जियो 5जी स्मार्टफोन वाले ग्राहकों को 349 रुपये या उससे अधिक वाले प्लान में अनलिमिटेड 5जी डेटा देती है। जियो ने उन ग्राहकों के लिए भी खुशखबरी दी है जिन्होंने लगातार 12 महीने तक 349 रुपये के प्लान का रिचार्ज किया है। ऐसे ग्राहकों को 13वें महीने की सेवा बिल्कुल मुफ्त मिलेगी। इस पहल से जियो अपने ग्राहकों को लंबे समय तक जोड़ने की कोशिश कर रही है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो को 50 करोड़ से अधिक भारतीयों का भरोसा मिला है, जो इस कंपनी की ताकत का परिचायक है। उन्होंने सभी जियो उपयोगकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मील का पत्थर कंपनी के लिए गर्व का विषय है। इसके साथ ही, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने प्रवर्तक समूह की कंपनियों से 3,956 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। सिक्का पोर्ट्स और जामनगर यूटिलिटीज को कुल 50 करोड़ वारंट आवंटित किए गए हैं। यह पूंजी जेएफएसएल के विस्तार में मदद करेगी।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के चौथे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही जीएसटी पर आये फैसले के बाद बाजार ऊपर आया पर आईटी और पीएसयू बैंक शेयरों में बिकवाली से पड़े दबाव से फिर नीचे आने लगा। अंत में 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 150 अंक की बढ़त लेकर 80,718.01 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में 19.25 अंक या 0.08 फीसदी उछलकर 24,734.30 पर बंद हुआ।

आज महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित वाहन ऑटो स्टॉक्स में तेजी से बाजार को बढ़त मिली। जीएसटी काउंसिल ने दो स्लैब वाले नए स्ट्रक्चर को मंजूरी दी है। इससे बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। ऑटो और एफएमसीजी शेयरों में इस फैसले का अच्छा प्रभाव देखा गया। आज सुबह सेंसेक्स तेजी के साथ 81,456.67 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 700 अंक तक उछल गया था। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 24,980.75 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24,980.75 अंक के इंट्रा-डे हाई तक गया। निफ्टी ने दिन की शुरुआत मजबूत बढ़त के साथ की। इसमें वाहन और कंज्यूमर स्टेपल्स सेक्टर की तेजी ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली और दिग्गज शेयरों में कमजोरी के कारण इंडेक्स नीचे आ गया।

एसटी 2.0 सुधारों से खपत-आधारित रिकवरी की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। इसमें ऑटो और कंज्यूमर स्टेपल्स को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। । हालांकि वैश्विक मैक्रो अनिश्चितताओं, लगातार हो रही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिकी टैरिफ के दबाव के कारण बाजार पर विपरीत प्रभाव बना रहा है।आज कारोबार के दौरान बीएसई की कंपनियों में महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। जबकि मारुति सुज़ुकी, बीईएल और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे।

इसी तरह प्रकार पर भी महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर उछले। जबकि एचडीएफसी लाइफ, टाटा कंज्यूमर और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.67 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी नीचे बंद हुआ। सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी ऑटो 0.85 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे मजबूत सेक्टर रहा, इसके बाद एफएमसीजी ने 0.24 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की। गिरावट वाले सेक्टर्स में निफ्टी पीएसयू बैंक , आईटी और मीडिया क्षेत्र रहा।

वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को तेजी देखी गई। यह तेजी वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में आई रैली के बाद देखने को मिली। उससे नैस्डैक कंपोजिट और एसएंडपी 500 में मजबूती आई। हालांकि आर्थिक चिंताओं के चलते निवेशकों की धारणा पर दबाव बना रहा। इस दौरान जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.57 फीसदी ऊपर ट्रेड कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.67 फीसदी बढ़ा चढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.16 फीसदी बढ़ा, जबकि चीन का सीएसआई 300 लगभग स्थिर रहा।

भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू, पर्यटन क्षेत्र में बढ़ेगी रौनक

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद है। इससे दोनों देशों के पर्यटन क्षेत्र को बड़ा फायदा मिलने वाला है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स ने बताया कि अगर वीजा सुविधाओं और प्रचार अभियान को बेहतर तरीके से संभाला गया तो अगले 12 से 18 महीनों में चीन से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि संभव है। कोविड-19 महामारी के बाद बंद हुए हवाई रास्ते खुलने से यात्रा तेज, सुविधाजनक और किफायती होगी। एयर इंडिया, चाइना ईस्टर्न, चाइना सदर्न, एयर चाइना और चाइना एयरलाइंस जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने उड़ान बहाली की घोषणा के बाद तुरंत सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है। आईएटीओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टूर ऑपरेटर और यात्रा एग्रीगेटर आकर्षक यात्रा पैकेज तैयार कर रहे हैं और डिजिटल बुकिंग सिस्टम में सुधार कर रहे हैं। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी के अनुसार चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने से भारत की पर्यटन उद्योग को कोविड-19 से पहले के स्तर को पार करने में मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच यात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया है।

भारत बनेगा वैश्विक स्टील मांग का नया केंद्र, चीन की पकड़ होगी ढीली

– 2050 तक चीन की हिस्सेदारी घटकर 31 फीसदी होने की उम्मीद

मुंबई ।

आगामी दशकों में भारत वैश्विक स्टील की मांग का प्रमुख केंद्र बनकर उभरने जा रहा है, जबकि चीन की पकड़ इस क्षेत्र में कमजोर होती दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में चीन की वैश्विक स्टील खपत में हिस्सेदारी 49 फीसदी थी, जो 2050 तक घटकर 31 फीसदी हो जाने का अनुमान है। इसके विपरीत भारत की हिस्सेदारी वर्तमान 8 फीसदी से बढ़कर सदी के मध्य तक 21 फीसदी तक पहुंच सकती है। एक शोध संस्था के अनुसार चीन में स्टील की मांग में गिरावट का मुख्य कारण वहां की अर्थव्यवस्था का पारंपरिक बुनियादी ढांचे-आधारित विकास मॉडल से हटना है। चीन में स्टील की प्रमुख मांग रियल एस्टेट क्षेत्र से आती थी, जो अब लगातार कमजोर हो रहा है। साथ ही, चीन में अधिशेष उत्पादन भी बढ़ने की आशंका है। 2050 तक यह अधिशेष 50 टन तक पहुंच सकता है, और दीर्घकाल में यह 350 टन से भी अधिक हो सकता है। शांदोंग और जियांग्सू जैसे प्रमुख प्रांतों ने उत्पादन में कटौती शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर, भारत का परिदृश्य मजबूत बना हुआ है। वर्ष 2024 में देश में स्टील की मांग में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और 2025 में इसमें 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि की संभावना है। दीर्घावधि में यह वृद्धि 4-5 फीसदी सालाना रहने की उम्मीद है। इस वृद्धि के पीछे सरकार की यातायात गलियारे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी विकास जैसी परियोजनाओं में निवेश और वाहन व मशीनरी क्षेत्रों में बढ़ती मांग जिम्मेदार है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक स्टील उद्योग में नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है।

मदर डेयरी उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी जीएसटी कटौती का लाभ

नई दिल्ली ।

मदर डेयरी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह केंद्र सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादों पर की गई जीएसटी कटौती का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को देगी। यह निर्णय पनीर, चीज़, घी, मक्खन, यूएचटी दूध, दूध आधारित पेय और आइसक्रीम जैसे उत्पादों पर लागू होगा। मदर डेयरी के एक प्रमुख अधिकारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों की पहुंच उपभोक्ताओं तक बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि पैकेज्ड श्रेणी की मांग तेजी से बढ़ रही है और इस सुधार से उसमें और इज़ाफा होगा। कंपनी ने यह भी आश्वासन दिया कि वह इस कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे न सिर्फ उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि किसानों को भी अधिक अवसर मिलेंगे।

समाज के प्रकाश स्तम्भ होते हैं शिक्षक

रमेश सर्राफ धमोरा

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं।

हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। इसीलिए प्रतिवर्ष शिक्षक को सम्मान देने के लिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है। हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर को मनाया जाता है।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है।

हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो

हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया हैः-

ह्लगुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोटह्व

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा।

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निमार्ता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है। पुराने समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

'जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी'

संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

अमेरिका की बेचैनी

आखिर, वही हुआ जिसकी संभावनाएं जताई जा रही थीं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा ने अमेरिका के माथे पर चिंता की लकीरें ड़ाल दी हैं। इसका संकेत अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के बयानों से मिला है। मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग की बढ़ती करीबी पर चिंता जताते हुए नवारो ने प्रधानमंत्री मोदी को रूस की बजाय अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ खड़ा होने की अनचाही सलाह दे ड़ाली। उनकी यह स्वतः स्फूर्त सलाह ट्रंप के ऊलजलूल टैरिफ से बिगड़े.हालात को संभालने की बौड़म़ सी कोशिश लगती है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर मोदी, शी और पुतिन के बीच घनिष्ठता के प्रदर्शन को नवारो ने 'व्हाइट हाउस' की प्रेस ब्रीफिंग में चिंताजनक बताया। नवारो यहीं नहीं रुके और बोल पड़े.कि दुनिया के सबसे बड़े.लोकतंत्र के नेता मोदी का दो सबसे बड़े.तानाशाहों, पुतिन और शी, के साथ देखा जाना शर्म की बात है। यह साफ-साफ अमेरिका की खीझ को दिखाता है। नवारो के बयान ऐसे समय सामने आए हैं, जब भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले दो दशकों के सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। व्यापार एवं शुल्क (टैरिफ) पर ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका-भारत के बीच रिश्तों में गिरावट आने के बाद से ही नवारो कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। नवारो ने कहा, मुझे समझ नहीं पता कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में क्या है, चीन के साथ तो भारत कई दशकों से तनाव और संघर्ष की स्थिति में रहा है। भारत को रूसी तेल खरीद बंद करके अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ होना चाहिए। समझ नहीं आता कि नवारो भारत को बिन मांगे सलाह क्यों दे रहे हैं। वह भी तब जब ट्रंप की दादागीरी रोकने के कोई संकेत नहीं हैं। भारत पर अमेरिका का कुल शुल्क 50 फीसद हो चुका है। बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के बीच भारत को सस्ता रूसी तेल खरीदने से कैसे रोका जा सकता है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से ही जब से पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाए हैं, तब से रूस भारत का शीर्ष ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। नवारो ने चीन की पाकिस्तान से बढ़ी नजदीकियों पर भी भारत को चेताया लेकिन सवाल उठता है कि ट्रंप ने भारत को क्यों निशाना बनाया हुआ है? संप्रभु राष्ट्र होने के नाते यह भारत को ही तय करना है कि वह किससे संबंध रखेगा या किससे नहीं। रूस भारत का सबसे पुराना मित्र और सहयोगी है। चीन भी इस गठजोड़.में आ जाए तो क्या कहने!

चिंतन-मनन

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहत हो जाती है। किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपार्त्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

जीएसटी के 2 स्लैब, गरीब एवं मध्यम वर्ग को राहत?

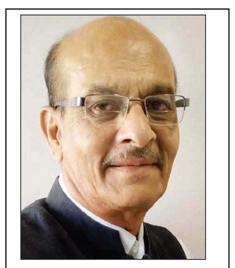

सनत जैन

जीएसटी परिषद के हालिया फैसले ने आम जनता को बड़ी राहत दी है, यह प्रचारित हो रहा है। अब तक अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की दरें 5 प्रतिशत से लेकर 28 प्रतिशत तक फैली हुई थीं, जिससे उपभोक्ता और व्यापारी दोनों ही भ्रमित रहते थे। परिषद ने टैक्स ढांचे को सरल बनाने का दावा करते हुए केवल दो स्लैब 05 और 18 प्रतिशत रखने का निर्णय लिया है। कुछ उत्पाद 40 फीसदी जिसमें शराब, लग्जरी सामान और तंबाकू के उत्पाद शामिल कर तीसरी श्रेणी बनाई जा रही है। सरकार दावा कर रही है कि इस बदलाव से 48000 करोड़ सालाना का नुकसान होगा जो प्रतिमाह लगभग 4000 करोड़ रुपया बैठता है। इसी के साथ ही सरकार दावा कर रही है, कि इस कदम से कर प्रणाली को पारदर्शी बनाया जायेगा। गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी। सरकार का दावा है इससे बड़ा फायदा रोजमर्रा की वस्तुओं और खाने-पीने की चीजों पर जीएसटी दर में कमी के कारण सामने आएगा। आवश्यक वस्तुएं सस्ती होंगी, सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का मासिक बजट संतुलित होगा। अगले 4 महीने त्योहारों के मौसम के हैं। जीएसटी में राहत उपभोक्ताओं के उत्साह को बढ़ाएगी। बाजार में रौनक आएगी। बाजार में मांग और आपूर्ति को मजबूती मिलेगी। सरकार ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा सेवाओं पर जीएसटी खत्म करने का निर्णय लिया है, जो अत्यंत सराहनीय कदम है। मध्यम वर्ग लंबे समय से इस बोझ से परेशान था। अब बीमा प्रीमियम सस्ते होंगे, अधिक लोग स्वास्थ्य और जीवन बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इससे सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा और देश में वित्तीय सुरक्षा मजबूत होगी। उद्योग जगत की दृष्टि से देखें, तो कम स्लैब का अर्थ है, आसान टैक्स के अनुपालन से व्यापारी और छोटे कारोबारियों को राहत मिलेगी। जटिल दरों और तकनीकी खामियों के कारण वह परेशान होते थे। दो स्लैब की व्यवस्था से कर चोरी घटेगी, सरकार को राजस्व संग्रहण अधिक पारदर्शी तरीके से मिलेगा। हालांकि जीएसटी की चुनौतियां नए रूप मे सामने आएंगी। उच्च कर स्लैब में आने वाली वस्तुओं पर कर बोझ बढ़ने से जो राहत बताई जा रही है, वह एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरे जेब में डालने जैसी संभावना के रूप में देखा जा रहा है। विलासिता से संबंधित उत्पाद एवं सेवाओं को 28 प्रतिशत के स्थान पर 40 फीसदी जीएसटी देनी होगी। इस प्रकार उपभोक्ताओं को जो राहत दी गई है उसे विलासिता के नाम पर सरकार वापस ले लेगी। इसमें सरकार को वाहवाही भी मिलेगी। इस श्रेणी के लोग अपेक्षाकृत सक्षम होते हैं। समाज के कमजोर वर्गों की राहत का यह बोझ मध्यम वर्ग पर डाला जाएगा। सरकार ने जो अनुमान लगाया है कि उसे 4000 करोड़ मासिक का नुकसान होगा, जीएसटी के रूप में सरकार 180000 करोड़ से लेकर 190000 करोड़ तक हर माह वसूल कर रही है। इससे स्पष्ट है, कि जीएसटी से आम आदमी को कोई विशेष राहत मिलने वाली नहीं है।

अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव की बात करें, तो इस कदम से कुछ उत्पादों की मांग बाजार में बढ़ेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। सरल टैक्स प्रणाली विदेशी निवेशकों को भारत में आने के लिए भी आकर्षित करेंगे। कुल मिलाकर, जीएसटी में दो स्लैब का फैसला एक दूरगामी सुधार का रास्ता तैयार कर रहा है। इस तरह की सोच से गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी, वहीं टैक्स प्रणाली को सरल और प्रभावी बनाने में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो सकता है। यह कदम सबका साथ, सबका विकास की दिशा में सरकार का यह ठोस प्रयास करने का दावा सरकार द्वारा किया जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस परिवर्तन से भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों मे ले जाने में मदद मिलेगी। सरकार जीएसटी की दरों में कमी करने का जो दावा कर रही है। महंगाई कम होने की बात कर रही है। इसमें आम उपभोक्ता को राहत मिलेगी, ऐसा लगता नहीं है। सरकार जिस नुक्सान की बात कर रही, यह उतार चढ़ाव अभी भी होता है। सही बात यह है, जीएसटी से सरकार का राजस्व निरंतर बढ़ रहा है। सरकार ने दो स्लैब खत्म किए हैं, किंतु जीएसटी में विलासता के नाम पर 40 फीसदी टेक्स के दायरे में जिन वस्तुओं को शामिल किया जा रहा है उससे मध्यम वर्ग को कोई राहत मिलेगी, ऐसा होता दिख नहीं रहा है। सरकार के इस प्रयास को मार्केटिंग के रूप में जरूर देखा जा सकता है। जिसमें गरीबों और मध्यम वर्ग को सरकार यह संदेश देने में सफल रही है, जीएसटी में सरकार उसे बहुत फायदा पहुंचाने जा रही है। इस बदलाव से निश्चित रूप से सरकार की छवि बेहतर बनेगी। उपभोक्ताओं को क्या लाभ होगा, इसका पता तो कुछ समय के बाद ही चलेगा।

प्रकृति का रौद्र रूप : गंगा-यमुना को न समने की भूल

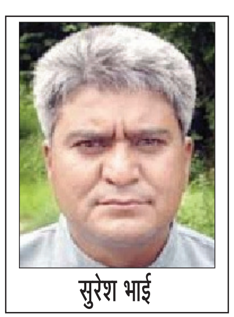

सुरेश भाई

गंगा की मुख्य धारा भागीरथी को धरती पर उतारने के लिए राजा भगीरथ ने कठिन तपस्या की थी लेकिन पिछले 4 दशकों से गंगा का रौद्र रूप दिखाई दे रहा है। 'इसरो' और 'वाड़िया भूगर्भ विज्ञान संस्थान' के वैज्ञानिक भागीरथी की संवेदनशीलता के विषय पर अध्ययन इंसान को सचेत रहने के लिए पर्याप्त हैं। भागीरथी के उद्गम गौमुख ग्लेशियर में बर्फ लगभग 30 किमी. पीछे हट गई है। ग्लेशियर के स्थान पर मलबे के ढेर दिखाई देते हैं क्योंकि इसके आसपास भी भूस्खलन का मलबा टूट कर बिखर रहा है। यही स्थिति गंगा-जमुना के उद्गम से आगे 100 किमी. के आर-पार के सहायक गाड़-गदेरे की है, जो अधिकांश ग्लेशियर से आ रहे हैं।

यहां की धरती में लगातार आ रहे भूकंप से भी कंपन हो रहा है। परिणामस्वरूप ग्लेशियर, झीलें, पहाड़ दरक रहे हैं। इसी बात को लेकर 2009 में उत्तरकाशी में हुए बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं के खिलाफ ऐतिहासिक आंदोलन के बाद 1000 मेगावॉट की सुरंग आधारित लोहारीनाग-पाला और पाला-मनेरी जल विद्युत परियोजनाएं तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा रद्द की गई थीं। भागीरथी के उद्गम से 120 किमी. दायरे में पर्यावरण अनुकूल विकास और सुधार के लिए 2012 में 'इको सेंसेटिव जोन' घोषित किया गया जिसे पूरी तरह लागू नहीं किया जा सका। लेकिन चिंता तब और भी बढ़ जाती है जब गंगोत्री के पास हरसिल और धराली में 24 घंटे में भारी बारिश की भविष्यवाणी के संबंध में सैटेलाइट के माध्यम से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग ने पहले ही जानकारी दे दी थी। इसके बावजूद प्रभावित गांव तक सूचना नहीं पहुंच सकी।

वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी सच साबित हुई और 5 अगस्त को भागीरथी की सहायक खीरगंगा में भीषण बाढ़ आने से धराली गांव पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से यहां बड़े-बड़े होटल बन गए हैं। लेकिन बढ़ती आबादी और बेतरतीब निर्माण कार्यों से उत्पन्न असुरक्षा की तरफ ध्यान नहीं दिया गया। लगभग 11 हजार फुट की ऊंचाई पर श्रीकंठ पर्वत के ग्लेशियर से आ रही खीरगंगा के मुहाने पर ही बहुमंजली इमारतें खड़ी हो गई जबकि भागीरथी के आर-पार के गाड़-गदेरों से लगातार भूस्खलन की घटनाएं होती रही हैं। खीरगंगा के अलावा तिल गाड़, सुखी के सामने भेला गाड़ में भी भारी जल प्रलय हुआ है। यहां पहले से इस तरह की आपदाओं का सिलसिला बना हुआ है। 1978, 2010-11-12-13, 2017-18 और 2023-24 में भी यहां भीषण बाढ़ आ चुकी है। हरसिल और धराली के बीच में भागीरथी पर जमा हुए भारी मलबे के कारण झील बनने से हेलीपैड भी मलबे में डूब गया था। सुरक्षा बलों की मेहनत से झील का पानी आगे बहाव क्षेत्र में निकालने के बाद भी फिर 24 अगस्त की शाम को तिल गाड़ में भारी मलबा बह कर आया है, जिसके बार-बार झील का आकार लेने से हरसिल कस्बे के अस्तित्व पर खतरा मंडराता नजर आ रहा है। यह भागीरथी के निचले बहाव क्षेत्र के लिए भी खतरनाक संकेत है।

उत्तरकाशी और गंगोत्री के बीच में दर्जनों स्थानों पर डेंजर जोन बन चुके हैं। उत्तरकाशी और कुथनौर तक बनी चौड़ी सड़क के कारण भी पहाड़ नासूर बन गए हैं। यमुनोत्री राष्ट्रीय राज मार्ग के मुख्य यात्रा पड़ाव स्याना चट्टी में 22 अगस्त को यमुना का बहाव दूसरी बार रुक कर झील के रूप में सामने आया है। झील बनने से यहां पर 250 आबादी के होटल, घर, पुल, राजमार्ग आदि पानी में डूब गए। दिन में बनी झील से लोगों में हाहाकार मच गया था। लोगों की आजीविका के साधन झील में डूब गए। अलकनंदा की सहायक पिंडर नदी के तट पर बसे थराली गांव में भी भीषण बाढ़ से दर्जनों परिवारों के घर मलबे में तब्दील हो गए हैं। बाढ़ के समय भागीरथी, अलकनंदा, यमुना आदि नदियों पर बनाई गई जल विद्युत परियोजनाओं के गेट बार-बार खोलने से तटों पर बसी आबादी प्रभावित होती रहती है। हिमाचल के कुल्लू, मनाली, किन्नौर, लाहौल स्पीति, मंडी, चंबा में भीषण बाढ़ आई है। व्यास नदी रौद्र रूप दिखा रही है। पोंग बांध में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। जम्मू कश्मीर में भीषण बाढ़ ने 52 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां पर

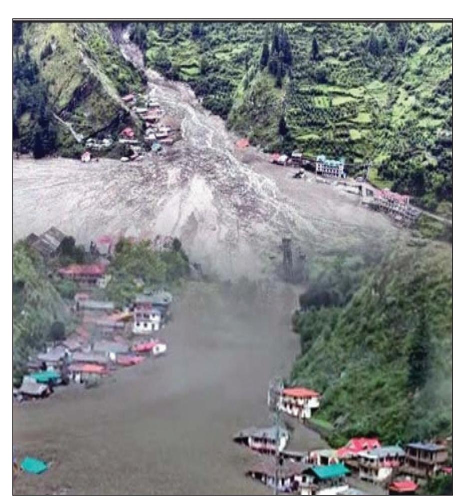

किश्तवाड़, चिशौती, डोडा आदि स्थानों में तवी और झेलम नदी के कहर से दर्जनों लोग लापता हैं।

तीनों राज्य में 500 से अधिक सड़कें बंद हैं। खूबसूरती और देवभूमि के रूप में प्रसिद्ध इन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को पर्यटन के लिए मुख्य रूप से चिन्हित किया गया है जहां की नदियों में जल प्रलय थम नहीं रहा। नदियों के किनारों पर बनाई जा रहीं चौड़ी सड़कें कमजोर साबित हो रही हैं। सवाल है कि क्या इसके बाद भी उच्च हिमालयी क्षेत्रों में विकास का वही मॉडल रहेगा जो मैदानों में लागू है? इसमें सुधार नहीं करेंगे तो पहाड़ जल्द ही नीचे उतर सकते हैं, और मैदानों में भीषण तबाही रोके नहीं रुकेगी।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

लीमा में इंडोनेशियाई राजदूत की हत्या की जांच तेज

लीमा, एजेंसी। पेरू के अधिकारियों ने इंडोनेशियाई राजनयिक की गोली मारकर हत्या की जांच शुरू कर दी है। पेरू की राजधानी लीमा स्थित इंडोनेशियाई दूतावास में कार्यरत 40 वर्षीय ज़ेट्रो लियोनार्डो पुर्बा को सोमवार रात तीन गोलियां मारी गईं, जब वह साइकिल से अपने अपार्टमेंट की इमारत की ओर जा रहे थे। उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने गोलीबारी का कारण तुरंत नहीं बताया। गृह मंत्री कार्लोस मालावर ने सांसदों को बताया कि यह सुनियोजित हत्या थी। पुलिस ने दो सीसीटीवी फुटेज जारी की है जिसमें हेलमेट पहने एक व्यक्ति राजनयिक पर दो बार गोली चलाता हुआ दिखाई दे रहा है, जिसके बाद राजनयिक ज़मीन पर गिर जाते हैं। तस्वीरों में संदिग्ध व्यक्ति राजनयिक पर तीसरी बार गोली चलाता हुआ और एक अन्य व्यक्ति द्वारा चलाई जा रही मोटरसाइकिल पर भागता हुआ दिखाई दे रहा है पेरू के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस हत्या की गहन जांच की जाएगी और इंडोनेशिया के राजदूत और दूतावास के कर्मचारियों को सभी आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

फील्ड मार्शल बनने के बाद पहली बार शी से मिले असीम मुनीर

बीजिंग, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर फील्ड मार्शल बनने के बाद पीएम शहबाज शरीफ के साथ मंगलवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पहली मिले। इस दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा की। वह शरीफ प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, जिसने एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लिया। वह बुधवार को जापानी हमले के विरुद्ध चीनी जन युद्ध की 80वीं वर्षगांठ पर चीनी सेना की परेड में शामिल होंगे।

अमेरिका की व्योमिंग पहाड़ियों में विमान दुघर्टनाग्रस्त, लड़की की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की उत्तरी व्योमिंग के पहाड़ों में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 13 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई। उसके तीन रिश्तेदार घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि एक चिकित्सा सेवा हेलीकॉप्टर ने विमान का मलबा देखा। दुर्घटना सोमवार दोपहर बाद बिग माउंटेन क्षेत्र में हुई। मेडिकल हेलीकॉप्टर ने गिरे हुए विमान को देखा। शेरिडन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि बचाव दल ने पास के राजमार्ग यूएस 14 के पास एक पार्किंग स्थल पर एक कमांड पोस्ट स्थापित किया। घटनास्थल पर पहुंचे बचावकर्मियों ने लड़की को मृत पाया। उसके तीन रिश्तेदारों 11 वर्षीय लड़का, 53 वर्षीय महिला और 54 वर्षीय पुरुष को गंभीर रूप से घायल पाया।

न्यूयॉर्क मेयर पद के उम्मीदवार जिम वाल्डेन ने नामांकन वापस लिया

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार जिम वाल्डेन ने घोषणा की कि वह अपना अभियान स्थगित कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अपने साथी उम्मीदवारों से डेमोक्रेटिक प्राइमरी विजेता ज़ोहरान ममदानी के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। वाल्डेन ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि जो लोग महीने के अंत तक भी चुनावों में पीछे रह गए हैं, उनसे मैं अनुरोध करता हूं कि वे इस बात पर विचार करें कि यदि वे ममदानी को अहंकार या जिद्दी महत्वाकांक्षा के बल पर सत्ता में आने देंगे तो इतिहास उनका क्या मूल्यांकन करेगा। वाल्डेन एक वकील हैं, जिन्होंने रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर और मिश्रित मार्शल आर्ट फाइटर कोनोर मैकग्रेगर का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने खुद को न्यूयॉर्क शहर के पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग की तरह एक मुक्त बाजार टेक्नोक्रेट के रूप में स्थापित किया था।

ट्रम्प बोले- भारत का अमेरिका से एकतरफा रिश्ताः उन्होंने 100प्रतिशत टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत पर 50प्रतिशत टैरिफ इसलिए लगाया है, क्योंकि लंबे समय तक दोनों देशों के बीच 'एकतरफा रिश्ता' था। एक प्रेस ब्रीफिंग में ट्रम्प ने कहा कि भारत, अमेरिकी सामानों पर 100प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। इसकी वजह से अमेरिका और भारत के व्यापार में असंतुलन पैदा हो गया है।

ट्रम्प ने उदाहरण देते हुए बताया कि अमेरिकी कंपनी हार्ले डेविडसन भारत में मोटरसाइकिल नहीं बेच पा रही थी, क्योंकि भारत ने 200प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ था। इस वजह से कंपनी ने भारत में ही एक प्लांट बनाया, जिससे अब उसे टैरिफ नहीं देना पड़ता।

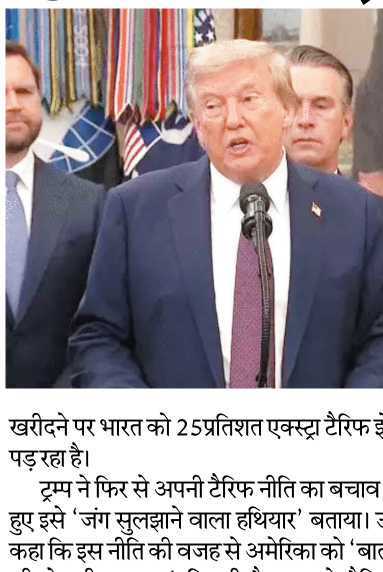

ट्रम्प बोले- टैरिफ जंग सुलझाने वाला हथियार

ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका द्वारा भारतीय आयातों पर 50प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद आर्थिक तनाव बढ़ा है और इसके साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत को 25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ झेलना पड़ रहा है।

ट्रम्प ने फिर से अपनी टैरिफ नीति का बचाव करते हुए इसे 'जंग सुलझाने वाला हथियार' बताया। उन्होंने कहा कि इस नीति की वजह से अमेरिका को 'बातचीत की बेहतरीन ताकत' मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को बातचीत के लिए एक जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोकी हैं।

ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया की रीढ़ है और उनके पहले चार सालों में उन्होंने इसे बेहद मजबूत बनाया था, लेकिन बाइडेन प्रशासन ने इसे कमजोर कर दिया, लेकिन अब उनकी टैरिफ नीति से अमेरिका आर्थिक रूप से सबसे ताकतवर बन गया है।

ट्रम्प बोले- अमेरिका में कारखाने लगा रहीं विदेशी कंपनियां

ट्रम्प ने दावा किया कि ज्यादा टैरिफ की वजह से कई कंपनियां अमेरिका के बाहर उत्पादन करती हैं। लेकिन उनकी नीतियों की वजह से हालात बदल रहे हैं और अब हजारों कंपनियां अमेरिका में आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कई कार कंपनियां चीन, मेक्सिको और कनाडा से आकर अमेरिका में फैक्ट्री बना रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे 3 बड़ी वजहें हैं। कंपनियां अमेरिका में रहना चाहती हैं, टैरिफ उन्हें सुरक्षा देते हैं और यहां निर्माण करने से उन्हें एक्स्ट्रा टैक्स नहीं देना पड़ता। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अमेरिका के लिए फायदेमंद है और यही वजह है कि उन्होंने भारत पर कड़ा टैरिफ लगाया।

ट्रम्प का दावा- भारत 0 प्रतिशत टैरिफ करने को तैयार

ट्रम्प ने यह भी साफ कर दिया कि वे भारत पर लगाए गए टैरिफ कम करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते बहुत अच्छे हैं। ट्रम्प ने पहले भारत के निर्यात पर 25प्रतिशत शुल्क लगाया था, लेकिन इसे बढ़ाकर 50प्रतिशत कर दिया गया। इसका असर अमेरिका को भेजे जाने वाले भारत के 55प्रतिशत से ज्यादा सामान पर पड़ा। सोमवार को सोशल मीडिया पर ट्रम्प ने लिखा था कि भारत ने अपने टैरिफ घटाने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि यह कब हुआ और क्या अमेरिका भारत के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू करेगा। उन्होंने बस इतना कहा, अब देर हो चुकी है। उन्हें यह सालों पहले करना चाहिए था।

हम किसी धमकी से नहीं डरते, चीन के उदय को कोई नहीं रोक सकताः शी जिनपिंग

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को सीधा संदेश देते हुए कहा कि चीन कभी किसी दबाव में नहीं आता और न ही किसी से डरता है। चीन का उदय अब कोई नहीं रोक सकता। यह बयान उन्होंने बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मंच साझा करते हुए दिया।

तियानानमेन स्क्वायर में 50,000 से ज्यादा लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए शी ने चेतावनी दी, आज दुनिया शांति या युद्ध, बातचीत या टकराव और साझा जीत या जीरो-सम गेम के बीच चुनाव के मोड़ पर खड़ी है। जीरो-सम गेम का मतलब- एक पक्ष को जितना फायदा होता है, दूसरे पक्ष को उतना ही नुकसान होता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के लोग इतिहास के सही पक्ष में मजबूती से खड़े हैं।

लिमोजीन (खुले टॉप वाली कार) में सवार होकर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के नेता जिनपिंग ने सैन्य टुकड़ियों और मिसाइल, टैंक और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया। आसमान में हेलिकॉप्टर्स ने बैनर लहराए और लड़ाकू विमानों ने शानदार उड़ानें भरीं।

सैन्य परेड में कई विदेशी नेता हुए शामिल : करीब सत्तर मिनट तक चले इस प्रदर्शन का समापन 80 हजार सफेद कबूतरों और रंग-बिरंगे गुब्बारों की उड़ान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में दो दर्जन से अधिक विदेशी नेता शामिल हुए, जो अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच चीन से करीबी संबंध बनाना चाहते हैं।

इस समारोह में सबसे ज्यादा नजर पुतिन, किम जोंग उन और ईरान के राष्ट्रपति पर थी। समारोह की शुरुआत में शी जिनपिंग के साथ पुतिन और किम दोनों की मौजूदगी ने अमेरिका के नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था को सीधी चुनौती देने का संकेत दिया। सैन्य परेड में दस हजार से अधिक सैनिक और सैकड़ों आधुनिक हथियार शामिल थे, जिसके जरिए शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत और आधुनिकीकरण अभियान को दिखाया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा : इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर निशाना साधते हुए शी जिनपिंग, पुतिन और किम पर अमेरिका के खिलाफ साजिश करने का आरोप लगाया।ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने चीन की आजादी के लिए जो खून-पसीना बहाया, उसे शी जिनपिंग कभी याद करेंगे या नहीं? कई अमेरिकियों ने चीन की जीत और गौरव के लिए अपनी जान दी थी। उन्होंने आगे लिखा, उम्मीद है कि उन्हें सही सम्मान मिलेगा और उनकी बहादुरी को याद किया जाएगा। शी और चीन की जनता को

ऐसे लोगों पर नहीं लागू कर सकते कानून, एलियन एनिमीज एक्ट 1798 के इस्तेमाल पर ट्रंप को संघीय अदालत से झटका

वाशिंगटन, एजेंसी। एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को करारा झटका दिया है। एलियन एनमीज एक्ट, 1798 के इस्तेमाल के मामले में संघीय अपील अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया। इसमें अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून एलियन एनमीज एक्ट, 1798 का इस्तेमाल उन लोगों को तेजी से निर्वासित करने के लिए नहीं कर सकते जिन्हें उनकी सरकार वेनेजुएला के आपराधिक गिरोह का सदस्य बताती है।

अमेरिका की 5वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 2-1 के फैसले में निचली अदालतों और आप्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं की दलील से सहमति जताई। अदालत ने कहा कि यह कानून केवल युद्धकाल में दुश्मन देशों के नागरिकों के खिलाफ लागू करने के लिए बना था, न कि आपराधिक संगठनों जैसे ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ इस्तेमाल के लिए। बता दें कि ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने मार्च में कार्रवाई शुरू की थी। ट्रंप प्रशासन ने ट्रेन डे अरागुआ से जुड़े लोगों को निर्वासित कर अल सल्वाडोर की कुख्यात जेल में भेज दिया था और दलील दी थी कि अमेरिकी अदालतें उन्हें वहां से रिहा करने का आदेश नहीं दे सकतीं। अदालत का यह फैसला तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ समेत अपने कई फैसलों को लेकर आलोचनाएं झेल रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की आव्रजन नीति के लिए यह फैसला बड़ा झटका माना जा रहा है।

इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष विराम के लिए आगे आए फ्रांस और सऊदी अरब

पेरिस, एजेंसी। इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष विराम के लिए फ्रांस और सऊदी अरब आगे आए हैं। दोनों देश 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में इस्राइल-फलस्तीनी संघर्ष के द्वि-राज्य समाधान पर एक हाई-प्रोफाइल सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन उद्देश्य क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना है। वहीं फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका से फलस्तीन अधिकारियों को वीजा देने से इनकार करने के फैसले को वापस लेने की मांग की।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मैंने अभी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से बात की है। हम दोनों मिलकर 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में द्वि-राज्य समाधान पर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि फलस्तीनी अधिकारियों को वीजा न देने का अमेरिकी फैसला अस्वीकार्य है। हम इस फैसले को वापस लेने और अमेरिका के समझौते के अनुसार फलस्तीनी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग करते हैं। हमारा उद्देश्य स्पष्ट है। द्वि-राज्य समाधान के लिए व्यापकतम अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना।

मैक्रों ने सम्मेलन की प्रमुख प्राथमिकताएं भी बताईं। उन्होंने कहा कि इसमें स्थायी युद्धविराम लागू करना, सभी बंधकों की रिहाई, गाजा में बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाना और गाजा पट्टी में एक स्थिरीकरण मिशन की तैनाती शामिल है। उन्होंने शांति सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसमें हमास को निरस्त्र करना और उसे गाजा के शासन से बाहर करना, फलस्तीनी प्राधिकरण में सुधार और उसे मजबूत करना और गाजा पट्टी का पूर्ण पुनर्निर्माण शामिल है।

मैक्रों ने आगे कहा कि इसके लिए एक स्थायी युद्धविराम लागू करना, सभी बंधकों की रिहाई, गाजा के लोगों को बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाना और गाजा में एक स्थिरीकरण मिशन की तैनाती आवश्यक होगी। हम यह भी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि अगले दिन हमास को निरस्त्र कर दिया जाए और गाजा के किसी भी शासन से बाहर कर दिया जाए। फलस्तीनी प्राधिकरण में सुधार और उसे मजबूत किया जाए और गाजा पट्टी का पूरी तरह से पुनर्निर्माण किया जाए। कोई भी आक्रमण, कब्जा करने का प्रयास या आबादी का जबरन विस्थापन उस गति को पटरी से नहीं उतार पाएगा जो हमने क्राउन प्रिंस के साथ मिलकर बनाई है।

यह घोषणा गाजा में मानवीय संकट को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच हुई है। इस्राइल के सैन्य विस्तार के बाद और भी बदतर हो गया है। मैक्रों उन पहले कुछ पश्चिमी विश्व नेताओं में से एक थे जिन्होंने कहा कि उनका देश औपचारिक रूप से फलस्तीन राज्य को मान्यता देगा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पुर्तगाल और यूनाइटेड किंगडम के नेता भी फलस्तीन राज्य को मान्यता देने के लिए तैयार हुए। अब बेल्जियम ने भी फलस्तीन राज्य को मान्यता देने और इस्राइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है।

फिर दहला पाकिस्तान, रैली में गए 14 लोग मरे, बलूचिस्तान में हमलावर ने खुद को उड़ा लिया

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बीएनपी यानी बलूचिस्तान नेशनल पार्टी द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक रैली के समाप्त होने के तुरंत बाद हुए आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 14 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने हमले की निंदा करते हुए इसे मानवता के दुश्मनों द्वारा किया गया कायराना कृत्य बताया। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने बताया कि यह विस्फोट मंगलवार रात को सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रैली के समापन के बाद सरियाब क्षेत्र में शाहवानी स्टेडियम के पास हुआ। समाचार पत्र के अनुसार प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की है।

'द डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह एक आत्मघाती हमला था। पुलिस के अनुसार, विस्फोट रैली समाप्त होने के लगभग 15 मिनट बाद हुआ। हमलावर ने पार्किंग क्षेत्र में विस्फोटकों से लदी अपनी जैकेट में कथित तौर पर उस समय विस्फोट कर दिया, जब लोग रैली में भाग लेने के बाद वहां से निकल रहे थे।

'डॉन' के अनुसार, रैली का नेतृत्व कर रहे बीएनपी प्रमुख अख्तर मेंगल को कोई चोट नहीं आई, क्योंकि विस्फोट उस समय हुआ जब वह घर के लिए निकल रहे थे। इसमें कहा गया है कि पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई, अवामी नेशनल पार्टी के असगर खान अचकजई और नेशनल पार्टी के पूर्व सीनेटर मीर कबीर मुहम्मद शाई भी रैली में मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई।

हालांकि, प्रांतीय असेंबली (एमपीए) के पूर्व बीएनपी सदस्य मीर अहमद नवाज बलूच और पार्टी के केंद्रीय श्रम सचिव मूसा जान सहित कई पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक घायल हो गए। बीएनपी प्रमुख मेंगल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पुष्टि की कि वह सुरक्षित हैं, लेकिन अपने कार्यकर्ताओं की मौत से बेहद दुखी हैं। उन्होंने दावा किया कि विस्फोट में 15 बीएनपी कार्यकर्ताओं की जान चली गई। विस्फोट के बाद एक विशेष जांच समिति का गठन किया गया है और क्वेटा और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब तक किसी भी समूह ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

चीन से अकेले नहीं लड़ा जा सकता, भारत से बिगड़ते रिश्तों पर पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। टैरिफ को लेकर भारत से बिगड़ते रिश्तों पर पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने चिंता जाहिर की है। पूर्व अमेरिकी सलाहकार मैरी किसेल ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का अकेले मुकाबला नहीं कर सकता। उन्होंने अमेरिका के साथ साझेदारी में भारत की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अमेरिका को भारत के समर्थन की जरूरत है।

एक साक्षात्कार के दौरान पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ की वरिष्ठ सलाहकार रहीं किसेल ने दोनों देशों के बीच आर्थिक तनाव के बीच मजबूत भारत-अमेरिका साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम चीन को अमेरिका और अपनी जीवनशैली के लिए सबसे बड़ा खतरा मानने के बारे में वाकई गंभीर हैं, तो हमें भारत की जरूरत है। यह एक सच्चाई है। हम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उनसे अकेले नहीं लड़ सकते। किसेल ने बताया कि एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान भारत की भागीदारी चीन की मुखरता से निपटने में ट्रंप प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश कर सकती है। हमें न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया, न सिर्फ जापान में अपने दोस्तों, बल्कि भारत के भी सहयोग की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह बैठक ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती को उजागर कर रही है।हाल ही में चीन के तियानजिन में 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्ष परिषद शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी।

इस्राइली हमले के बाद यमन में हूती-विद्रोहियों ने की यूएन के दफ्तरों में छापेमारी, हिरासत में लिए 19 कर्मी

सना , एजेंसी। यमन की राजधानी सना में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दफ्तरों पर हूती विद्रोहियों की ओर से की गई छापेमारी में 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। यह संख्या पहले बताई गई संख्या से ज्यादा है। यूएन ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यूएन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को जानकारी दी कि हिरासत में लिए गए 19 लोगों में से 18 यमनी नागरिक हैं और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को तुरंत रिहा करने की अपील की। ये छापेमारी रविवार को एजेंसी के उन दफ्तरों पर की गई, जो खाने-पीने, स्वास्थ्य और बच्चों से जुड़ी सेवाएं देती हैं। यह कार्रवाई इस्राइल के उस हवाई हमले के बाद की गई, जिसमें हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और कई कैबिनेट मंत्रियों की हत्या कर दी गई थी।

शांति वार्ताओं की उम्मीदें तब खत्म हो गईं, जब सात अक्तूबर 2023 को हमास ने दक्षिण इस्राइल पर हमला किया था। इसके जवाब में इस्राइल ने गाजा पर युद्ध छेड़ दिया। इसके बाद हूती विद्रोहियों ने गाजा के फलस्तीनी के समर्थन में लाल सागर में जहाजों पर हमले शुरू कर दिए। इसके जवाब में अमेरिका और इस्राइल ने यमन के हूती-नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए।

संयुक्त राष्ट्र, अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन और हूती-नियंत्रित इलाकों में काम कर रहे राजनयिकों पर यह ताजा कार्रवाई हूती विद्रोहियों पर दबाव की रणनीति मानी जा रही है। दुजारिक ने कहा बताया कि इससे पहले भी हूती विद्रोही 23 यूएन कर्मचारियों को हिरासत में ले चुके हैं, जिनमें से कुछ को 2021 से ही बंदी बनाकर रखा गया है।

कर्मचारियों की गिरफ्तारी से यूएन की क्षमता प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हांस ग्रंडबर्ग ने हाल ही में ओमान की राजधानी मस्कट का दौरा किया, जहां उन्होंने हूती विद्रोहियों के प्रमुख वार्ताकार मोहम्मद अब्देलसालम और अन्य राजनयिकों से मुलाकात की। दुजारिक ने बताया कि इस मुलाकात के दौरान उन्होंने यूएन कर्मचारियों की गिरफ्तारी और दफ्तरों में जबरन प्रवेश की निंदा की। उन्होंने चेतावनी दी कि हूती विद्रोहियों की यह कार्रवाई यमन के लोगों तक मदद पहुंचाने की यूएन की क्षमता को गंभीर रूस से प्रभावित कर रही है। यमन अरब दुनिया का सबसे गरीब देश माना जाता है।

जानकारी

बार-बार डकार आ रही है तो हो सकती ये गंभीर बीमारी

डकार लेना एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है की हमने जो भोजन किया वह हजम हो जाने का डाकार एक संकेत होता है, लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं है, दरअसल जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार लेने का मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। जब हम हवा निगल लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि, लेकिन अगर डकार ज्यादा आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा। ऐरोफेजिया होने पर अक्सर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

पुरानी कब्ज या बदहजमी की समस्या

कई अध्ययन इस बात को बता चुके हैं कि जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाजमा खराब होना, जिसे हम बदहजमी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कारण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित एवं बड़ा बदलाव या तनाव बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज

कई बार गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज (जीइआरडी) या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी में आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूड पाइप) में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खान-पान और जीवनशैली में कई सकारात्मक एवं स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम या पेप्टिक अल्सर

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ एवं दस्त आदि हो सकते हैं। इसके साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी होता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारें आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

बिना बीमार पड़े कैसे लें बारिश का मजा?

बारिश नहीं लाएगी बीमारी

बारिश में भीगना अच्छा लगता है, मगर कई बार बारिश का पानी आपको बीमार भी बना देता है। आमतौर पर बरसात के मौसम में बैक्टीरियल और वायरल बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। पानी में भीगने पर अगर आप छोटी-छोटी गलतियां करें, तो बुखार, जुकाम और शरीर दर्द जैसी सामान्य समस्याओं का खतरा ज्यादा होता है। इस बारिश में अगर आप खुलकर बारिश का मजा लेना चाहते हैं, तो ये 8 मानसून हेल्थ टिप्स ध्यान में रखें।

पहली बरसात से बचें

हम अकसर पहली बारिश का लुत्फ उठाना चाहते हैं, लेकिन चिकित्सकों की मानें तो पहली बरसात स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं होती। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होने का खतरा बढ़ सकता है, बल्कि त्वचा संबंधी बीमारियां भी हो सकती हैं। रैशेज, मुंहासे जैसी समस्याओं का अक्सर पहली बरसात में भीगने से सामना करना पड़ता है। इसके पीछे एक वजह यह है कि बरसता की पहली फुहार प्रदूषित होती है, जिसका सीधा सीधा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है।

ज्यादा देर तक भीगे कपड़े न पहनें

अब चूंकि आप बरसात में भीगने का आनंद उठा ही चुके हैं तो सावधानी के तौर पर जितना जल्दी हो सके भीगे कपड़े निकाल दें। कहने का मतलब यह है कि ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें। हम जितना अधिक भीगने से बीमार पड़ते हैं, उससे कही ज्यादा भीगे कपड़े में रहने के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है। अतः ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें।

पैरों को अच्छी तरह धोएं

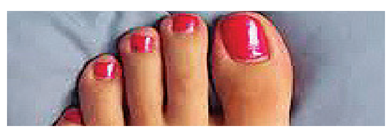

बरसात में सबसे ज्यादा हमारे पैरों की अंगुलियां प्रभावित होती हैं। यह बड़ी अटपटी बात है कि हम अक्सर नहाते हुए पूरे शरीर को साफ करते हैं; लेकिन पैरों की अनदेखी कर देते हैं। यह सही नहीं है। बेहतर यही है कि पैरों को अच्छी तरह धोएं। दरअसल बरसात में भीगने के कारण पैरों की अंगुलियां ठिठुर जाती हैं। यहां तक कि भीगने की वजह से सफेद तक पड़ जाती है। अगर सही से इनकी सफाई न की गई और सूखे कपड़े से इन्हें न पोछा गया तो इसमें फंगस जैसी बीमारी लगने की आशंका बढ़ सकती है।

भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाएं

निःसंदेह भीगते हुए मजा बहुत ज्यादा आता है, लेकिन भीगने के तुरंत बाद ठंड भी लगती है। इसलिए भीगने के बाद ठंडे पानी से नहाना समझदारी नहीं है। इससे आपके शरीर में ठंड बैठ सकती है, जिससे कि आपको बुखार, जुकाम, सिरदर्द, बदनदर्द जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अतः बरसात की फुहार में भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाने का मजा उठाएं।

एंटीसेप्टिक साबुन का इस्तेमाल करें

शायद आपको ज्ञात हो कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। किटाणुओं से बचने के लिए यह जरूरी है कि आप एंटीसेप्टिक साबुन का उपयोग करें। अगर आप घर में एंटीसेप्टिक साबुन नहीं रखते तो नहाने के पानी में डेटोल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इससे आप किटाणुओं के संपर्क में आने से बच सकते हैं।

ड्रायर का उपयोग करें

यह बात खासकर महिलाओं पर लागू होती है। दरअसल उनके बाल लंबे होते हैं। बरसात में भीगने के बाद शरीर ठंड के कारण कंपकपाहट से भर जाता है। इसके बाद यदि जल्द से जल्द बाल न सुखाए गए तो शरीर में ठंड बैठ सकती है। छाती में दर्द या सिरदर्द भी हो सकता है। इसलिए बालों को जल्द से जल्द सुखाने का प्रबंध करें।

मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करें

त्वचा संबंधी समस्याओं से बचने के लिए मोएस्चराइजर का इस्तेमाल लाभकारी सिद्ध होता है। जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। नहाने के बाद यदि मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न किया जाए तो हो सकता है कि त्वचा रूखी हो जाए। इसके अलावा कुछ त्वचा संबंधी बीमारियां भी दस्तक दे सकती हैं। इनसे बचने के लिए मोएस्चराइजर बेहतर विकल्प है।

मसाला चाय का सेवन करें

बरसात में भीगने के बाद चाय की ललक भला किसे नहीं लगती? सबको लगती है, लेकिन साधारण चाय बरसात के दिनों में फायदा नहीं पहुंचाती। भीगने के तुरंत बाद आपको चाहिए कि मसाला चाय पिएं। इससे सर्दी, जुकाम आने से पहले ही रफूचक्कर हो जाते हैं।

सुझाव

ज्यादा देर तक धूप में रहने से हो सकता है पिगमेंटेशन डिसऑर्डर

मैलेनिन एक पिगमेंट है जिसे त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न किया जाता है और जो किसी व्यक्ति की नेचुरल त्वचा टोन के लिए जिम्मेदार होता है। जब किसी बीमारी या चोट आदि के कारण त्वचा सेल्स डैमेज या अस्वस्थ हो जाती हैं तो मैलेनिन का उत्पादन प्रभावित होता है। पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स में या मैलेनिन के अति उत्पादन (हाइपर पिगमेंटेशन) से त्वचा का रंग नार्मल त्वचा टोन से ज्यादा गाढ़ा हो जाता है या मैलेनिन का उत्पादन कम हो जाने (हाइपो पिगमेंटेशन) के कारण त्वचा का रंग हल्का पड़ जाता है। जहां कुछ पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स त्वचा की सतह पर पैचेज के रूप में नजर आते हैं वहीं दूसरे पूरे शरीर पर असर दिखा सकते हैं।

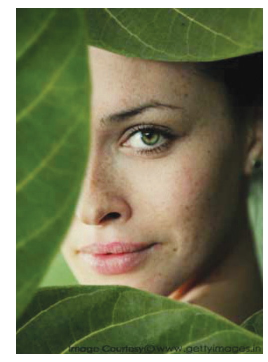

पिगमेंटेशन के लक्षण

त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स के विभिन्न प्रकारों के कारण लक्षण भिन्न हो सकते हैं। रंजकहीनता (अल्बिनिज्म) को किसी व्यक्ति की आंखों, त्वचा और बालों के रंग की जांच करके पता किया जा सकता है। अल्बिनिज्म मैलेनिन की नमौजूदगी से होता है और यह जेनेटिक समस्या है इसलिए त्वचा और बालों का एक समान हल्का रंग पूरे शरीर पर दिखता है। जब त्वचा के रंग में बदलाव पैचेज के रूप में हो तो वह महत्वपूर्ण लक्षण हो सकता है।

पिगमेंटेशन के कारण

- धूप में ज्यादा देर तक रहने से यानी सन एक्सपोजर के कारण।
- औषधि प्रतिक्रिया होने की वजह से भी पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है।
- यह एक जेनेटिक बीमारी है, जो पारिवारिक भी हो सकती है।
- यह व्यक्ति की प्रतिरोधी क्षमता के कारण भी हो सकती है।
- शरीर में जब हार्मोनल बदलाव होते हैं, तब यह समस्या हो सकती है।
- यदि कहीं चोट लगती है तो उसके कारण भी यह हो सकता है।

जोखिम के कारण

त्वचा पिगमेंटेशन की आनुवंशिक प्रवृत्ति (जेनेटिक टेंडेंसी) या ऐसा पारिवारिक इतिहास भी इसका जोखिम बढ़ाता है। अब तक इस मामले में ज्ञात प्रमुख जोखिम कारणों में जेनेटिक यानी आनवांशिक प्रवृत्ति को प्रमुख माना गया है। यदि आपके परिवार में पहले से किसी को यह समस्या है तो यह आपको भी हो सकती है।

इसका उपचार

- त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स का निदान करने के लिए किसी व्यक्ति के विजुअल एग्जामिनेशन के अलावा कई बार वुड्स लैंप या ब्लैक लाइट टेस्ट (डर्मेटोलॉजिकल डायग्नोस्टिक टूल) का उपयोग किया जा सकता है ताकि पिगमेंटेशन से कुछ विशेष त्वचा कंडीशन्स का डायग्नोज किया जा सके।
- त्वचा कैंसर की जांच के लिए बायोप्सी की जाती है, जिसमें प्रभावित त्वचा के एक छोटे टुकड़े का अध्ययन माइक्रोस्कोप से किया जाता है।
- त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स से प्रभावित सभी लोगों को यह सलाह है कि वे धूप में ओवर एक्सपोजर से खुद को बचाने के लिए अच्छी तरह ढंकने वाले कपड़े पहनें, सनस्क्रीन का उपयोग करें और धूप तीखी होने के दौरान बाहर जाने से बचें।
- त्वचा लाइटनिंग या त्वचा ब्लीचिंग एजेंट्स त्वचा का रंग हल्का करने में मदद कर सकते हैं (हाइपर पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स) हाइड्रोक्विनोन या ट्रेटिनायन युक्त लगाने की क्रीमें और लगाने की स्टेरॉयड क्रीमें कुछ प्रकार के हाइपर पिगमेंटेशन का असर घटाने में सहायक हो सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2577

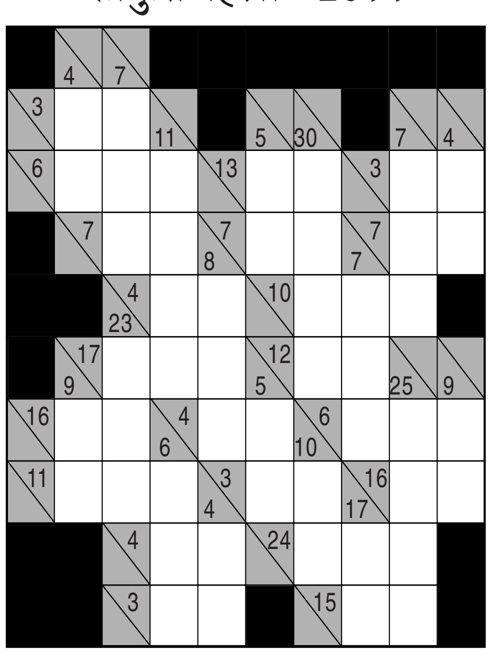

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2576 का हल

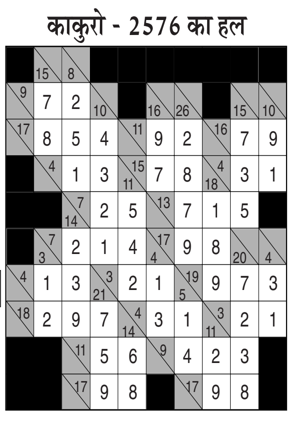

लॉफिंग ज़ोन

राकेश (सुनील से)- यार, तुम्हारी बीवी को जब गुस्सा आता था तो वह काटना शुरूकर देती थी. अब काटती है या नहीं?

सुनील (राकेश)- नहीं.

राकेश (सुनील)- क्यों क्या उसे अब गुस्सा नहीं आता?

सुनील (राकेश)- ऐसी बात नहीं है. गुस्सा तो आता है, पर अब दांत नहीं रहे.

☺ ☺ ☺

भाषणकर्ता - धीरज रखना बहुत बड़ा गुण है. इससे बडे-बडे काम हो सकते हैं.....

एक श्रोता - इससे छलनी में पानी नहीं भरा जा सकता.

भाषणकर्ता - क्यों नही भरा जा सकता? सिर्फ पानी के जम जाने तक हमें धीरज रखना होगा.

☺ ☺ ☺

एक नाई बहुत तेज धार वाले उस्तरे से शेव कर रहा था. उसने ग्राहक से पूछा- आप कितने भाई है?

ग्राहक - तुम्हारे उस्तरे से बच गये तो चार होंगे, वरना तीन ही समझो!

☺ ☺ ☺

मालिक (नए चपरासी से)- तुम्हें मैनेजर ने काम समझा दिया है न?

चपरासी (मालिक से)- जी हां, उन्होंने समझा दिया है कि जब आप दफ्तर में आएं तब मैं उन्हें जगा दिया करुं.

फिल्म वर्ग पहेली- 2577

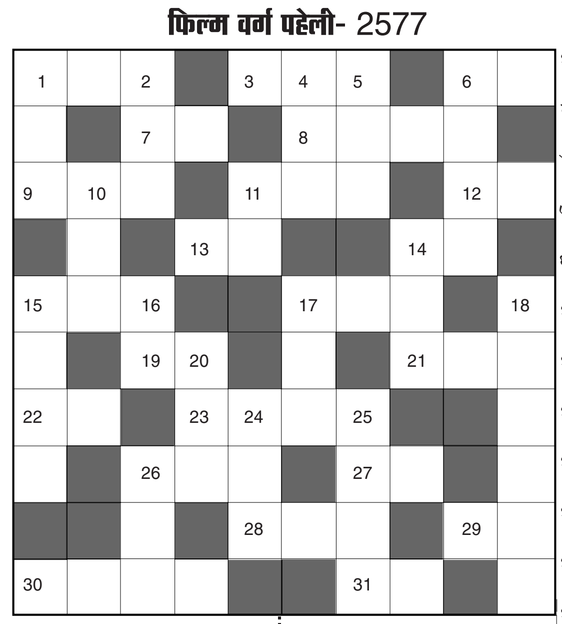

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 2576

सूडोकु -2577

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2576 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 2577

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -2576 का हल

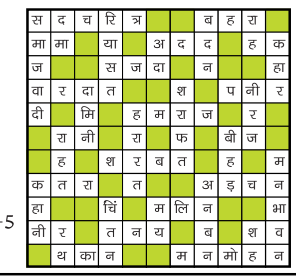

जम्मू में उच्च जोखिम वाले बचाव अभियान में बीएसएफ के हेलीकॉप्टरों ने 45 फंसे ग्रामीणों को बचाया

एजेंसी

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक साहसिक अभियान के तहत अखनूर सेक्टर के बाढ़ग्रस्त गांव में फंसे महिलाओं और बच्चों सहित 45 नागरिकों को निकालने के लिए अपने हेलीकॉप्टर को एक उच्च जोखिम वाले बचाव अभियान में लगाया और उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ द्वारा यह बचाव अभियान तब शुरू किया गया जब पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें गरखल क्षेत्र के फथू कोटली गाँव की बाढ़ग्रस्त आबादी को निकालने में विफल रहीं। चिनाब नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा था और यह नदी वर्तमान में अपने निकासी स्तर 42 फीट से कई फीट ऊपर बह रही थी। उन्होंने बताया कि बाढ़ का पानी गांव में घुसने और 45 लोगों के फंस जाने की सूचना मिलने के बाद आज सुबह वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। फंसे हुए नागरिकों से संपर्क स्थापित करने के कई प्रयास करने के बाद नागरिक प्रशासन ने कीमती जान बचाने के लिए बीएसएफ से एक हेलीकॉप्टर की मांग की।

योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे : रामदास अठावले

रायपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रायपुर पहुंचे। उन्होंने राज्य अतिथि गृह पहुना में छत्तीसगढ़ सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में अठावले ने विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन हितैषी योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ बनाने तथा समाज के वंचित वर्गों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है।

हिमाचल में मूसलाधार बारिश का कोहराम जारी, दो मरे, दो लापता

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश तबाही मचा रही है। जगह-जगह भूस्खलनों और जलभराव ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी वर्षा से हुए हादसों में बुधवार को तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दो लोग लापता हैं। शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों में जानें गई हैं। राज्य सरकार ने एहतियात बरतते हुए 7 सितंबर तक सभी सरकारी व निजी स्कूल, कॉलेज और जिला स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान बंद रखने का आदेश जारी किया है। राज्य भर में बुधवार को भूस्खलन से 5 नेशनल हाईवे और 1359 सड़कें ठप रहीं। शिमला जिले में बुधवार को बड़ा हादसा तब हुआ जब शिमला-रामपुर नेशनल हाईवे-05 पर कालिमिट्टी के पास बिठल में एक निजी बस (नंबर HP63A-1891) पर पहाड़ी से विशाल पत्थर और बोल्डर गिर पड़े। इस दर्दनाक घटना में महाराष्ट्र निवासी लक्ष्मी विरानी और नेपाली मूल की एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 यात्री घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा शिमला के रामचंद्र चौक में भयंकर भूस्खलन से सरकारी आवासों पर पेड़ गिर गए। हालांकि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ क्योंकि मकानों को पहले ही खाली करा लिया गया था। कृष्णा नगर में भी भारी भूस्खलन से 5-6 मकानों को खतरा पैदा हो गया है और घर खाली करवा दिए गए हैं।

नौसेना प्रमुख ने लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर का दौरा किया

लोथल । नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने गुजरात के लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) का दौरा किया। लगभग 400 एकड़ में फैला यह संग्रहालय दुनिया के सबसे बड़े समुद्री संग्रहालयों में से एक होगा। उन्होंने प्रमुख ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थल में नौसैनिक प्रदर्शनियों और विरासत कलाकृतियों को देखा और परियोजना के हितधारकों के साथ बातचीत की। लोथल स्थित एनएमएचसी ऐतिहासिक परियोजना है, जिसे गुजरात सरकार के सहयोग और भारतीय नौसेना के योगदान से पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय विकसित कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और इसके नौसैनिक विकास को प्रदर्शित करना है, जिसमें भारतीय नौसेना के विकास को समर्पित एक गैलरी सहित कई आकर्षक दीर्घाएं शामिल हैं। इस दौरान नौसेना प्रमुख को युद्धपोत निशंक, आईएल-38 एसडी समुद्री टोही विमान, यूएच-3एच सहित नौसेना के हेलीकॉप्टर, डेक-आधारित लड़ाकू विमान सी हैरियर जैसी कई नौसैनिक कलाकृतियों का भ्रमण कराया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाई

एजेंसी

थिरुवरूर । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तमिलनाडु के थिरुवरूर में आयोजित तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में शिरकत की।समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने और बौद्धिक जिज्ञासा व आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण तैयार करने के लिए विशेष प्रशंसा का पात्र है। उन्होंने यह जानकर प्रसन्नता जताई कि यह विश्वविद्यालय विस्तार शिक्षा के माध्यम से समाज के व्यापक वर्गों तक ज्ञान का लाभ पहुंचा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि विश्वविद्यालय वंचित वर्गों के समग्र विकास में सामुदायिक कॉलेज और डॉ. अंबेडकर सेंटर फॉर एक्सीलेंस जैसी पहलों के जरिए सक्रिय योगदान

दे रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तिगत विकास को सामाजिक विकास से जोड़ना होना चाहिए और यह समाज के हित में केंद्रित होनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों से उद्योग जगत के साथ मिलकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवता तथा प्रकृति और पर्यावरण के समृद्धिकरण के लिए करने का आह्वान किया। जीवनपर्यंत शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि विद्यार्थी होना जीवनभर का कार्य है। महात्मा गांधी इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने जीवनभर भाषाएं, ग्रंथ, और विविध कौशल सीखे। उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु बने रहने और आश्चर्य की भावना को जीवित रखने की सलाह दी ताकि वे सतत सीखते रहें और उनकी क्षमताएं समय की मांग के अनुसार बनी रहें। राष्ट्रपति ने कहा कि बीते दो दशकों में इंटरनेट क्रांति ने दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है और कई ऐसे नए पेशे उभरे हैं, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन 4.0 कार्य संस्कृति को और बदल देंगे। ऐसे परिवेश में जो लोग नए कौशल सीखकर खुद को ढाल पाएंगे, वही परिवर्तन के अगुवा बनेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का घोषित मिशन 'मजबूत चरित्र का निर्माण करना और मूल्य आधारित पारदर्शी कार्य संस्कृति का विकास करना' है।

पटना मेट्रो का पहला ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा,800 मीटर लंबे ट्रैक पर दौड़ी

एजेंसी

पटना। पटना मेट्रो का पहला ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस ट्रायल के दौरान मेट्रो को डिपो के अंदर बनाए गए 800 मीटर लंबे ट्रैक पर ट्रेन को दौड़ाया गया, ताकि सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों की गहन जांच की जा सके। ट्रायल के दौरान मेट्रो की तकनीकी और सुरक्षा प्रणालियों की पूरी जांच की गई। विशेषज्ञों की टीम ने ट्रेन की स्पीड, ब्रेकिंग सिस्टम, पावर सप्लाई और सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया।

डिपो के अंदर शुरुआती ट्रायल के बाद अब पटना मेट्रो को आईएसबीटी से भूतनाथ स्टेशन तक के लंबे ट्रैक पर दौड़ाया जाएगा। यह ट्रायल एक हफ्ते तक चलेगा। इस दौरान मेट्रो की स्पीड, ब्रेकिंग सिस्टम, पावर सप्लाई और सभी सुरक्षा उपकरणों की बारीकी से जांच की जाएगी। इस दौरान विशेषज्ञों की एक टीम हर पहलू पर नजर रखेगी ताकि अगर कोई भी तकनीकी कमी सामने आती है तो उसे तुरंत ठीक किया जा सके। इस ट्रायल रन के मौके पर

राज्य के नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री जीवेश मिश्रा भी मौजूद रहे। उन्होंने मेट्रो ट्रेन के अंदर की सारी व्यवस्थाओं को देखा और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि यह पटना के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। इसके साथ ही पटना के लोगों का इंतजार अब खत्म होने के समय में कमी आ गयी है। यह मेट्रो परियोजना न सिर्फ पटना में परिवहन को सुगम बनाएगी, बल्कि राज्य के विकास में भी एक मील का पत्थर साबित होगी।

आरजेडी एक महिला विरोधी पार्टी, ऐसी पार्टियों को जड़ से खत्म कर देना चाहिए - कंगना रनौत

एजेंसी

मुंबई। बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई थी। इस मुद्दे ने राजनीतिक गलियारों में हंगामा मचा दिया है और विपक्षी दलों से इस मामले में जवाब की मांग भाजपा और एनडीए के घटक दलों द्वारा किया जा रहा है।

अब इस पर भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत की भी प्रतिक्रिया आ गई है। उन्होंने बातचीत में ऐसे लोगों की निंदा की और महिला विरोधी पार्टियों को खत्म करने की बात कही है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इस मुद्दे पर आईएएनएस से बात करते हुए कंगना रनौत ने कहा, ÷पीएम मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी देश की सभी महिलाओं के मुंह पर तमाचा है, यह सहन नहीं किया जा सकता। पीएम की मां, जिन्होंने न कभी कोई सरकारी सुविधा ली और पीएम की मां होने के बावजूद सादा जीवन बिताया, उनको लेकर ऐसी

सोच रखना इन पार्टियों की महिलाओं को लेकर विचारधारा को दर्शाता है। सोचिए वो आम महिलाओं के बारे में क्या सोचते और विचार रखते होंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'आरजेडी एक महिला विरोधी पार्टी है। उनकी नजरों में महिलाओं की कोई इज्जत नहीं है। ऐसा किसी के साथ नहीं होना चाहिए। मेरे साथ अतीत में जो हुआ, मुझ पर जो टिप्पणियां की गईं, मैं आज भी उनसे उबर नहीं पाई हूं। वो मेरे लिए एक सदमा है। ऐसे लोग महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते रहते हैं। इनको महिलाएं वोट नहीं देती, इसलिए यह ऐसा करते हैं। देश की महिलाएं आज पीड़ा में हैं। सोचिए अगर ये सत्ता में आए तो महिलाओं का क्या हाल होगा। ऐसी महिला विरोधी पार्टियों को जड़ से खत्म कर देना चाहिए।' कंगना से पहले राजद नेता और बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि किसी की भी मां को अपशब्द कहना उचित नहीं है और न ही यह भारतीय संस्कारों का हिस्सा है। हम लोग इसके पक्षधर भी नहीं हैं। मां, किसी की भी हो, मां होती है। मां का नाम लेने से सुकून मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेताओं का इतिहास महिलाओं का अपमान करने और विपक्षी नेताओं पर अभद्र टिप्पणी करने से भरा रहा है।

पीएम मोदी ने हमेशा गरीबों, किसानों की चिंता की - डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पीएम नरेंद्र मोदी की आम आदमी, किसान और स्वदेशी अभियान को बढ़ावा देने वाली नीतियों की सराहना की। डिप्टी सीएम दिल्ली में आयोजित जीएसटी काउंसिल की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। जीएसटी काउंसिल की बैठक में उन्होंने भारत सरकार द्वारा आम आदमी और किसानों को प्राथमिकता से राहत देने की बात उन्होंने दोहराई।

मीडिया से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा से ही गरीबों की, किसानों की और देश में स्वदेशी अभियान चले, इसकी चिंता की है। इन सबके लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं। लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों, किसानों, उनके खेतों की चिंताओं और स्वदेशी आंदोलन को बढ़ावा देने की बात कही है। मैं इसके लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। मंत्रिस्तरीय बैठकों में चर्चा किए गए भारत सरकार के प्रस्ताव भी आम लोगों को राहत देने पर केंद्रित

हैं। उन्होंने कहा कि हम इन प्रस्तावों को जीएसटी काउंसिल में ले जाएंगे और सभी मंत्रियों से आम आदमी और किसानों की चिंताओं को प्राथमिकता देने का आग्रह करेंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार के प्रस्ताव पर विचार किया गया है, प्रस्ताव को लेकर बैठक में चर्चा करेंगे। सभी मंत्रियों से आग्रह करेंगे कि आम आदमी, किसानों की चिंता करें; स्लैब घटाने की बात पर भी चर्चा होगी। डिप्टी सीएम ने दावा किया कि हम इंश्योरेंस सेक्टर में आम लोगों को राहत देना चाहते हैं। डिप्टी सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अध्यक्षता में आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में सहभागिता की। इस दौरान आगामी दिनों में जीएसटी में होने वाले अनेक सुधारात्मक कदम पर विस्तृत चर्चा हुई, जिससे आमजन के जीवन में एक बड़ा बदलाव आएगा। इस बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री के अलावा, राजस्व विभाग के सचिव, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष एवं सदस्य तथा वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारीगण की मौजूदगी रही।

राहुल-तेजस्वी के पास न संस्कार है, न संस्कृति का ख्याल : बिहार भाजपा

एजेंसी

पटना । भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा ने कहा कि बिहार की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी से यहां के लोग मर्माहत हैं। आश्चर्य है कि इस घटना को लेकर अब तक कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव ने खेद तक व्यक्त नहीं किया, यह दर्शाता है कि इनके पास न संस्कार है और न संस्कृति का ख्याल है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महागठबंधन को इस घटना की कीमत चुकानी पड़ेगी। वैसे, राहुल गांधी से खेद की उम्मीद भी नहीं है क्योंकि इससे पहले भी उन्होंने देश के पीएम के लिए तू-तड़ाक की भाषा बोली है। उन्होंने आगे कहा, आने वाले विधानसभा चुनाव में जंगलराज और मंगलराज के बीच की लड़ाई होगी। सुशासन और कुशासन, सामाजिक

समरसता बनाम जातीय उन्माद, सदाचार बनाम भ्रष्टाचार, विकास बनाम विनाश तथा सनातन बचाने और मिटाने वालों के बीच लड़ाई होगी। इस दौरान जो माहौल बनेगा उसका परिणाम होगा कि महागठबंधन की हालत 2010 से भी बदतर होने वाली है। अनिल शर्मा ने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपने जीवनकाल में कभी पीएम नहीं बनने वाले हैं। राहुल गांधी ने अपने आचरण से अपना व्यक्तित्व और सम्मान खो दिया है।भाजपा नेता ने राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को लेकर आरोप लगाया कि वोट चोरी की बात करना उनका बहाना है, उनकी योजना देश में अराजकता फैलाकर बांग्लादेश बनाना है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव राष्ट्रविरोधी और सनातन विरोधी ताकतों के इशारों पर देश में अराजकता पैदा करना चाहते हैं। उन्हें राष्ट्र सम्मान से कोई मतलब नहीं है। इस दौरान उन्होंने एनडीए महिला मोर्चा के चार सितंबर के %बहार बंद के लिए सभी लोगों से सहयोग की अपील की। इस प्रेस वार्ता में बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष रणवीर नंदन और मीडिया सह प्रभारी सूरज पांडेय भी उपस्थित रहे।

संभल में हिंदुओं की स्थिति पर स्वामी आनंद स्वरूप ने जताई चिंता, मुख्यमंत्री योगी से हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी

हरिद्वार। संभल जिले को लेकर हाल ही में सामने आई जनसंख्या संबंधी रिपोर्ट पर शाम्भवी पीठाधीश्वर व शंकराचार्य परिषद के प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि जिन हिंदुओं ने संभल से पलायन किया है, उन्हें वापस लाकर पुनर्वास की ठोस व्यवस्था की जाए। स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने कहा कि जनसंख्या संतुलन का यह मुद्दा केवल संभल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करे और रिपोर्ट में बताए गए तथ्यों की उच्च स्तरीय जांच कराए। स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने यह भी कहा कि अगर समय रहते सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाए तो आने वाले समय में हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से भी अपील की कि वे जातीय सौहार्द और सांस्कृतिक धरोहर बचाए रखने में सहयोग करें। उल्लेखनीय है कि न्यायिक आयोग की ओर से प्रस्तुत 450 पन्नों की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है कि आज़ादी से पहले संभल में हिंदू आबादी करीब 45' थी, जो अब घटकर लगभग 15' रह गई है। इस बदलाव को गंभीर मानते हुए विभिन्न संगठनों और संत समाज ने इसे जनसंख्या असंतुलन का परिणाम बताया है।

कोटा में तेज बारिश से रेलवे ट्रैक पर पत्थर गिरे

12 ट्रेनें रोकी गईं, कनवास कस्बे में 3 फीट तक पानी

एजेंसी

कोटा। कोटा में मूसलाधार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए। सुबह 3 बजे से डेढ़ घंटे तक हुई तेज बरसात के चलते शहर और ग्रामीण इलाकों में जलभराव हो गया। कोटा-मुंबई रेलवे लाइन पर दरा रेलखंड में पहाड़ी का हिस्सा टूटकर ट्रैक पर आ गया। इससे 12 ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ और कई को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा।

रेलवे अधिकारियों व कर्मचारियों ने ट्रैक से बड़े-बड़े पत्थर हटाने का कार्य किया। सुबह 4 बजे से लेकर 8:40 बजे तक रेल यातायात बाधित रहा। स्थिति सामान्य होने पर ट्रेनों को धीरे-धीरे 30 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से निकाला गया। कई ट्रेनों को डायवर्ट भी करना पड़ा।

प्रभावित ट्रेनें

वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन के अनुसार दिल्ली-मुंबई मार्ग की कुल 12 ट्रेनें लेट चलीं। इनमें गरीब रथ, बांद्रा-जयपुर सुपरफास्ट, बांद्रा-सूबेदारगंज स्पेशल, मन्नारगुडी-भगत की कोठी सुपरफास्ट, मुंबई दूरंतो, गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस, नई दिल्ली डॉक्टर अंबेडकर सुपरफास्ट, स्वर्ण मंदिर

मेल, मुंबई-जयपुर सुपरफास्ट सहित अन्य गाड़ियां शामिल हैं। इनमें कुछ ट्रेनें आधा घंटा जबकि कुछ चार से पांच घंटे की देरी से रवाना हुईं।

हाईवे पर जाम

भारी बारिश से सड़क यातायात भी प्रभावित हुआ। कोटा-झालावाड़ हाईवे पर दरा की नाल में पानी आने से वाहनों की आवाजाही रोकनी पड़ी। इस कारण दोनों ओर लंबा जाम लग गया।

कनवास कस्बे में बाढ़ जैसे हालात: कोटा ग्रामीण क्षेत्र के कनवास कस्बे में लगातार बारिश के साथ सावन-भादो बांध और अरु नदी की तेज आवक से हालात बिगड़ गए। कई जगहों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया। कस्बे के बाजारों और घरों में तीन से चार फीट पानी घुस गया। गायत्री मंदिर और दूधिया खेड़ी मंदिर भी पानी में डूब गए, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। कस्बे की गलियों और सड़कों पर युवक पानी में खेलते हुए भी नजर आए।

ममता बनर्जी वोटों के लिए घुसपैठियों को दे रही हैं संरक्षण: सुनील बंसल

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जोरदार वकालत की। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वोटों की राजनीति के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कोलकाता में वन नेशन-वन इलेक्शन विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि, हम लगातार देश से बांग्लादेशी घुसपैठियों को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन कुछ राजनीतिक दल, विशेषकर तृणमूल कांग्रेस इन घुसपैठियों को बचाने में जुटी रहती है ताकि वे वोटर लिस्ट में बने रहें। यह उनका राजनीतिक स्वार्थ है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बिहार में चुनाव आयोग की मदद से एसआईआर किया जा रहा है। संविधान स्पष्ट करता है कि केवल भारतीय नागरिकों को ही मतदान का अधिकार है।

राज्य सरकार की योजनाओं के केन्द्र में किसानों का सशक्तीकरण - सीएम भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। हमारी योजनाएं और नीतियां किसानों का सर्वांगीण विकास करने के साथ-साथ विकसित राजस्थान-2047 की यात्रा में उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी बजटीय घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करें जिससे किसानों और पशुपालकों को धरातल पर उनका लाभ मिल सके। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, पशुपालन एवं डेयरी तथा गोपालन विभाग की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि को रोजगारोन्मुखी व्यवसाय बनाने के दृष्टिगत दूरगामी निर्णय ले रही है। श्री शर्मा ने कृषि में उन्नत तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के साथ ही किसानों के लिए सुविधाओं एवं सेवाओं में द्रुतगति से विस्तार के लिए विशेष निर्देश दिए।

कस्टम हायरिंग सेंटर्स का हो व्यापक प्रचार-प्रसार: मुख्यमंत्री ने

कहा कि लघु एवं सीमांत किसानों को उचित दर पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में 1 हजार कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इन सेंटर्स के संचालन के लिए एफपीओ को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, जीएसएस, केवीएसएस और पंचायत द्वारा भी संचालन की जिम्मेदारी पर भी विचार किया जाए। उन्होंने कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना से पूर्व अन्य राज्यों के मॉडल का परीक्षण करने और श्रेष्ठ मॉडल को लागू करने के लिए निर्देशित भी किया। साथ ही, इन सेंटर्स के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें।

शर्मा ने कहा कि किसानों के खेत से ही फसल की सीधी खरीद और उसे तत्परता से विक्रय करने के लिए ई-मण्डी प्लेटफॉर्म का नवाचार किया जा रहा है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और उनका आर्थिक रूप से सशक्तीकरण होगा। उन्होंने अधिकारियों को पंचायत स्तर पर ई-मण्डी प्लेटफॉर्म में फसल के भण्डारण के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कृषि उपज मण्डी समितियों के प्रभावी संचालन और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के क्रम में आवश्यक कदम उठाने के लिए भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट (ग्राम)-2026 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन के संबंध में कृषि शासन सचिव को प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार मिलेट्स को प्रोत्साहन देने के लिए 'श्री अन्न प्रमोशन एजेन्सी' की स्थापना कर रही है। उन्होंने ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने और बैलों से खेती करवाए जाने पर प्रोत्साहन राशि दिए जाने के संबंध में भी चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

सीएम योगी ने हनुमानगढ़ी में लगाई हाजिरी, रामलला के श्रीचरणों में झुकाया शीश

जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का किया स्वागत

एजेंसी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पहले संकट मोचन हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती की और सीएम ने दर्शन-पूजन के उपरांत निकलते समय आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया। वहीं मंदिर परिसर की परिक्रमा कर राम मंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया और राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत संकट मोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां

विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दर्शन किए। उन्होंने श्रीरामलला की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की इसके साथ ही उन्होंने राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी भी ली। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। गगंक महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उन्हें स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी का सितम्बर महीने में पहला अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 9 जुलाई को पौधरोपण महा अभियान के शुभारंभ अवसर पर यहां आए थे।

भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने क्रिकेट से लिया संन्यास, 8 साल पहले खेला था आखिरी मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप को अलविदा कर दिया जिससे उनके 15 साल से अधिक के करियर पर विराम लग गया। भारत के लिए आखिरी बार 2017 में खेलने वाले 42 वर्ष के मिश्रा 2024 तक आईपीएल खेले हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने क्रिकेट से संन्यास का फैसला ले लिया है।' उन्होंने भारत के लिए 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 मैच खेले हैं । उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2008 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

गुरुवार को एक बयान में मिश्रा ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का उनका फैसला बार-बार होने वाली चोटों और अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को बड़े मंच पर चमकने के पर्याप्त अवसर देने के विश्वास से प्रभावित था। उन्होंने कहा, 'मैं उन प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनके प्यार और समर्थन ने मुझे जब भी और जहां भी मैंने खेला, इस सफर को यादगार बना दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अमूल्य सीख दी हैं और मैदान पर बिताया हर पल एक यादगार पल है जिसे मैं जिंदगी भर संजो कर रखूंगा।'

मिश्रा ने 2003 में बांग्लादेश में एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लिए उन्हें 2008 तक इंतजार करना पड़ा, जहां वे अपने पहले ही मैच में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए। 2013 में उन्होंने जिम्बाब्वे में 5 मैचों की श्रृंखला में 18 विकेट लेकर जवागल श्रीनाथ के द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने बांग्लादेश में 2014 टी20 विश्व कप में भी खेला, जहां उन्होंने 14.70 की औसत और 6.68 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए जिसमें भारत उप-विजेता रहा।

2017 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद मिश्रा ने घरेलू क्रिकेट और IPL खेलना जारी रखा। उनका आखिरी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट मैच IPL 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ था, जहां उन्होंने 1-20 का औसत हासिल किया। मिश्रा हरियाणा के लिए एक शानदार घरेलू क्रिकेट करियर के अलावा IPL में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 162 मैचों में 23.82 की औसत और 7.37 की इकॉनमी रेट से 174 विकेट लिए हैं। उनके नाम IPL के इतिहास में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज होने का रिकॉर्ड भी है। संयोग से मिश्रा की IPL हैट्रिक तीन अलग-अलग टीमों के लिए आई:

2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), 2011 में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए। भविष्य को देखते हुए मिश्रा ने कहा कि वह युवा क्रिकेटरों को कोचिंग, कमेंट्री और मार्गदर्शन के माध्यम से खेल से जुड़े रहना चाहते हैं, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूट्यूब के माध्यम से प्रशंसकों के साथ नियमित रूप से बातचीत करना चाहते हैं।

(ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में धवन से पूछताछ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में गुरवार को उनसे पूछताछ की। धवन भी कुछ गेमिंग कंपनियों के विज्ञापन से जुड़े है। वहीं सरकार ने हाल ही में सभी ऑनलाइन गैमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार सुबह कथित अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में धवन से पूछताछ शुरू की। ईडी ने गुरुवार सुबह 11 बजे धवन को मुख्यालय में बुलाया। जिससे प्रचार और विज्ञापनों के माध्यम से ऐप से उनके कथित संबंधों और विश्रापनों से हुई आय का पता लगाया जा सके।

धवन से मुख्यालय पहुंचने के तुरंत बाद पूछताछ शुरू हुई और उन्हें जांचकर्ताओं के सामने पेश किया गया। इससे पहले इस मामले में सुरेश रैना सहित कुछ अन्य क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। वे मशहूर सितारे जो ऐप से किसी भी प्रकार जुड़े रहे हैं उनसे इस मामले में पूछताछ हुई है। इन ऐप पर कर चोरी और निवेशकों से धोखाधड़ी का संदह है। इसमें कई अभिनेता भी शामिल हैं। यह मामला भारत में संचालित एक कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ा है, जिस पर मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी और अपने एल्गोरिदम में हेराफेरी का संदेह है। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक कानून लाकर पैसे वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में अब आगे इस तरह के ऐप का न कोई प्रमोशन होगा और न ही इसे भारत में संचालित किया जा सकेगा।

बीबीएल में खेलने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आईपीएल से संन्यास के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं। अभी तक किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने इस लीग से नहीं खेला है। ऐसे में अगर अश्विन बीबीएल के लिए करार करते हैं तो अन्य भारतीय खिलाड़ियों का भी संन्यास के बाद एक नया विकल्प मिल जाएगा। कोई भी भारतीय क्रिकेटर संन्यास के बाद इस लीग में नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने स्वयं अश्विन से संपर्क किया है। उन्होंने अश्विन के आईपीएल से संन्यास लेने के तुरंत बाद उनसे बात की। ग्रीनबर्ग ने कहा कि अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी के बीबीएल में लाने से लीग का आकर्षण बढ़ेगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं, जो लीग में और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बहुत कुछ कर सकते हैं। इससे साफ है कि सीए इस करार को लेकर उत्सुक है। हालांकि, बीबीएल में अश्विन को लाने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को एक खास व्यवस्था करनी पड़ सकती है। इसके पीछे का कारण ये है कि अधिकांश टीमों ने अपने खिलाड़ियों पर अपना पर्स खर्च कर दिया है। ऐसे में अश्विन को देने के लिए उनके पास ज्यादा पैसे नहीं होंगे। सूत्रों की मानें तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया डेविड वॉर्नर की तरह अश्विन को प्रति मैच के हिसाब से भुगतान कर सकती है। दो सत्र पहले वॉर्नर को हर मैच के लिए लगभग 80,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर यानी करीब 46 लाख रुपये मिलते थे। ऐसे में अश्विन के लिए भी इसी तरह का कोई खास करार तैयार किया जा सकता है। इसके साथ-साथ ब्रांड या एंडोर्समेंट डील भी इस समझौते का हिस्सा हो सकती हैं।अगर अश्विन और बीबीएल के बीच डील होती है तो यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ा कदम होगा, क्योंकि तमाम ऐसे क्रिकेटर हैं, जिनको भारत की टीम में या आईपीएल में मौका नहीं मिलता तो वे बीबीएल का रुख कर सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी 2025: दूसरे सेमीफाइनल में छाए ऋतुराज गायकवाड़, लगाई बेहतरीन सेंचुरी

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच भिड़ंत हो रही है। जहां वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने कमाल कर दिया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में बेहतरीन सेंचुरी ठोकी है। गायकवाड़ ने अपनी क्लास दिखाते हुए 13 चौकों के दम पर अपना शतक पूरा किया। गायकवाड़ की सेंचुरी इसलिए भी खास है क्योंकि सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन ने अपने दो धाकड़ बल्लेबाजों को पहले ही खो दिया था। यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर दोनों ही बल्लेबाज पहली पारी में फेल रहे। जहां जायसवाल ने महज 4 तो अय्यर ने 25 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपने ही अंदाज में खेलते हुए स्ट्राइक रोटेशन के साथ-साथ क्लासिक चौके भी जड़े। बिना रिस्क लेते हुए गायकवाड़ ने 70 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सेंचुरी लगाई। वो फर्स्ट क्लास करियर में 8वीं बार सैकड़ा लगाने में कामयाब रहे। गायकवाड़ के साथ श्रेयस अय्यर भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने चार चौके लगा दिए थे लेकिन तेजी से बल्लेबाजी के फेर में वो 28 गेंदों में 25 रन पर बोल्ड हो गए। गायकवाड़ हालांकि, क्रीज पर जमे रहे और उन्होंने लंच के बाद अपनी सेंचुरी पूरी की। बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी

जायसवाल भी इंग्लैंड दौरे के बाद पहली बार मैदान पर दिखाई दिए और ये खिलाड़ी सिर्फ 3 ही गेंद खेलकर पवेलियन लौट गया। जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। हार्विक देसाई भी दीपक चाहर का शिकार हो गए, वो एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्या देसाई ने ऋतुराज के साथ मिलकर 82 रनों की साझेदारी की जिससे वेस्ट जोन की टीम शुरुआती झटकों से उबर पाई।

युकी भांबरी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, इतिहास रचने से 2 जीत दूर

यूएस ओपन 2025 से भारतीय फैंस के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने मेन्स डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की जोड़ी ने अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया। 13वीं वरीयता प्राप्त भांबरी-वीनस ने बुधवार को न्यूयॉर्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल में 11वीं सीड राजीव राम और निकोला मेटकिक को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। ये मैच 2 घंटा और 37 मिनट तक चला। पहली बार युकी भांबरी किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह पिछले साल यूएस ओपन में प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। अब मौजूदा प्रदर्शन से युकी भांबरी डबल्स रैंकिंग में टॉप-25 में पहुंच जाएंगे। बता दें कि, आखिरी बार किसी भारतीय ने यूएस ओपन का खिताब 2015 में जीता था। उस दौरान लिएंडर पेस और सानिया मिर्जा क्रमश- मिक्स्ड डबल्स और महिला डबल्स में चैंपियन बने थे। रोहन बोपन्ना 2023 में यूएस ओपन के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन खिताब जीतने से चूक गए थे। युकी भांबरी-माइकल वीनस ने बेहतरीन शुरूआत करते हुए पहला सेट 6-3 से जीता। दूसरा सेट बेहद रोमांचक रहा और टाई-ब्रेक तक खिंच गया। इस दौरान युकी डबल फॉल्ट कर बैठे, जिसका फायदा उठाकर राम-मेटकिक ने टाईब्रेकर को 8-6 से जीत मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट में भांबरी-वीनस ने बेहतरीन वापसी की और जल्दी ही ब्रेक हासिल करके हासिल कर बढ़त बनाई, जो निर्णायक रहा।

धोनी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, टीवी विज्ञापनों के मामले में अमिताभ बच्चन सहित कई बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली । महेंद्र सिंह धोनी भले ही 5 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके हों लेकिन उनका जलवा अभी भी कायम है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि 2025 में सबसे ज्यादा टीवी विज्ञापन करने वालों में पहला नाम थाला यानि धोनी का है और उन्होंने टीवी विज्ञापनों के रिकॉर्ड तोड़ते हुए अमिताभ बच्चन, विराट कोहली सहित कई बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ दिया है। ॠरू स्रश्व× की टीवी विज्ञापन रिपोर्ट (जनवरी-जून) के अनुसार धोनी 2025 की पहली छमाही में भारतीय टेलीविजन पर दूसरे सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले सेलिब्रिटी बनकर उभरे हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट के मामले में धोनी ने केवल 6 महीनों में 43 ब्रांडों के साथ काम कर शीर्ष स्थान हासिल किया, जो पिछले वर्ष के उनके 42 ब्रांडों के आंकड़े को पार कर गया। यह आंकड़ा अमिताभ बच्चन द्वारा 2024 के पूरे वर्ष के लिए किए गए कुल विज्ञापनों से भी ज्यादा है। शाहरुख खान ब्रांड संख्या में धोनी के बाद 35 विज्ञापनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन 28 विज्ञापनों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। धोनी को प्रतिदिन औसतन 22 घंटे टीवी विज्ञापनों में देखा गया, जो सभी टेलीविजन चैनलों पर कुल विज्ञापनों की संख्या का लगभग 7त्न था। यह उन्हें भारतीय विज्ञापन जगत के सबसे भरोसेमंद चेहरों में से एक बनाता है। सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले टीवी सेलेब्रिटीज़ की सूची में शामिल होने वाले अन्य क्रिकेटरों में विराट कोहली और राहुल द्रविड़ शामिल हैं। द्रविड़ की औसत दैनिक दृश्यता 6.4 घंटे और कोहली की 6.3 घंटे थी। दोनों ने कुल विज्ञापन मात्रा में लगभग 2त्न का योगदान दिया।

इगा स्वियाटेक को हराकर अमांडा अनिसिमोवा यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमांडा अनिसिमोवा ने बुधवार को यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को 6-4, 6-3 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी और अहम जीत मानी जा रही है। करीब आठ हफ्ते पहले ही उन्हें विंबलडन फाइनल में स्वियाटेक के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इस बार उन्होंने पूरी मजबूती और आत्मविश्वास के साथ वापसी करते हुए जीत हासिल की।

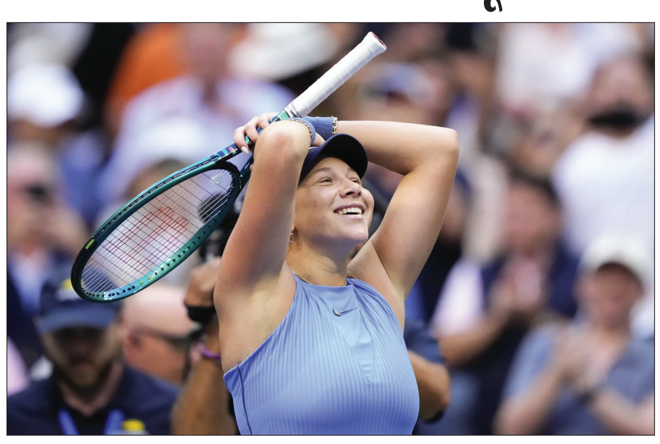

शुरुआत में दबाव, फिर लय में लौटीं

मैच की शुरुआत में स्वियाटेक ने तेजी से दबाव बनाया और जल्दी ब्रेक हासिल किया। लेकिन अनिसिमोवा ने हार नहीं मानी। उन्होंने तीसरे ब्रेक प्वाइंट पर एक शानदार फोरहैंड मारकर वापसी की और पहला सेट जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पहला गेम जीतने से मुझे राहत मिली और मैं फिर सहज होकर खेल सकी।'

पहला सेट कड़ा लेकिन अहम

पहला सेट काफी टक्कर वाला रहा। अनिसिमोवा ने कई अहम मौकों पर शानदार शॉट लगाए और स्वियाटेक की दूसरी सर्विस पर ज़्यादातर अंक जीत लिए। उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरुआत में स्वियाटेक ने 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अनिसिमोवा ने वापसी करते हुए गेम को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने स्वियाटेक की सर्विस तोड़ी और मैच में नियंत्रण बनाए रखा। स्वियाटेक की लगातार गलतियों और कमजोर सर्विस का उन्होंने पूरा फायदा उठाया।

मानसिक तौर पर तैयार थीं

अनिसिमोवा ने बताया कि उन्होंने मैच से पहले विंबलडन की हार दोबारा देखी, ताकि समझ सकें कि गलती कहाँ हुई थी। उन्होंने कहा, 'मैंने खुद को मानसिक रूप से तैयार किया था। डर बिल्कुल भी नहीं था और मैं खुद को लगातार प्रोत्साहित कर रही थी।'

स्वियाटेक ने मानी हार की वजह

स्वियाटेक ने माना कि उनकी सर्विस में कमी रही और अनिसिमोवा ने उनकी दूसरी सर्विस पर बेहतरीन रिटर्न लगाए। उन्होंने कहा, 'मेरी सर्विस ने आज फर्क पैदा किया।'

अब अगली चुनौती सेमीफाइनल में

अब अनिसिमोवा का सामना सेमीफाइनल में या तो नाओमी ओसाका या करोलिना मुचोवा से होगा। अनिसिमोवा ने कहा, 'दोनों खिलाड़ी मजबूत हैं, मुझे पूरे ध्यान से खेलना होगा।'

जीत से बढ़ा आत्मविश्वास

अनिसिमोवा ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे खास जीत है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि मैं दुनिया की टॉप खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकती हूँ।'

एकदिवसीय विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी पाक टीम : सना

लाहौर । आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप के लिए पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना ने कहा है कि उनकी टीम भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पाक टीम अपना पहला मैच दो अक्टूबर को कोलंबो में बांग्लादेश से खेलेगी। महिला विश्व कप में पाकिस्तान की टीम पांच बार खेल चुकी है लेकिन 1997, 2013 और 2017 में एक भी मैच नहीं जीत सकी। पिछली बार 2022 में उसे एकमात्र जीत हैमिल्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली लेकिन बाकी सारे मैच हारकर टीम आखिरी स्थान पर रही थी। पाकिस्तान के लिये 34 एकदिवसीय में 397 रन बनाने और 45 विकेट लेने वाली फातिमा को भरोसा है कि इस बार उनकी टीम जीतेग क्योंकि उसमें शामिल युवा खिलाड़ियों को पता है कि उनके प्रदर्शन से देश में महिला क्रिकेट का विकास होगा। उन्होंने कहा, ''युवा खिलाड़ियों को पता है कि पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिये यह टूर्नामेंट कितना अहम है। हम अतीत के बारे में नहीं सोचेंगे। मेरा लक्ष्य टीम को सेमीफाइनल तक ले जाना है।'' उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी पर भी पिछले एक साल में काफी काम किया गया है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास अच्छे गेंदबाज हैं और स्पिनर हमारे ट्रंपकार्ड होंगे। हम बल्लेबाजी से ज्यादा गेंदबाजी पर निर्भर करेंगे लेकिन पिछले एक साल में बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसका परिणाम मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि टीम का ध्यान क्वालीफायर वाली लय को कायम रखने पर होगा और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट से पहले होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला से टीम संयोजन तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''टीम अच्छी लय में है और क्वालीफायर में उम्दा प्रदर्शन के बाद सभी का मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम में वही खिलाड़ी टीम में हैं जो क्वालीफायर खेली थीं। छह खिलाड़ियों का यह पहला विश्व कप है और वे काफी उत्साहित हैं।'' फातिमा ने कहा, ''विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में कप्तानी करने को लेकर दबाव तो है पर वह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैने उनके भारत के कप्तान के तौर पर और आईपीएल के भी मैच देखे हैं। वह जिस तरह मैदान पर फैसले लेते हैं, शांत रहते हैं और अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, उससे काफी कुछ सीखने को मिलता है। जब मुझे कप्तानी मिली थी तभी मैने सोचा था कि धोनी की तरह बनना है।''

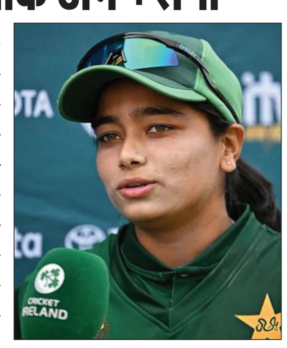

टेस्ट को रोमांचक बनाने जब चाहे नई गेंद लेने का नियम शुरु करें : कुक

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट को रोमांचक बनाने के लिए गेंद बदलने के नियम में बदलाव करना है। कुक ने कहा है कि अभी 80 ओवरों के बाद ही गेंद बदली जाती है जबकि ऐसा करना चाहिये कि कभी भी गेंद बदली जा सके। का इस्तेमाल किसी भी ओवर से कर सकते हों। अभी के लिए ये निमय 80 ओवर के बाद शुरू होता है। एलिस्टर कुक ने ये बात पूर्व कप्तान माइकल वॉन, डेविड लॉयड और फिल टफनेल के साथ खेल के नियमों में बदलाव की बात करते हुए कही। उनका कहना था कि इससे खेल और बेहतर होगा। इसी दौरान कुक ने कहा कि कभी भी गेंद बदलने से एक मैच में 20 विकेट लेने में सहायता मिल सकती है, साथ ही फैसल लेने में एक और रणनीतिक पहलू भी जुड़ सकता है। एक कार्यक्रम में कुक ने कहा, मैं एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा कि 160 ओवरों में आप जब चाहें नई गेंद ले सकें? कुक ने कहा, आपके पास 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें होती हैं। ऐसे में नियम ये होना चाहिए कि आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवरों के बाद दूसरी नई गेंद ले सकते हैं। अभी जो नियम नई गेंद को लेकर है उसमें गेंदबाजी करने वाली टीम के पास हर 80 ओवर के बाद एक नई गेंद लेने का विकल्प होता है पर कुक के सुझाव के बाद उन्हें पहले भी नई गेंद लेने का अवसर मिल सकता है, जिससे वे विकेट निकाल सकें।

भुवनेश्वर अभी संन्यास नहीं लेंगे

नई दिल्ली । मध्यम तेज गति के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का करियर अब समापत होने की ओर बढ़ रहा है। पिछले काफी समय में उन्हें भारतीय टीम में किसी भी प्रारुप में अवसर नहीं मिला है। भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 मैच में 17 विकेट हासिल किए फिर भी चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर विचार तक नहीं किए। टीम इंडिया में वापसी को लेकर भूवी ने कहा, मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। मैंने अभी संन्यास के बार में सोचा नहीं है। जब तक मैं फिट रहूंगा, खेलना जारी रखूंगा। बाकी का काम चयनकर्ताओं का है। भुवनेश्वर कुमार अभी उत्तर प्रदेश प्रीमियर लीग 2025 में मेरठ मेवरिक्स के लिए लिए खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 8 मैच में 9 विकेट ले चुके हैं और वो भी सिर्फ 6.76 की इकॉनमी रेट से। टीम इंडिया में वापसी नहीं हो पाने को लेकर कुमार ने कहा, चयनकर्ता इस सवाल का जवाब देंगे। मेरा काम मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देना है। यूपी लीग के बाद अगर मुझे मुश्ताक अली, रणजी या यूपी के लिए एकदिवसीय प्रारुप में अवसर मिला तो मैं वहां भी अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। एक अनुशासित गेंदबाज के तौर पर मेरा ध्यान हमेशा फिटनेस बनाये रखने और लाइन-लेंथ के साथ ही अपना सर्वहश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर रहता है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा पर बोले पूर्व क्रिकेटर, हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के दौरान भारतीय वनडे टीम में अपनी बहुचर्चित वापसी के लिए तैयार हैं। लंबे समय से टीम से जुड़े ये दोनों खिलाड़ी पिछले एक साल में टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और 50 ओवरों के प्रारूप में अपने भविष्य को लेकर भी चुप्पी साधे हुए हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि मौजूदा टीम प्रबंधन नहीं चाहता कि ये दोनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के बाद खेलना जारी रखें। हालांकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने जोर देकर कहा है कि किसी को भी यह तय करने का अधिकार नहीं है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कब संन्यास लेना चाहिए।

दासगुप्ता ने कहा, 'किसी ने भी यह सही नहीं किया। हमने उन्हें कभी शुरुआत करने के लिए नहीं कहा, इसलिए हम उन्हें यह बताने वाले कोई नहीं होते कि कब रुकना है। वे जब रुकते हैं, तब रुकते हैं। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर करता है। हां, जहां तक चयन का सवाल है तो हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं। आप प्रदर्शन करते रहें, आप बने रहें। इसमें कोई दो राय नहीं है। मैंने हाल ही में उनकी (रोहित) तस्वीरें देखीं, वह फिट दिख रहे हैं, वह पूरी तरह से तैयार हैं और आने वाली चुनौती के लिए तैयार हैं।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उन दोनों के पास आगे बढ़ने के लिए कुछ साल बाकी हैं। मुझे सचमुच थोड़ा गुस्सा आता है जब लोग कहते हैं, 'ओह, इस आदमी को संन्यास ले लेना चाहिए'। मेरा मतलब है कि हम कौन होते हैं ऐसा सुझाव देने वाले?' अगले 12 महीनों में वनडे मैचों की कमी पर बात करते हुए दासगुप्ता का मानना है कि अगर रोहित और कोहली मैच के लिए फिट रहना चाहते हैं तो उन्हें IPL के अलावा विदेशों में खेलने के मौके भी तलाशने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए IPL दो महीने तक चलेगा। फिर वे 7-8 या शायद 8-9 वनडे मैच खेलेंगे। इस बीच विजय हजारे ट्रॉफी है। फिर अगर वे चाहें, तो इंग्लैंड जाकर 50 ओवर का मैच खेल सकते हैं। इसलिए आपके पास क्रिकेट खेलते रहने के विकल्प हैं, भले ही उच्चतम स्तर या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न हों, लेकिन आपके पास अभी भी विकल्प हैं।'

दासगुप्ता ने कहा अगर दोनों मानदंड पूरे कर लेते हैं, तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में लीग क्रिकेट खेलने के विकल्पों पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि इसकी कोई संभावना है या नहीं, शायद

दक्षिण अफ्रीका जाएं या ऑस्ट्रेलिया जाकर वहां कुछ 50 ओवर के मैच खेलें। मुझे पता है, जहां तक इंग्लैंड का सवाल है कि यह निश्चित रूप से एक विकल्प है। हालांकि मुझे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से जुड़े नियमों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन असल बात है भूख। अगर उनमें पर्याप्त भूख है, तो वे कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे।'

कांतारा चैप्टर 1 के बाद टॉक्सिक और जूनियर एनटीआर की फिल्म में भी रुक्मिणी वसंत की एंट्री

कन्नड़ सिनेमा की बेहद हसीन एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के सितारे इन दिनों 9वें आसमान पर हैं। 28 साल की इस हसीना ने छह साल पहले 2019 में एक्टिंग करियर की शरुआत की थी। अब ऐसा लग रहा है कि वह साउथ सिनेमा की सबसे बड़ी सुपरस्टार बनने की तैयारी में हैं।

पिछले दिनों ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 में उनकी एंट्री ने सुर्खियां बटोरी थीं, वहीं अब प्रोड्यूसर एनवी प्रसाद ने खुलासा किया है कि रुक्मिणी यश स्टारर टॉक्सिक और प्रशांत नील-जूनियर एनटीआर की फिल्म ड्रैगन में भी लीड रोल में नजर आएंगी। खास बात यह है कि रुक्मिणी इन दिनों एआर मुरुगदॉस के साथ अपनी फिल्म मधरासी के प्रमोशन में भी जुटी हुई हैं।

एनवी प्रसाद ने यह घोषणा शिवकार्तिकेयन और रुक्मिणी स्टारर तमिल फिल्म मधरासी के प्रमोशन इवेंट में की है। उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस को प्रशांत नील के डायरेक्शन में बन रही जूनियर एनटीआर स्टारर एक्शन ड्रामा ड्रैगन और गीतू मोहनदास निर्देशित टॉक्सिक-अ फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में भी कास्ट किया गया है।

इस साल मधरासी के बाद कांतारा चैप्टर 1 अगले साल भी रुक्मिणी की दो फिल्में

रुक्मिणी वसंत का नाम पिछले कुछ समय से एनटीआर-नील प्रोजेक्ट को लेकर लगातार चर्चा में था। सोशल मीडिया पर इसको लेकर तमाम तरह की रिपोर्ट आ रही थी। हालांकि, निर्माताओं ने इससे पहले कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। यकीनन अगला साल 2026 रुक्मिणी वसंत के लिए बेहद खास होने वाला है।

रुक्मिणी वसंत की फिल्में

रुक्मिणी वसंत ने इसके अलावा बनादारियाल्ली, बघीरा और भैरथी रानागल जैसी बड़े बैनर वाली कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो और ऐस जैसी फिल्मों से तेलुगू और तमिल इंडस्ट्री में भी कदम रखा। अब उनकी शिवकार्तिकेयन स्टारर मधरासी इसी शुक्रवार, 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कौन हैं रुक्मिणी वसंत

साल 2019 में अपने करियर की शुरुआत करने वाली रुक्मिणी वसंत 10 दिसंबर 1996 को बेंगलुरु में पैदा हुई हैं। उनकी डेब्यू फिल्म बिरबल थी, जिसमें वह एमजी श्रीनिवास के साथ नजर आईं। साल 2023 में हेमंत एम राव के डायरेक्शन में बनी सप्त सागरदाचे एलो से रुक्मिणी को पॉपुलैरिटी मिली। इसमें उनके साथ रक्षित शेट्टी थे।

जूनियर एनटीआर की सोलो स्पाई फिल्म एजेंट विक्रम अब हुई बंद

यशराज फिल्म्स की सबसे फिल्मों में से एक वॉर 2 बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही। कमजोर कंटेंट के चलते न केवल दर्शकों और समीक्षकों ने फिल्म को नकारात्मक प्रतिक्रिया दी बल्कि थिएटर में भी यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इस नाकामी से यशराज स्टूडियो को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है, जिसका सीधा असर बैनर की स्पाई यूनिवर्स की आगे की फिल्मों पर पड़ा। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब स्टूडियो के प्रमुख आदित्य चोपड़ा ने जूनियर एनटीआर के किरदार एजेंट विक्रम पर बेस्ड स्टैंडअलोन फिल्म को बंद करने का फैसला ले लिया। सूत्रों के मुताबिक... यशराज का इरादा जूनियर एनटीआर की पैन इंडिया लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए उनके किरदार पर एक सोलो फिल्म बनाने का था और क्रिएटिव टीम इस पर काम भी शुरू कर चुकी थी। लेकिन वॉर 2 की असफलता के कारण इस फिल्म को शुरू होने से पहले ही बंद करना पड़ा।

डायरेक्टर निखिल नागेश करेंगे हॉलीवुड डेब्यू

निर्देशक निखिल नागेश भट्ट ही में अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म किल से दर्शकों का खूब दिल जीता। यह फिल्म कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में दिखाई गई और बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। खासकर इसके नए तरह के एक्शन को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब निखिल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी अगली फिल्म के जरिए सीधे हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार... वह काफी समय से यूनिवर्सल स्टूडियोज के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे थे और अब बातचीत आगे बढ़ चुकी है। यह एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल एक्शन फिल्म होगी, जिसे बड़े पैमाने और हाई बजट में बनाया जाएगा।

शाहिद ने पूरी की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

अहम किरदार में होंगी तृप्ति डिमरी

अभिनेता शाहिद कपूर के फैंस के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने विशाल भारद्वाज के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि इस फिल्म का क्या नाम होगा, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। पोस्ट में उन्होंने बताया है कि इस फिल्म में कौन-कौन से कलाकार होंगे। शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर विशाल भारद्वाज के साथ एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि विशाल भारद्वाज शाहिद कपूर को कुछ समझाते हुए नजर आ रहे हैं। शाहिद कपूर ने इस तस्वीर के साथ एक नोट लिखा है। नोट में उन्होंने बताया है कि इस फिल्म के टाइटल का जल्द ही एलान किया जाएगा।

ये कलाकार होंगे फिल्म का हिस्सा

शाहिद कपूर ने पोस्ट में बताया है कि इसमें तृप्ति डिमरी अहम किरदार में होंगी। इसके अलावा दिशा पाटनी, नाना पाटेकर, फरीदा जलाल और अविनाश तिवारी भी फिल्म में नजर आएंगे। शाहिद कपूर ने पोस्ट में लिखा मैं यह बताते हुए बहुत उत्साहित हूं कि विशाल भारद्वाज के साथ मेरी चौथी फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई। नाम जल्द बताया जाएगा। हमेशा की तरह यह मेरे लिए एक नई दुनिया और एक बेहद अलग किरदार है। यह मेरे लिए बहुत खास है। शाहिद कपूर ने पोस्ट में लिखा तृप्ति डिमरी के साथ काम करके बहुत मजा आया। नाना पाटेकर ने जटिल सीन को आसान किया। फरीदा जलाल आपकी शालीनता के लिए शुक्रिया। अविनाश तिवारी आपकी प्लेलिस्ट के लिए शुक्रिया। दिशा पाटनी आपने और मैंने दोनों गानों में कमाल कर दिया।

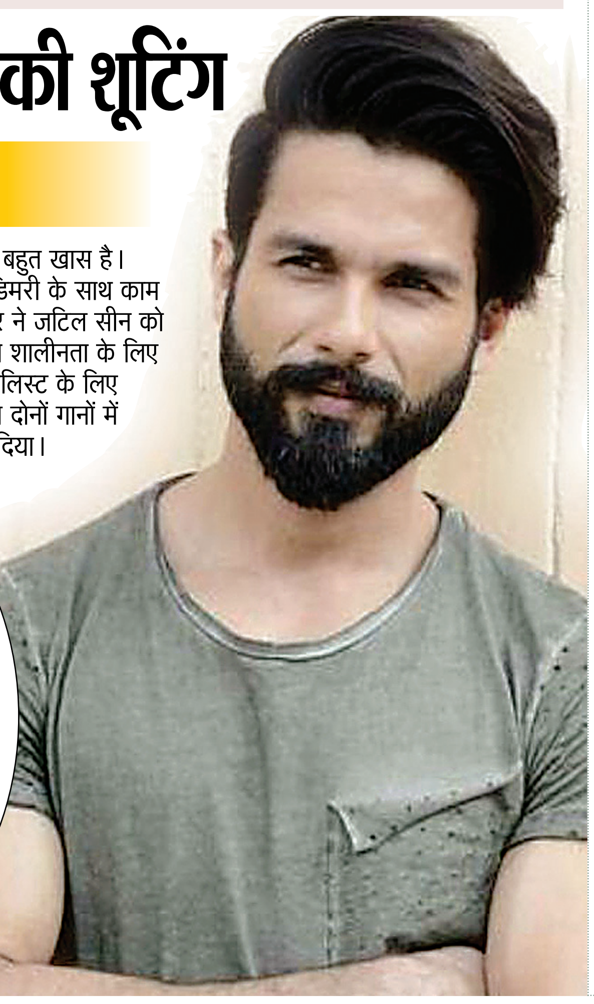

डर को भी डराने आ रही मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की फिल्म

30 साल बाद फिर करेंगे धमाका!

मुंबई का किंग कौन... साल 1998 में मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की जोड़ी ने सत्या के साथ इतिहास रचने का काम किया था। इसके बाद एक्टर-डायरेक्टर की इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को शूल, रोड, कौन? जैसी बेहतरीन फिल्में दीं। अब करीब तीन दशक बाद दोनों फिर साथ आ रहे हैं। जी हां, राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। शूटिंग शुरू हो चुकी है।

इस बार यह जोड़ी डराने के साथ ही हंसाने भी आ रही है। फिल्म हॉरर-कॉमेडी है और नाम पुलिस स्टेशन में भूत है। राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। राम गोपाल वर्मा लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में पुलिस स्टेशन में भूत अपने टाइटल के साथ ही एक दिलचस्प सिनेमाई अनुभव की उम्मीद जगाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ जिनिलिया डिसूजा की जोड़ी है। राम गोपाल वर्मा ने बताया है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

यह बहुत खास है...

मनोज बाजपेयी ने फिल्म का फर्स्ट लुक मोशन पास्टर शेयर करते हुए लिखा है, शूटिंग शुरू। सत्या से अब तक... राम गोपाल वर्मा के साथ करीब 30 साल बाद दोबारा जुड़ना से रोमांच से भरा हुआ है। हमारी नई हॉरर-कॉमेडी पुलिस स्टेशन में भूत, यह बहुत खास है।

पुलिस स्टेशन में भूत का प्लॉट

फिल्म की कहानी में डर, विडंबना और राम गोपाल वर्मा की अपना अलग अंदाज है। फिल्म के पोस्ट पर लिखा है, आप मुर्दों को गिरफ्तार नहीं कर सकते। मेकर्स ने फिल्म के प्लॉट को लेकर कहा है, जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं, लेकिन जब पुलिस डरेगी तो वह कहां भागेगी?

यह डर के हमारे नजरिए की सीमाओं को तोड़ देगी

राम गोपाल वर्मा कहते हैं, सत्या के बाद मनोज के साथ फिर से काम करना पुरानी यादों और रोमांच दोनों को ताजा करता है। डर तब सबसे भयावह हो जाता है, जब वह सुरक्षा के सर्वोच्च अधिकार को चुनौती देता है। पुलिस स्टेशन शक्ति का ऐसा ही प्रतीक होता है। मनोज और जिनिलिया की की जोड़ी कहानी में डर को देखने के हमारे नजरिए की सीमाओं को तोड़ देगी।

पुलिस स्टेशन में भूत रिलीज डेट

हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन समझा जा रहा है कि तैयारी इसी साल के आखिर में या फिर अगले साल की शुरुआत में इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने की है।

रेंजर में फॉरेस्ट ऑफिसर हैं अजय, संजय बने शिकारी

अजय देवगन और उनकी फिल्मों की शूटिंग्स पर मुंबई की बारिश का असर नहीं पड़ रहा है। वह लगातार अपनी कई फिल्मों को पूरी करने में जुटे हुए हैं। हाल ही में उनकी फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग पूरी हुई है, जबकि वह रेंजर और धमाल 4 जैसी बड़ी फिल्मों को भी पूरा करने में लगे हुए हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रेंजर कुछ-कुछ इंडियाना जोन्स के जोन में है। उसमें संजय दत्त भी हैं। वह सुपरपावर वाले शिकारी के रोल में हैं। अजय यहीं पर नहीं थम रहे। वह कन्नड़ हॉरर कॉमेडी की रीमेक भी प्लान कर रहे हैं। जंगल में अजय और संजय करते दिखेंगे एक्शन, सितंबर या अक्टूबर में फिर शुरू होगी शूटिंग

अजय और संजय स्टारर रेंजर की शूटिंग हाल ही में श्रीलंका में हुई थी। हालांकि, फिलहाल इसकी शूटिंग रुकी हुई है लेकिन उम्मीद है कि सितंबर या अक्टूबर में यह फिर से शुरू होगी। इस फिल्म में संजय एक स्टाइलिश शिकारी की भूमिका में हैं, जो अपनी खास तकनीकों से जानवरों को नियंत्रित करता है। यह फिल्म किसी सुपरनैचुरल कहानी पर आधारित नहीं है, बल्कि जानवरों की तस्करी और उनके रखवालों की चुनौतियों की एक वास्तविक और रोचक कहानी है। फिल्म में अजय एक साहसी फॉरेस्ट रेंजर के किरदार में नजर आएंगे जो जंगल में जानवरों की रक्षा के लिए लड़ते दिखेंगे।

साउथ के निर्देशक जेपी के साथ एक हॉरर कॉमेडी फिल्म भी करेंगे अजय

अजय का काम धमाल 4 और रेंजर के साथ खत्म नहीं हो रहा है। इसके बाद, वह अपनी दो सबसे सफल फ्रेंचाइज गोलमाल 5 और दृश्यम 3 पर काम शुरू करेंगे। गोलमाल 5 की शूटिंग दिसंबर से शुरू होने की उम्मीद है, जबकि दृश्यम 3 की स्क्रिप्ट लिखी जा रही है और इसकी शूटिंग अक्टूबर में शुरू हो सकती है। इनके अलावा, अजय एक नए प्रोजेक्ट को लेकर भी चर्चा में हैं। खबरों के मुताबिक, वह कन्नड़ फिल्म सु फ्रॉम सो के निर्देशक जेपी तुमिनाड के साथ एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। इसका निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस करेगा। यह अजय के लिए एक नया जॉनर होगा।

दे दे प्यार... 2 की शूटिंग लंदन में पूरी, माधवन भी आएंगे नजर

अजय ने अपनी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग भी पूरी कर ली है। इस महीने की शुरुआत में ही वह लंदन से वापस लौटे हैं, जहां फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए। इस सीक्वल में आर माधवन भी एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे, जो रकुल प्रीत सिंह के पिता की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी जहां पहले भाग का अंत हुआ था, जिससे दर्शकों को एक नई और दिलचस्प कहानी देखने को मिलेगी। माधवन के साथ अजय लगातार फिल्में कर रहे हैं। शैतान में दोनों का फेस ऑफ दिखा था। काजोल की मां के प्रमोशन में भी माधवन खास तमिलनाडु से मुंबई प्रमोशन और फ्रेंडशिप के लिए आए थे।

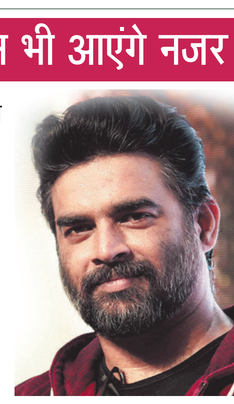

धमाल 4 के क्लाइमैक्स की शूटिंग भी है अभी बाकी

अजय की इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित धमाल 4 की शूटिंग अभी पूरी नहीं हुई है। क्लाइमैक्स की शूटिंग बाकी है। मुंबई में हो रही बारिश के बावजूद फिल्म की शूटिंग जारी है। फिलहाल, फिल्म का कुछ काम बाकी है, जिसमें मड आइलैंड और अंधेरी के एक स्टूडियो में कुछ दिनों की शूटिंग शामिल है। गुरुवार को अजय मुंबई के मड आइलैंड पहुंचे। फिल्म में अजय के साथ एक पुरानी एक्ट्रेस को भी कास्ट किया गया है, जो दो बच्चों की मां का किरदार निभाएंगी। फिलहाल उनका नाम सामने नहीं आया है। इसके अलावा, रितेश देशमुख का भी कुछ दिनों का शूट बाकी है। जैसे ही यह काम पूरा होगा, फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी।

गुरु ब्रम्हा,गुरु विष्णु,गुरु देवो महेश्वरा,
गुरु शक्षत प्रम्ब्रम्हा तस्मेश्री गुरवे नमः
....गुरु दिवश के अवसर पर में अपने गुरु रूपी माता और पिता को प्रणाम करते हुए अपने सभी साथियो को हार्दिक शुभकामनाये

गुरु दिवस

गुरु बिनु ज्ञान कहाँ जग माही

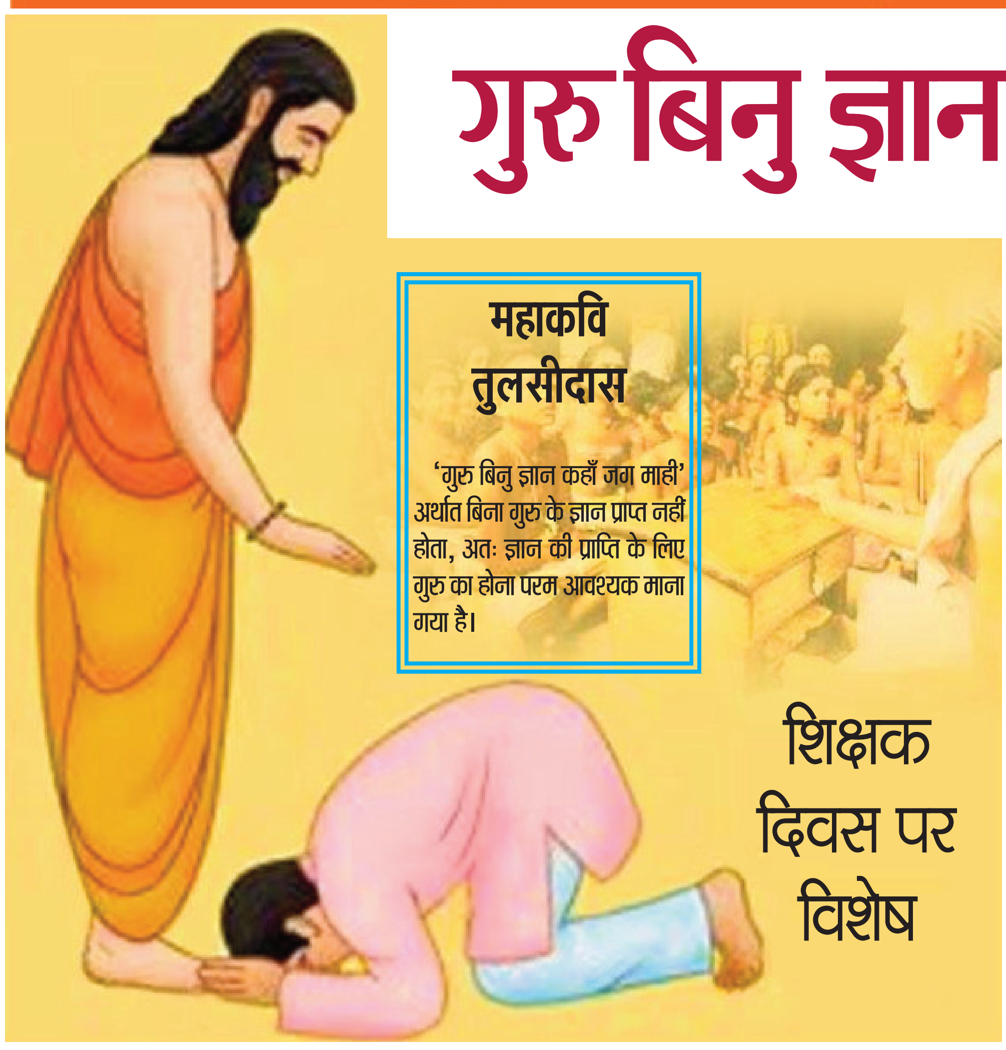

महाकवि तुलसीदास

'गुरु बिनु ज्ञान कहाँ जग माही' अर्थात बिना गुरु के ज्ञान प्राप्त नहीं होता, अतः ज्ञान की प्राप्ति के लिए गुरु का होना परम आवश्यक माना गया है।

शिक्षक दिवस पर विशेष

'अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींचकर शक्ति में निर्मित करते हैं।' महर्षि अरविंद का उक्त कथन शिक्षक की गरिमा के सर्वथा अनुकूल ही है। शिक्षक राष्ट्र निर्माता है और राष्ट्र के निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में शिक्षकीय महत्व को नकारा नहीं जा सकता ।

उर्वरायुक्त पारिवारिक धरातल पर शिक्षक संस्कारित ज्ञान की फसल बोता है और स्वच्छ एवं स्वस्थ क्षेत्रीय वातावरणीय जलवायु में श्रेष्ठता रूपी नागरिक की उन्नत उपज देता है। इस दृष्टि में शिक्षक संस्कारों का पोषक है। सही अर्थों में राष्ट्र की संस्कृति का कुशल शिल्पी है, जो संगठित, धैर्यवान, संस्कारवान, विवेकवान युवा शक्ति का निर्माण करता है। शिक्षक संस्कृति से तादात्म्य स्थापित कर शिक्षार्थी में ज्ञान के गरिमामय पक्ष का बीजारोपण करता है। फलस्वरूप शिक्षार्थी में शिक्षा के प्रति गहन अभिरुचि जाग्रत होती है। शिक्षक वह सेतु है, जो शिक्षार्थी को शिक्षा के उज्ज्वल पक्षों से जोड़ता है। संस्कारित शिक्षार्थी शिक्षा के उपवन को अपने ज्ञान–पुष्प की सुरभि से महकाते हैं तथा परिवार, समाज एवं राष्ट्र को गौरवान्वित करते हैं।

उत्तम शिक्षा, योग्य शिक्षक और अनुशासित शिक्षार्थी ही संस्कारित, सुसभ्य और स्वच्छ–स्वस्थ समाज का निर्माण करने का सामर्थ्य रखते हैं। संस्कृति का उद्गम ही श्रेष्ठ संस्कारोंके गर्भ से होता है, जिससे सामाजिक गतिविधियों को सांस्कृतिक शक्ति का संबल प्राप्त होता है।

राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका का कोई सानी नहीं है। विद्यार्थियों में स्नेह, सद्भाव, भ्रातृत्व भाव, नैतिकता, उदारता, अनुशासन जैसे चारित्रिक सद्गुणों की समष्टि गुरु के माध्यम से ही संभव होती है। समाज–जीवन में स्नेह एवं सद्भाव तथा सामंजस्य की सद्प्रेरणा गुरु से ही प्राप्त होती है क्योंकि शिक्षा का मूल उद्देश्य ही चरित्र निर्माण करना है। शिक्षक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का हरसंभव प्रयास करता है। शिक्षक को एक ऐसा दीपक माना गया है जो सेवापर्यंत दीप्तमान रहते हुए विद्यार्थियों के प्रगतिपथ को अपने ज्ञान का आलोक प्रदान करता रहता है।

ज्ञान दे संस्कार दे,
और बनाये शिष्यों का जीवन चमन
शीश झुकाकर करते हैं हम–सब,
ऐसे गुरू–देव को शत–शत् नमन।

हर बर्ष की तरह इस बार भी भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के दिन यानि 5 सितम्बर को पूरे भारतवर्ष में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वास्तव में यह दिन गुरू–शिष्य के पवित्र रिश्ते को उजागर करता है। लेकिन वर्तमान–काल में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप मे मनाया जाना लगा है अर्थात् शिक्षक और विद्यार्थी का दिन। गुरू और शिक्षक में बहुत अन्तर है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को केवल शिक्षा देता है और विद्यार्थी अपने शिक्षक से विद्या को ग्रहण करते हैं, परन्तु जो गुरू होता है वह अपने शिष्यों को शिक्षा, विद्या सहित ज्ञान देता है। ज्ञान जिसका प्रयोग शिष्य अपने सम्पूर्ण जीवन–काल तक कर सकता है। प्राचीनकाल से ही गुरूओं का बोलबाला रहा है और गुरू के दिये ज्ञान पर ही शिष्य अमल करते आए हैं। मगर गुरू शब्द ने जब से शिक्षक का रूप ले लिया है, तबसे शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच एक अलग ही अन्तर सा पैदा हो गया है। गुरूओं से हटकर शिक्षकों ने अपने मूल्यों में परिबर्तन कर लिया है। इन परिवर्तनों के कारण ही अब शिक्षकों का अपने विद्यार्थियों के प्रति उतना लगाव नही रह गया है और न ही उनके प्रति उतना निष्ठा का भाव रह गया है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को गुरू बनकर अपने शिष्य को गुरू–ज्ञान देना चाहिए और प्रत्येक विद्यार्थी को एक सच्चे शिष्य के रूप मे उस गुरू–ज्ञान को ग्रहण कर अपने जीवन में उतारना चाहिए। तब तो शिक्षक दिवस मनाये जाने का कोई मतलब बनता है, अन्यथा अन्य कई दिवसों की तरह यह दिवस भी सिर्फ ढोंग दिवस का ही प्रारूप बनकर रह जायेगा।

एक सच्चे शिष्य हेतु दो पंक्तियाँ प्रस्तुत है:-
बनकर दिखलाओ सच्चा शिष्य
और अर्जित करो गुरू का ज्ञान,
गुरू के ज्ञान को जीवन में उतारो
और सारे जग में बढाओ गुरू का मान।

गुरु के प्रति व्यक्त करें अपनी भावनाएं

गुरु गोविन्द दोउ खड़े काके लागु पांव, बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय। कबीर दास द्वारा लिखी गई यह पंक्तियां जीवन में गुरु के महत्व को वर्णित करने के लिए काफी हैं। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। उनका ऋण हम किसी भी रूप में उतार नहीं सकते लेकिन जिस समाज में हमें रहना है, उसके योग्य हमें केवल शिक्षक ही बनाते हैं। यद्यपि परिवार को बच्चे के प्रारंभिक विद्यालय का दर्जा दिया जाता है लेकिन जीने का असली सलीका उसे शिक्षक ही सिखाता है। समाज के शिल्पकार कहे जाने वाले शिक्षकों का महत्व यहीं समाप्त नहीं होता क्योंकि वह ना सिर्फ आपको सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि आपके सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है। इसीलिए गुरु की महत्ता को समझते हुए हर वर्ष भारत में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस यानि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। कच्चे घड़े की भांति स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जिस रूप में ढालो, वे ढल जाते हैं। वे स्कूल में जो सीखते हैं या जैसा उन्हें सिखाया जाता है वे वैसा ही व्यवहार करते हैं। उनकी मानसिकता भी कुछ वैसी ही बन जाती है जैसा वह अपने आसपास होता देखते हैं। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी है जो हमें गुरु द्वारा प्रदान की जाती है। गुरु का संबंध केवल शिक्षा से ही नहीं होता बल्कि वह तो हर मोड़ पर आपका हाथ थामने के लिए तैयार रहता है। आपको सही सुझाव देता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है, जिसके कई स्वर्णिम उदाहरण हमारे इतिहास में दर्ज हैं। लेकिन वर्तमान समय में कई ऐसे लोग भी हैं जो अपने अनैतिक कारनामों और लालची स्वभाव के कारण इस परंपरा पर गहरा आघात कर रहे हैं। 'शिक्षा' जिसे अब एक व्यापार समझकर बेचा जाने लगा है, किसी भी बच्चे का एक मौलिक अधिकार है लेकिन अपने लालच को शांत करने के लिए आज तमाम शिक्षक अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। इतना ही नहीं वर्तमान हालात तो इससे भी बदतर हो गए हैं क्योंकि शिक्षा की आड़ में कई शिक्षक अपने छात्रों का शारीरिक और मानसिक शोषण करने को अपना अधिकार ही मान बैठे हैं। किंतु हम बात कर रहे हैं ऐसे गुरुओं की जिन्होंने हमेशा समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। प्राय- सख्त और अक्खड़ स्वभाव वाले यह शिक्षक अंदर से बेहद कोमल और उदार होते हैं। हो सकता है आपके जीवन में भी कभी ना कभी एक ऐसा गुरु या शिक्षक का आगमन हुआ हो जिसने आपके जीवन की दिशा बदल दी या फिर आपको जीवन जीने का सही ढंग सिखाया हो।

शिक्षक दिवस का महत्व

'शिक्षक दिवस' कहने-सुनने में तो बहुत अच्छा प्रतीत होता है। लेकिन क्या आप इसके महत्व को समझते हैं। शिक्षक दिवस माने साल में एक दिन बच्चों द्वारा टीचर्स को भेंट किया गया एक गुलाब का फूल या कोई भी गिफ्ट। नहीं यह टीचर दिवस मनाने का सही तरीका नहीं है।

टीचर्स डे हम सभी मनाते आए है। आपने भी मनाया है। हमने भी मनाया है। लेकिन इस दिन को मनाना तभी सही मायने में सार्थक सिद्ध होगा जब आप अपने टीचर के प्रति सही नजरिया रखें। पिछले कुछ ही समय में ऐसी कई घटनाएँ देश और दुनिया में घटी है जो आपके व्यवहार, वातावरण और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। चाहे वह घटना 'सभरवाल कांड' हो या फिर किसी शिक्षक द्वारा भरी क्लास में या एकांत में स्कूली छात्रा के कपड़े का नाप लेना हो। या फिर किसी शिक्षक द्वारा बच्चे के कपड़े उतारकर उसे दंडित करना हो। यह सब बातें हमें किस ओर इंगित करती है। यह समझना आज बहुत जरूरी हो गया है। या तो शिक्षक वो शिक्षक नहीं रहे जो अपने छात्रों को वह सही संस्कार दे सकें। या फिर आजकल के शिक्षकों में अहंकार, अत्याचार, ईर्ष्‍या और द्वेष का भाव बहुत ज्यादा मात्रा में आ गया है। यह सब मैं इसलिए नहीं कह रही हूँ कि मैं शिक्षकों का आदर करना नहीं जानती, या फिर मैं शिक्षकों के खिलाफ हूँ।

बात ऐसी नहीं है... रोजाना हमारे आमने-सामने, हमारे आस-पास घटित होने वाली उन घटनाओं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर ये सब हो क्या रहा है? क्या किसी भी छात्र संगठन के छात्रों द्वारा शिक्षकों को अपमानित करना, उनके साथ मारपीट करना ये वाक्या किस हद ते क सही है। अभी हाल ही में एक स्कूल 10वीं-11वीं के छात्र ने अपने टीचर की जमकर धुनाई कर दी थी। उस छात्र ने ऐसा क्यों किया यह सोचना भी एक बहुत बड़ा पहलू है। अगर हम मान भी लेते है कि हो सकता है उस बच्चे की कोई मजबूरी रही हो, या उस बच्चे को गुस्सा बहुते ज्यादा आता हो तो शिक्षक द्वारा कहीं गई बातों का, शिक्षक द्वारा` उस छात्र के साथ किए गए व्यवहार से आहत होकर उस बच्चे ने इतना घिनौना कदम उठाया। बात जो भी हो, लेकिन तरीका तो गले त ही हुआ। शिक्षक को हम विद्या का वरदान देने वाले भगवान का दर्जा देते आए है। उनके प्रति हमारे मन असीम प्यार, और स्नेह छुपा होता है।` तो फिर छात्र द्वारा अपने शिक्षक के साथ किया गया यह व्यवहार कैसा? क्या आजकल के बच्चों को स्कूलों में सही शिक्षा, सही वातावरण नहीं मिल रहा है या फिर आपके घर के संस्कारों में कुछ कमी है। जो आप जरा-जरा सी बात पर मरने-मारने पर उतारूँ हो जाते है। अगर आप शिक्षक दिवस का सही महत्व समझना चाहते है तो सर्वप्रथम आप इस बात को हमेशा ध्यान रखें कि आप एक छात्र है, और

अपने शिक्षक से उम्र में काफी छोटे है। और फिर हमारे संस्कार भी तो हमें यही सिखाते है कि हमें अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। अपने गुरु का आदर-सत्कार करना चाहिए। उनकी बात को ध्यान से सुनना और समझना चाहिए। अगर आपने अपने क्रोध, ईर्ष्या को त्याग कर अपने अंदर संयम के बीज बोएँ तो निशे चित ही आपका व्यवहार आपको बहुत ऊँचाइयों तक ले जाएगा। और तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाने का महत्व भी सार्थक होगा।